25वीं वार्षिक रिपोर्ट

2019-2020

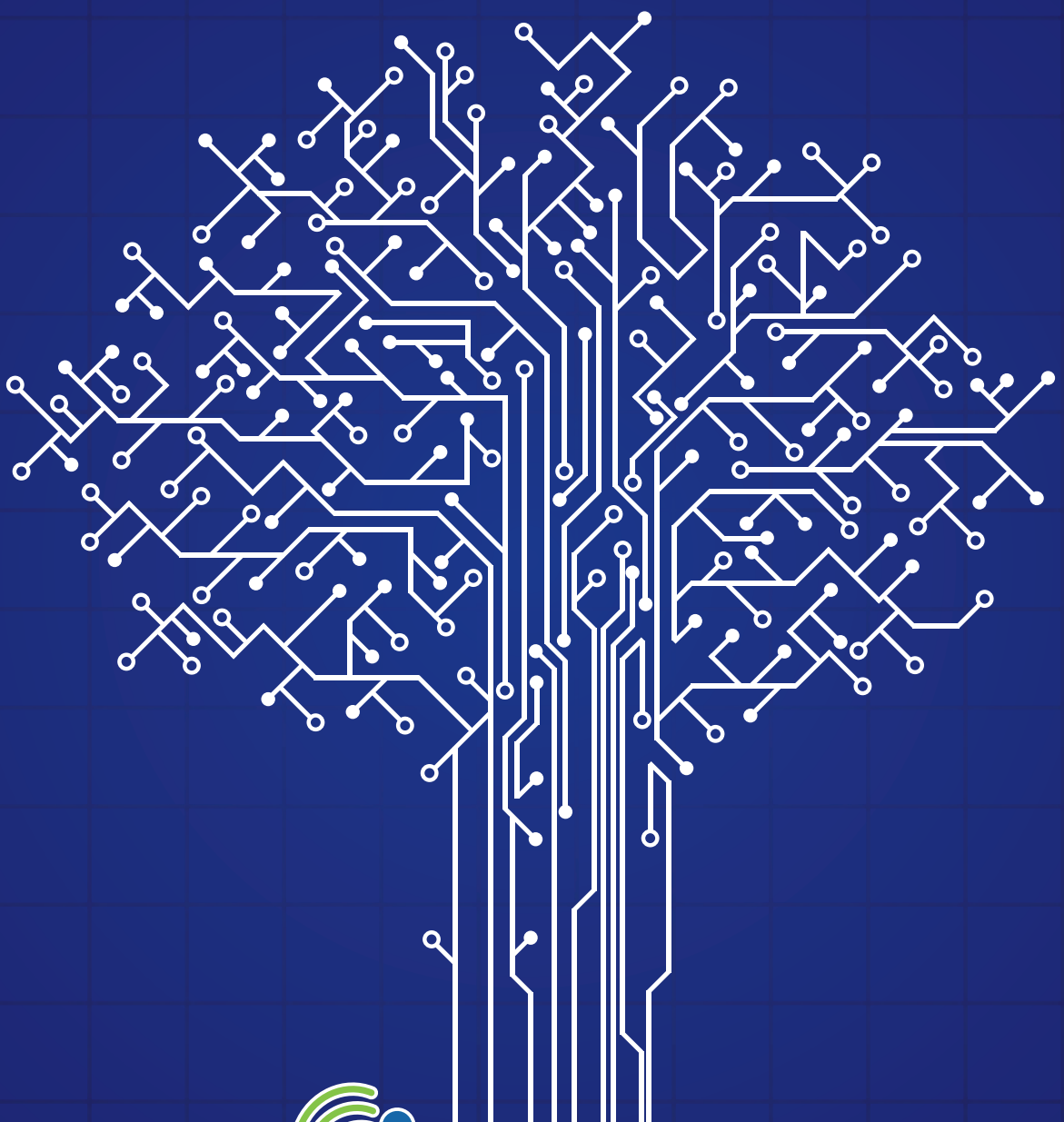

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

25वीं वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

विषयवस्तु

संदेश 04

परिषदें 08

विशेषताएं 16

परियोजनाएं 25

केन्द्र 32

लेखा–परीक्षक 79

लेखा 84

संक्षिप्तकार 136

रविशंकर प्रसाद
RAVI SHANKAR PRASAD

मंत्री
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार
MINISTER OF
ELECTRONICS & INFORMATION, TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 25वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ–साथ वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए लेखाओं का संपरीक्षित विवरण एवं लेखा–परीक्षक की रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हुई है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान अपने क्षमता निर्माण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के परंपरागत क्षेत्रों के साथ–साथ विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे कि क्लाउड कम्प्यूटिंग, रोबोटिक्स, आर्टिफिश्यल इंटेलिजेंस, डाटा विज्ञान, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक–चेन तथा इन्टरनेट ऑफ थिंग्स में कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से डिजिटली सशक्त समाज के निर्माण में भारत सरकार के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

वर्तमान में, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रदत्त आदर्श शब्द लोकल के लिए वोकल से, स्थानीय उद्यमियों को डिजिटली सशक्त बनाने के उत्तरदायित्व के साथ ही नाइलिट की उपयोगिता में विभिन्न प्रकार से वृद्धि होती है।

मार्च, 2014 तक, देशभर में नाइलिट केन्द्रों की संख्या 30 थी जो वर्तमान में 43 है तथा अनेकों प्रगति पर हैं। महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए, इस सरकार ने कम से कम प्रत्येक राज्य में एक नाइलिट केंद्र को शुरू किए जाने की योजना बनायी है ताकि, "अगम्य से गम्य" के विजन में विस्तार किया जा सके।

मैं नाइलिट को दिए गए निरंतर सहयोग के लिए इसके सभी हितधारियों की प्रशंसा एवं धन्यवाद करना चाहूँगा।

(रविशंकर प्रसाद)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6 सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली–110003
फोन : 011-24369191, 24362626, फैक्स : 011-24366070

Digital I Power To Empower

भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

संजय धोत्रे
SANJAY DHOTRE

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
मंत्रालयों के राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE IN THE
MINISTRIES OF ELECTRONICS & INFORMATION
TECHNOLOGY
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

मैं प्रसन्न हूँ कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अंतर्गत सम्पूर्ण देश में डिजिटल डिवाइड को कम करते हुए समावेशी विकास के सुनिश्चय पर आधारित सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैस "डिजिटल भारत" तथा "कौशल भारत" की सफलता की ओर निरंतर योगदान दे रहा है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नामतः उत्तर–पूर्व क्षमता निर्माण परियोजना (एनईसीबी), भविष्य–कौशल प्राइम परियोजना, उत्तर–पूर्वी राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण–मय–जांच प्रयोगशालाओं की स्थापना, देश के आकांक्षापूर्ण जिलों में एससी / एसटी, ईडब्ल्यूएस (महिलाओं) का कौशल विकास, इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणाली डिजाइन व विनिर्माण (ईएसडीएम परियोजना) आदि विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

मुझे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की 25वीं वार्षिक रिपोर्ट में विशिष्ट उपलब्धियों को देखकर प्रसन्नता हुई है। मैं आश्वस्त हूँ कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान अपनी मौजूदा क्षमता व सामर्थ्य में वृद्धि करते हुए देश के नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास जारी रखेगा।

मैं राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान को इसके भावी प्रयासों में सफल होने की शुभकमनाएं देता हूँ।

(संजय धोत्रे)

कार्यालय : कमरा सं. 126, 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001, दूरभाष : +91-11-2338407, 23384073, फैक्स : +91-11-23385112

सत्यमेव जयते

अजय साहनी, आई.ए.एस.
AJAY SAWHNEY, I.A.S.

सचिव
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Secretary
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

सरकार ने अपने नागरिकों के सशक्तिकरण, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने की दिशा में डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ प्राप्त करने हेतु महत्वपूर्ण मिशन के रूप में 'डिजिटल इंडिया' की शुरुआत की है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम भारत सरकार के अधीन नोडल मंत्रालय व प्रवर्तक के रूप में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने देश के वैश्विक स्तर पर आईटी/ आईटीईएस तथा इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण क्षेत्र में उपस्थिति दर्ज कराते हुए क्रांतिकारी पहल की शुरुआत की है।

मैं प्रसन्न हूँ कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बिग डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी, मशीन लर्निंग, 3डी प्रिंटिंग/योगात्मक विनिर्माण, ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी तथा रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन(आरपीए) के क्षेत्र में युवाओं व कार्यरत पेशेवरों की रि–स्किलिंग की दिशा में निरंतर विकास व प्रयास कर रहा है ताकि, वे इन परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को अंगीकार कर सके।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ने अपने प्रचालन में वृद्धि व क्षमताओं का उपयोग करते हुए विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु सराहनीय प्रयास किए। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान डिजिटली सशक्त कार्यबल तैयार करने हेतु इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के विजन को पूर्ण करने में अपने सहायक प्रयासों के साथ निरंतर प्रयत्नशील है।

मैं आश्वस्त हूँ कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान आगामी कुछ वर्षों में अत्यधिक सफलता प्राप्त करना जारी रखेगा व देश में डिजिटली सशक्त व ज्ञान अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(अजय साहनी)

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003/Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel.: 011-24364041 • Fax 24363134 • email : secretary@meity.gov.in

रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
Dr. Jaideep Kumar Mishra
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics
and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय,
भारत सरकार की एक स्वयत्त वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics
and Information Technology, Government of India)
6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली– 110 003
6 CGO Complex, Lodhi Road, New Delhi-110 003
दूरभाष / Tele No. : +91-11-24364870, 24363732
ईमेल / E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर / Twitter : @NIELITIndia

संदेश

उभरती हुई प्रौद्योगिकियां असीमित अवसर का सृजन कर रही है तथा तकनीकी के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा को पुनः परिभाषित भी कर रही हैं। उभरती प्रौद्योगिकियों में बढ़ती हुई रुचि कार्य की भूमिकाओं में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है जो वैश्विक कार्यबल को पुनः आकार दे रहा है। हाल ही में, कोविड–19 महामारी के कारणवश उभरती प्रौद्योगिकियों में और अधिक प्रगति को बढ़ावा मिला है जिससे कि, दुनिया भर में जनसाधारण और संगठनों को कार्य एवं जीवन में नए तौर–तरीकों के बीच समायोजन स्थापित करना पड़ा है। इसलिए, युवा पेशेवरों की उनके नए रोजगार की भूमिकाओं के लिए भावी प्रौद्योगिकियों में रि–स्किलिंग करना ही समय की आवश्यकता है।

उद्योग की तेजी से बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, नाइलिट ने हाल ही में अपने विभिन्न आईटी पाठ्यक्रमों के पाठ्य–विवरण में भी संशोधन किया है। इन नए पाठ्यक्रमों के पाठ्य विवरण में कई उभरती हुई तकनीकों जैसेः आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, बिग डेटा, साइबर सुरक्षा, पायथन आदि शामिल हैं। यह अपेक्षित है कि युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र के लिए तैयार करने की दिशा में नई एवं अद्यतन सामग्री सहायता करेगी।

सहयोगात्मक मॉडल में विश्वास को आगे बढ़ाते हुए, नाइलिट ने "इंडिया ताइवान इंडस्ट्रियल कोलैबोरेशन समिट 2019" के दौरान इंस्टीट्यूट फॉर इंफॉर्मेशन इंडस्ट्री (III), ताइवान के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य सर्वोत्तम उपलब्ध संस्थागत अनुभव, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास में पारस्परिक सहयोग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण तथा कौशल विकास में सहयोग का विस्तार और विकास करना है।

शैक्षिक, अनुसंधान तथा आवासीय सुविधाओं के साथ उत्कृष्ट विश्व स्तरीय बुनियादी ढाँचा प्रदान करने, और अभिगम्यता की अवधारणा को बढ़ावा देने की दृष्टि से, नाइलिट के अब अपने 43 केंद्र कार्य कर रहे हैं जिसमें हाल ही में, लद्दाख (लेह), उत्तर–पूर्व क्षेत्र में स्थापित केंद्र हैं तथा कारगिल (लद्दाख), दमन आदि में नए केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया गतिमान है।

यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2019–20 के दौरान, नाइलिट ने लगभग 7.7 लाख अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित तथा रु.407.22 करोड़ का कारोबार किया है। आगे नाइलिट तकनीकी रूप से सशक्त राष्ट्र–निर्माण के उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग तथा मार्गदर्शन के साथ उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने हेतु क्षमताओं तथा सामर्थ्य में अत्यधिक वृद्धि करते हुए देश के नागरिकों को सशक्त बनाने का निरंतर प्रयास करेगा।

(जयदीप कुमार मिश्रा)

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
1995-1996	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1996-1997	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1997-1998	**प्रो. पी.वी. इंदिरेसन,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1998-1999	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
1999-2000	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2000-2001	**प्रो. सी.एस झा,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2001-2002	**प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल,** प्रतिष्ठित शिक्षाविद
2002-2003	**डॉ. संजय पासवान,** राज्य मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2003-2004	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2004-2005	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2005-2006	**थिरू दयानिधि मारन,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2006-2007	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2007-2008	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2008-2009	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2009-2010	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2010-2011	**थिरू ए. राजा,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (14/11/2010 तक) **श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (15/11/2010 से)
2011-2012	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2012-2013	**श्री कपिल सिब्बल,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2013-2014	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2014-2015	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी
2015-2016	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2016-2017	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2017-2018	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2018-2019	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
2019-2020	**श्री रवि शंकर प्रसाद,** मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
2016-17	**श्री पी.पी. चौधरी,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2017-18	**श्री के जे अलफोन्स,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2018-19	**श्री एस एस अहलुवालिया,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
2019-20	**श्री संजय धोत्रे,** राज्य मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

* 2016 में प्रथम बार सृजित

अध्यक्ष, प्रबंध बोर्ड

नाम	से	तक
श्री जे. सत्यनारायण, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	14/03/2012	30/04/2014
श्री आर एस शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	01/05/2014	07/08/2015
श्री राकेश गर्ग, भाप्रसे, सचिव, संचार विभाग	08/08/2015	30/08/2015
श्री जे.एस. दीपक, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31/08/2015	08/02/2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08/02/2016	28/07/2016
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	29/07/2016	22/06/2017
श्री अजय साहनी, भाप्रसे, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	23/06/2017	-

महानिदेशक

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09/11/1994	26/06/1999
श्री. वी.बी. तनेजा	28/06/1999	04/08/1999
श्री अरिन्दम बोस	05/08/1999	17/07/2000
डॉ. पी.एन. गुप्ता	18/07/2000	30/12/2005
श्री जी.वी. रघुनाथन	31/12/2005	28/09/2006
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/09/2006	28/02/2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01/03/2007	15/07/2007
श्री जी.वी. रघुनाथन	16/07/2007	16/10/2008
डॉ. एस. बिरेन्द्र सिंह	17/10/2008	01/11/2010
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	02/11/2010	18/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	19/08/2011	28/08/2011
डॉ. वी.एन. वालीवाडेकर	29/08/2011	31/08/2011
श्री एन. रवि शंकर, भाप्रसे	02/09/2011	03/05/2012
डॉ. अजय कुमार, भाप्रसे	04/05/2012	05/08/2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06/08/2012	05/08/2017
श्री राजीव कुमार, आईएफओएस	16/08/2017	14/08/2018
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, आईसीएएस	21/08/2018	-

दृष्टि

उद्योग उन्मुखी गुणवत्तापरक शिक्षा व प्रशिक्षण के विकास में अग्रणी होना तथा सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश का प्रमुख संस्थान बनना है।

लक्ष्य

देश के अनौपचारिक संस्थानों के मध्य कम्प्यूटर शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन हेतु एकल स्रोत के रूप में स्थापित होना। अधिक संख्या में आईटी पेशेवर उपलब्ध कराने के पश्चात, अब देश के सभी क्षेत्रों के साथ–साथ विदेशों में भी, नाइलिट की पहुँच में विस्तार हो रहा है।

अधिशासी परिषद 2019–20

श्री रवि शंकर प्रसाद
अध्यक्ष
माननीय विधि एवं न्याय, संचार व इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

श्री संजय धोत्रे
उपाध्यक्ष
माननीय मानव संसाधन विकास, संचार व इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री

श्री अजय साहनी
कार्यकारी उपाध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. धीरेंद्र पाल सिंह
सदस्य
अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

श्री आर. सुब्रह्मण्यम
सदस्य
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अधिशासी परिषद 2019–20

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एच.आर.डी. प्रभाग), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजेश अग्रवाल
सदस्य
महानिदेशक (प्रशिक्षण), कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम

प्रो. (डॉ.) जे.डब्ल्यू. बाकल
सदस्य
अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान

प्रो. पुष्पक भट्टाचार्य
सदस्य
निदेशक, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी पटना

श्री टी.वी. मोहनदास पाइ
सदस्य
अध्यक्ष, मनीपाल ग्लोबल एडुकेशन सर्विसेस प्रा. लि., बैंगलोर

श्री हरी ओम राय
सदस्य
अध्यक्ष, लावा इंटरनेशनल लि.

श्री विनीत नायर
सदस्य
संस्थापक, संपर्क फाउंडेशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

प्रबंधन बोर्ड 2019–20

श्री अजय साहनी
अध्यक्ष
सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य
संयुक्त सचिव, (एच.आर.डी.), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबूद्धे
सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

श्रीमती देबजानी घोष
सदस्य
अध्यक्ष, नैसकॉम,

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
सदस्य सचिव
महानिदेशक, नाइलिट

वित्त एवं लेखा समिति 2019–20

डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
महानिदेशक, नाइलिट

श्रीमती ज्योति अरोड़ा
सदस्य
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव कुमार
सदस्य
संयुक्त सचिव, (ए.बी.सी. प्रभाग) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री ए.के. पिपल
सदस्य
निदेशक एवं एचओडी (एचआरडी), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

श्री राजीव तलवार
सदस्य सचिव
मुख्य वित्त अधिकारी, नाइलिट

सी.वी.ओ./कार्यकारी निदेशक/निदेशक/निदेशक (प्रभारी)

श्री प्रफुल्ल कुमार
मुख्य सतर्कता अधिकारी
नाइलिट एवं वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी
गोरखपुर

डॉ. एम.पी. पिल्लै
कालीकट

श्री टी. पी. सिंह
इम्फाल

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
औरंगाबाद

डॉ. युमनाम जयंता सिंह
गुवाहाटी

श्रीमती सुनीता गोयल
चंडीगढ़

श्री शमीम खान
दिल्ली

डॉ. डी.के. मिश्रा
लखनऊ

श्री अरूप चट्टोपाध्याय
गंगटॉक

श्री राजीव अग्रवाल
शिमला

श्री संजीव सूरी
अजमेर

श्री आलोक त्रिपाठी
पटना

श्री अनुराग माथुर
अगरतला

श्री टी.एस. बावा
कुरुक्षेत्र

श्री डी.एस. ओबेरॉय
श्रीनगर/जम्मू

निदेशक (प्रभारी) / कुलसचिव / मु.वि.आ.

श्री के.एम. मार्टिन
चेन्नै

श्री वी. कृष्णामूर्ति
भुवनेश्वर, कोलकाता

श्री टी. गुनेन्द्र सिंह
ऐजवाल, ईटानगर

श्री सांतनु बोर्गोहैन
शिलांग

श्री एल. लानुवाबंग
कोहिमा

श्री अनुराग कुमार
हरिद्वार

श्री तपस त्रिवेदी
रांची

श्री जनक राज
कुलसचिव
लोक शिकायत अधिकारी व
अपीलीय प्राधिकारी

श्री राजीव तलवार
मुख्य वित्त अधिकारी

विशेष

क. संगठन

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट आईईसीटी भविष्य कौशल; साइबर कानून; साइबर सुरक्षा; भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस); क्लाउड कंप्यूटिंग; ईएसडीएम; ई–गवर्नेंस व संबंधित क्षेत्रों में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के कार्य में सक्रिय रूप से जुड़ी हुई है। यह औपचारिक और गैर–औपचारिक दोनों क्षेत्रों में पाठ्यक्रम संचालन तथा राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु संस्थानों/संगठनों को प्रत्यायन प्रदान करती है। नाइलिट कई राज्य सरकार के कार्मिकों व जनसाधारण के लिए आईटी साक्षरता कार्यक्रम का भी संचालन कर रही है।

नाइलिट अधिशासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं दिशानिर्देशों के अंतर्गत कार्य कर रही है। इस परिषद के अध्यक्ष माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (इ. व सू. प्रौ.) व उपाध्यक्ष माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, सरकार, उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों तथा विभिन्न व्यावसायिक निकायों से इसके सदस्य हैं।

नाइलिट के **प्रबंधन बोर्ड** की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार) के सचिव द्वारा की जाती है। बोर्ड तथा परिषद के निर्णयों का कार्यान्वयन प्रभावी रूप से करने हेतु प्रत्येक नाइलिट केंद्र की एक **कार्यकारी समिति** है जिसमें राज्य सरकारों, शैक्षिक संस्थानों तथा उद्योगों के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं।

नाइलिट की **वित्त और लेखा (वि. एवं ले.) समिति** के अध्यक्ष, महानिदेशक, नाइलिट हैं जो बजट अनुमान/संशोधित अनुमानों तथा संगठन के वित्तीय मुद्दों / समाधानों की सिफारिश करके अधिशासी परिषद का सहयोग करते हैं। इस समिति को लेखा–परीक्षकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, संस्थान की संपरीक्षित वार्षिक लेखाओं को अधिशासी परिषद द्वारा पारित किए जाने से पहले उनकी जांच करने का अधिकार प्राप्त है। नाइलिट के महानिदेशक, संगठन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी है, उन्हें मुख्यालय स्तर पर कुलसचिव, मुख्य वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक व सभी संयुक्त निदेशक (तकनीकी) एवं केंद्र स्तर पर कार्यकारी निदेशक/निदेशक का सहयोग प्राप्त होता है।

अकादमिक सलाहकार समिति (एसीसी) की अध्यक्षता प्रख्यात विद्वानों द्वारा की जाती है, जिसके सदस्य शैक्षिक एवं उद्योगिक क्षेत्रों से होते हैं तथा यह नाइलिट की शैक्षणिक गतिविधियों पर एक सलाहकार निकाय है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग के प्रमुख, **मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ)** हैं, जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। मुख्य सतर्कता अधिकारी को प्रत्येक केन्द्र तथा नाइलिट मुख्यालय के सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए संस्थान में जुलाई, 2005 से सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों को कार्यान्वित किया गया है। सूचना का अधिकार अधिनियम में उल्लिखित अपेक्षाओं के अनुसार, मुख्यालय में **लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ)** तथा सभी नाइलिट केन्द्रों में लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत अनुरोधों पर कार्रवाई करने के लिए आन्तरिक कार्यविधियाँ तैयार की गई हैं और अनिवार्य सूचना नाइलिट की वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता लाने तथा नागरिकों की शिकायतों का निवारण सार्थक रूप में करने के उद्देश्य से,

नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के दिशा–निर्देशों के अनुसार एक **लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ)** की भी नियुक्ति की है।

वर्तमान स्थिति अनुसार, नाइलिट ने पूरे भारत में अगरतला, ऐजवाल, अजमेर, अलावलपुर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, कालीकट, चुचुईमलांग, चुराचंदपुर, चेन्नई, दिल्ली, डिब्रुगढ़, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, लखनपुरा,लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, पाली, पासीघाट, पटना, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तेजु, तुरा, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय सहित **43 केन्द्रों** के साथ अपने नेटवर्क के माध्यम से पहुँच का सुनिश्चय किया है। एक प्रशिक्षण सुविधा केंद्र की भी चंडीगढ़ में शुरुआत हुई है।

नाइलिट के अपने केन्द्रों का प्रतिवर्ष विस्तार

2012 से पूर्व	22	अगरतला, आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़ (सुविधा केंद्र), चेन्नई, चुचुईमलांग, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, कोहिमा, कोलकाता, लखनऊ, पटना, शिमला, शिलांग, श्रीनगर, तेजपुर
2012–13	6	अजमेर, जोरहाट, सिलचर, चुराचंदपुर, सेनापति, लेह
2013–14	3	रांची, कोकराझार, लुंगलेई
2014–15	2	अलावलपुर, रोपड़
2015–16	2	पासीघाट, तूरा
2016–17	3	कुरुक्षेत्र, डिब्रुगढ़, भुवनेश्वर
2017–18	2	पाली, हरिद्वार
2018–19	4	लखनपुरा, माजुली, तेजू, मंडी
2019–20	3	• बक्सरः सितंबर, 2019 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
		• मुजफ्फरपुरः सितंबर, 2019 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
		• कारगिलः मार्च, 2020 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा स्वीकृत, निर्मित क्षेत्र के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है।
भावी केंद्र		दिमापुर, दमन

केंद्रों के अतिरिक्त, नाइलिट का ओ/ ए/ बी/ सी स्तर के प्रशिक्षण के लिए लगभग 850+ **प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थानों** के माध्यम से अच्छा नेटवर्क स्थापित है तथा डिजिटल साक्षारता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में लगभग 10,200+ **सुविधा केन्द्रों** का एक नेटवर्क जुड़ा हुआ है जिससे, नाइलिट की देश के सभी क्षेत्रों एवं समाज के सभी वर्गों तक पहुँच के संबंध में इसका विशिष्ट स्थान है।

नाइलिट – अखिल भारतीय स्तर पर उपस्थिति

(31 मार्च, 2020 तक)

क्र.सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	केंद्रों की संख्या			
		मुख्य	विस्तार	प्रत्यायित	सुविधा
1	अंडमान व निकोबार द्वीप				2
2	आंध्रप्रदेश			1	82
3	अरुणाचल प्रदेश	1	2	3	27
4	असम	1	6	23	177
5	बिहार	1	2	16	443
6	चंडीगढ़		1	1	5
7	छत्तीसगढ़			10	242
8	दादर व नगर हवेली				2
9	दमन व दियू				3
10	गोवा				16
11	गुजरात			15	242
12	हरियाणा	1		17	263
13	हिमाचल प्रदेश	1	1	42	142
14	जम्मू और कश्मीर	1	1	76	425
15	झारखंड	1		12	165
16	कर्नाटक			2	338
17	केरल	1		8	326
18	लक्षद्वीप				1
19	लद्दाख		1		0
20	मध्य प्रदेश			26	461
21	महाराष्ट्र	1		10	1440
22	मणिपुर	1	2	4	58
23	मेघालय	1	1	2	26
24	मिजोरम	1	1	1	14
25	नागालैंड	1	1	4	18
26	दिल्ली– एनसीटी	1		60	163
27	ओडिशा	1		29	252
28	पुडुचेरी				9
29	पंजाब	1		9	117
30	राजस्थान	1	1	55	356
31	सिक्किम	1		2	12
32	तमिलनाडु	1		2	312
33	तेलंगाना				38
34	त्रिपुरा	1		1	31
35	उत्तर प्रदेश	1	1	410	3458
36	उत्तराखंड	1		24	207
37	पश्चिम बंगाल	1		29	403
	कुल	**23**	**21**	**894**	**10276**

ख. कौशल विकास, क्षमता निर्माण तथा नियोजनीयता

राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य उन्नत कौशल, ज्ञान तथा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय रूप में मान्यता प्राप्त अर्हता के माध्यम से सभी व्यक्तियों का सशक्तीकरण करना है जिससे, वे अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें तथा वैश्विक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित हो सके। नाइलिट विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में आईईसीटी में युवाओं को कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले व्यापक पाठ्यक्रमों में ये शामिल हैं: (क) नाइलिट केन्द्रों द्वारा राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों/तकनीकी बोर्डों के सहयोग से चलाए जाने वाले औपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रम जैसे कि एमई/एम.टेक, बीई/बी.टेक, एमसीए, बीसीए कार्यक्रमय औरंगाबाद केन्द्र भी इलेक्ट्रॉनिकी के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम चलाता है (ख) सूचना प्रौद्योगिकी, हार्डवेयर आदि के चार स्तरों पर अर्थात 'ओ' ए 'बी' और 'सी' स्तर; (ग) आला क्षेत्रों में अल्पकालिक पाठ्यक्रम तथा (घ) देश में डिजिटल साक्षरता के प्रसार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी साक्षरता कार्यक्रम और राज्य सरकारों के कर्मचारियों के सशक्तीकरण के लिए ई–शासन, ई–अपशिष्ट, जीएसटी में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की फर्मों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार विशेष रूप से तैयार कौशल विकास कार्यक्रम चलाने की विशेषज्ञता तैयार की है।

प्रशिक्षण का विवरण: अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 के दौरान, विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुशल / प्रशिक्षित अभ्यर्थियों की संख्या, इस प्रकार है:

क्र.सं.	पाठ्यक्रमों का वर्गीकरण	प्रशिक्षित/कुशल/उपस्थित अभ्यर्थियों की संख्या
1	**औपचारिक पाठ्यक्रम** (एम.टेक/बीसीए/एमसीए/तीन वर्षीय डिप्लोमा इत्यादि)	2,472
2	**अनौपचारिक पाठ्यक्रम** 1 वर्ष या उससे अधिक अवधि के आईटी/हार्डवेयर/मल्टीमीडिया इत्यादि में (ओ/ए) स्तर।	25,668
3	**लघु अवधि पाठ्यक्रम** (डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के अतिरिक्त)	28,833
4	**डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम** (परीक्षा में उपस्थिति)	7,14,812
	अभ्यर्थियों की कुल संख्या	**7,71,785**

ग) सहयोग और समझौता–ज्ञापन के जरिए तालमेल:

➢ तृतीय, ताइवान के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

पांच वर्ष की अवधि के लिए "इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी के क्षेत्र में संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम" की दिशा में समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्सकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) तथा सूचना उद्योग संस्थान (III), ताइवान के बीच हस्ताक्षर हुए। भारत ताइवान औद्योगिक सहयोग शिखर सम्मेलन दिनांक 17 अक्तूबर, 2019 को आयोजित हुआ जिसका उद्देश्य "संस्थागत अनुभव, प्रशिक्षण और कौशल विकास के परस्पर आदान–प्रदान के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिकी सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण और कौशल विकास में सहयोग को बढ़ावा देना है।

यह परियोजना कुल बजट परिव्यय धनराशि रु. 3,08,92,365/– और जीआईए/इलेक्ट्रॉनिक्सकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सहयोग राशि रु. 1,41,59,365/– सहित सं. डब्ल्यू–13/4/2019–ईएसडीएम–एमईआईटीवाई दिनांकित 09.06.2020 के जरिए स्वीकृत हो गई है। अगले 5 वर्षों में, 5 प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रत्येक वर्ष में एक कार्यक्रम) आयोजित किए जाने हैं।

➢ **हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम, हिमाचल प्रदेश सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन**

माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर की उपस्थिति में 15 जुलाई, 2019 को नाइलिट केंद्र, शिमला और हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम (एचपीकेवीएन) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश के लगभग 3000 युवाओं को नाइलिट 'ओ' स्तर प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के राज्य सरकार के मंत्रियों के साथ–साथ व्यापारिक नेताओं, उद्योगों के प्रतिनिधियों और हिमाचल प्रदेश के विभिन्न विभागों ने भाग लिया। माननीय मुख्यमंत्री ने मीडिया को जानकारी दी और नाइलिट केंद्र, शिमला और एचपीकेवीएन द्वारा राज्य भर के छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की, जो वित्तीय बाधाओं के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं।

➢ **हरिद्वार के संस्थानों के साथ समझौता**– केंद्र ने उत्तराखंड राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक सहयोग के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें निम्न शामिल हैं:

क) टीएचडीसी – हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, टिहरी

ख) प्रौद्योगिकी संस्थान, गोपेश्वर

ग) ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय, देहरादून

घ) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

➢ **ग्रीन जॉब्स के लिए कौशल परिषद के साथ समझौता–ज्ञापन**

क) आवासीय रुफटॉप पीवी सिस्टम हेतु स्थापना, संचालन, रखरखाव और उद्यमशीलता पर आई–आरआईएसई सूर्यमित्र अपस्किलिंग कार्यक्रम के तहत जीआईजेड, ग्रीन जॉब्स हेतु कौशल परिषद तथा नाइलिट केंद्र, कोलकाता के बीच दिनांक 27.07.2020 को सहयोगार्थ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

ख) छात्रों के संयुक्त प्रशिक्षण और नियुक्ति हेतु दिनांक 14.10.2019 को लार्सन एंड टुब्रो कंस्ट्रक्शन स्किल्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के साथ।

ग) दिनांक 08.03.2020 को जादवपुर विश्वविद्यालय के साथ इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में अत्याधुनिक विषयों में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम की पेशकश।

➢ **एनआईटी और केएमसीटी इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ समझौता–ज्ञापन**

क) शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को सुविधाजनक बनाने हेतु एनआईटी पुदुचेरी के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

ख) केएमसीटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन ने दिनांक 19 सितंबर, 2019 को शिक्षाविदों और कौशल विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु एनआईईएलआईटी केंद्र, कालीकट के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

घ) वर्ष 2019–2020 के दौरान कैंपस

दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लाभ हेतु आवासीय सुविधाओं के साथ–साथ बुनियादी ढाचां प्रदान करने की दृष्टि से इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) भारत सरकार ने देश के विभिन्न भागों में स्थाई परिसरों के निमार्ण की स्वीकृति प्रदान की है। नए केंद्रों ने नाइलिट की अभिगम्यता उन सुदूर क्षेत्रों तक बढ़ाने में सहायता की है, जहां इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अच्छे ख्याति प्राप्त अन्य संस्थान मौजूद नहीं हैं। स्थायी परिसरों की स्थापना के अतिरिक्त, राज्य में संबंधित नाइलिट केंद्र की निगरानी में दूरस्थ क्षेत्रों में विस्तार केंद्र स्थापित करने का भी प्रयास किया जाता है। नाइलिट की देशभर में अपनी उपस्थिति की दृष्टि से, संबंधित राज्य सरकारों के साथ किराए पर निर्मित स्थान/भूमि रूप में सहयोगार्थ मांग की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष 2019–20 के दौरान पूर्ण/निर्माणाधीन भवन परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

उत्तर पूर्व में स्थायी परिसरों का निर्माण/उन्नयन: उत्तर पूर्व में, वर्ष 2012 में माननीय कैबिनेट द्वारा 18 परिसरों को मंजूरी दी गई थी। केंद्र इन सभी 18 स्थानों से अस्थायी निर्मित स्थान से परिचालन कर रहा है। 9 स्थानों पर स्थायी परिसर का निर्माण कार्य प्रगति पर है (मणिपुर में सेनापति; मिजोरम में लुंगलेई; नागालैंड में चुचुईमलांग; अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट; असम में तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रुगढ़ और सिक्किम में गंगटोक)। 3 स्थानों में स्थित भवन (मणिपुर में इम्फाल और चुराचंदपुर, मिजोरम में आइजोल) सौंप दिए गए हैं।

नाइलिट श्रीनगर में छात्रावास का निर्माण: माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और विधि और न्याय मंत्री, श्री रविशंकर प्रसाद ने दिनांक 22 जनवरी, 2020 को नाइलिट केंद्र, श्रीनगर परिसर में नए छात्रावास भवन के निर्माण की आधारशिला रखी। राज्य के पीडब्ल्यूडी द्वारा धनराशि रु.9.54 करोड़ के बजट परिव्यय के साथ निर्माण कार्य प्रगति पर है।

नाइलिट केंद्र, श्रीनगर में सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला का उद्घाटन दिनांक 22 जनवरी, 2020 को माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, विधि और न्याय मंत्री, श्री रविशंकर प्रसाद द्वारा किया गया।

ड) डिजीटल साक्षरता

डिजीटल साक्षरता एक ऐसा अभियान है, जो भारत सरकार द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया है कि सरकार की सेवाओं को ऑनलाइन बुनियादी ढांचे में अत्यधिक सुधार के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाकर या तकनीकी क्षेत्र में देश को डिजीटल रूप से समर्थ बनाकर इलैक्ट्रॉनिकी रूप से नागरिकों को उपलब्ध कराया जाए। डिजीटल साक्षरता से तात्पर्य विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों जैसेकि स्मार्टफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप आदि के माध्यम से स्पष्ट जानकारी खोजने, मूल्यांकन, उत्पादन और संचार करने की किसी व्यक्ति की क्षमता से है। डिजीटल साक्षरता दिनचर्या के कार्यों में तकनीक का प्रयोग करने तथा उत्पादकता बढ़ाने में जनसाधारण की सहायता करती है।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की मानव संसाधन की शाखा के रूप में नाइलिट अपने आईटी साक्षरता पाठ्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल डिवाइड को कम करने में प्रयासरत है, विशेषतः यह समाज के हाशिए पर आने वाले युवाओं के रोजगार के लिए अग्रणी है। नाइलिट में डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों की एक श्रेणी है, जैसे कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट जागरूकता (एसीसी– 20 घंटे) बेसिक कम्प्यूटर कोर्स (बीसीसी–36 घंटे) कोर्स आन कम्प्यूटर कॉन्सेप्ट (सीसीसी–80 घंटे) कोर्स ऑन कॅम्प्यूटर कॉन्सेप्ट प्लस (सीसीसी प्लस 126 घंटे) एक्सपर्ट कम्प्यूटर कोर्स (इसीसी–200 घंटे) ये पाठ्यक्रम देश में डिजिटल साक्षरता के प्रभावी प्रसार के लिए अनुशंसित है। कई राज्य सरकारों ने रोजगार पदोनति, वेतनवृद्धि के उद्देश्य हेतु इन पाठ्यक्रमों को मान्यता भी प्रदान की है। **हाल ही में, एसीसी, बीसीसी और सीसीसी पाठ्यक्रमों को बाजार की मांग के अनुरूप परिवर्तित किया गया है।**

अधिगम को 24x7 संभव बनाने की दिशा में, 25 भाषाओं में सीसीसी पाठ्यक्रम की ई–सामग्री को विकसित किया है तथा नाइलिट की वेबसाइट पर उपलब्ध भी कराया गया है। जहां तक कक्षा–शिक्षण का प्रश्न है, यह पाठ्यक्रम पूरे देश में लगभग 10,000 सुविधा केंद्रों द्वारा संचालित किया जा रहा है। पाठ्यक्रमों के लिए हर महीने परीक्षा देश भर के 150 से अधिक परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम एक पूर्ण ऑनलाइन प्रणाली द्वारा संचालित होता है अर्थात् परीक्षा के लिए अभ्यर्थी का पंजीकरण, परीक्षा शुल्क की प्राप्ति, परीक्षा का संचालन, परिणामों की घोषणा और डिजिटल हस्ताक्षरित ई–प्रमाण पत्र जारी करना है। मासिक आधार पर आयोजित किए जाने वाले डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमों के ऑनलाइन परीक्षा चक्र के लिए औसतन 60,000 से अधिक अभ्यर्थी उपस्थित होते हैं।

च) वर्ष 2019–2020 के दौरान महत्वपूर्ण आयोजन/उपलब्धियां:–

➢ आईटी में 'ओ' व 'ए' स्तर के पाठ्य–विवरण का 5वां संशोधन

नई और उन्नत तकनीकों की उपलब्धता के साथ उद्योग की आवश्यकता तेजी से बदल रही है तथा ये टूल्स कार्य की भूमिकाओं में भी परिवर्तन लाते हैं। हाल ही में, तकनीकी व्यवधान को ध्यान में रखते हुए, नाइलिट ने 5वीं बार आईटी में 'ओ' व 'ए' स्तरीय पाठ्य–विवरण को संशोधित किया है। 5वीं संशोधित 'ओ' और 'ए' स्तर के पाठ्य–विवरण को उद्योग की माँग के अनुरूप छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है जिसमें, कई उभरती तकनीकों जैसे आईओटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पाइथन आदि के पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। पाठ्य–विवरण के 5वें संशोधन में शिक्षण कार्य पहले से ही शुरू कर दिया गया है तथा संशोधित पाठ्यक्रम में पहली परीक्षा जनवरी, 2021 में आयोजित की गई है।

नए पाठ्य–विवरण में शिक्षण कार्य शुरू करने से पहले, नाइलिट ने स्वयं के जनशक्ति संसाधनों से विशेषज्ञों का एक पूल बनाया ताकि वे आवश्यकता के आधार पर प्रत्यायित संस्थानों को प्रशिक्षित कर सके। इस संबंध में, मास्टर ट्रेनर्स ऑन इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एप्लीकेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम नाइलिट केंद्र, कालीकट में 26–30 अगस्त, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। 13 नाइलिट केंद्रों के कुल 17 अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा कुरुक्षेत्र केंद्र में 9–13, सितंबर, 2019 के दौरान पायथन लैंग्वेज में मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग आयोजित की गई, जिसमें 11 नाइलिट केन्द्रों के 16 अधिकारियों ने भाग लिया।

➢ ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास के लिए योजनाएं

नाइलिट ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास हेतु 2 योजनाएँ कार्यान्वित कर रहा है अर्थात वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए आर्थिक सहायता के लिए चुने गए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों के इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) क्षेत्र में कौशल विकास (योजना–1) तथा डिजिटल इंडिया के लिए ईएसडीएम में कौशल विकास '(योजना –2) जो इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है। योजनाओं का उद्देश्य कुल 4,18,000 व्यक्तियों के कौशल विकास (योजना–1 के लिए 90,000 और योजना–2 हेतु 3,28,000) के माध्यम से ईएसडीएम क्षेत्र के विकास के लिए एक ईको–प्रणाली के निर्माण की सुविधा प्रदान करना है। इन योजनाओं के तहत, प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियों (केआईए) अर्थात ईएसएससीआई, टीएसएससी, नाइलिट, एचएसएससी के लिए संबद्ध प्रशिक्षण भागीदारों के माध्यम से छात्रों और बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करना है।

नाइलिट केआईए में से एक है। कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (ईएसडीएम–पीएमयू) नाइलिट द्वारा स्थापित की गई है जो जमीनी स्तर पर परियोजना की निगरानी के लिए मानव संसाधन विभाग, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रही है। अभी तक, 3.76 लाख अभ्यर्थियों को नामांकित किया गया है, जिनमें से 3.58 लाख अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए हैं, जिनमें से 2.19 लाख अभ्यर्थी प्रमाणित हैं और कुल 22,864 अभ्यर्थियों को दिनांक 31 मार्च, 2020 तक दोनों योजनाओं में संचयी रूप से रखा गया है। योजना की अवधि 31.03.2021 तक बढ़ा दी गई है।

➢ नाइलिट केंद्र, कोहिमा में साइबर फोरेंसिक डेटा केंद्रः

नाइलिट केंद्र, कोहिमा द्वारा साइबर फोरेंसिक डोमेन के क्षेत्र में प्रदत्त योगदान उत्तर पूर्व राज्यों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सुविधाजनक रूप से अनुभव और फोरेंसिक विश्लेषण सेवाओं के साथ क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नाइलिट केंद्र, कोहिमा में अत्याधुनिक डिजिटल फॉरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना की स्वीकृति प्रदान की है जो फोरेंसिक सेवा प्रदान करने के साथ–साथ उत्तर पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में फोरेंसिक लाइव अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण, वर्चुअल प्रशिक्षण सेवाएँ भी प्रदान करेगा।

➢ नाइलिट केंद्र, अगरतला–त्रिपुरा पुलिस साइबर फोरेंसिक हेतु एक सलाहकार

नाइलिट केंद्र, अगरतला द्वारा त्रिपुरा पुलिस साइबर सेल के जांच अधिकारियों के लिए त्रिपुरा सरकार के केटीडीएस पुलिस प्रशिक्षण अकादमी में साइबर फोरेंसिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। नाइलिट केंद्र, अगरतला पुलिस प्रशिक्षण अकादमी की साइबर फोरेंसिक लैब के लिए सलाहकार के रूप में कार्य करेगा।

➢ राजभाषा हिंदी प्रशंसा पुरस्कारः

नाइलिट केंद्र, दिल्ली को राजभाषा हिंदी की नीति के कार्यान्वयन के लिए केंद्र के सराहनीय प्रयासों के लिए दिनांक 26 जून, 2019 को गृह मंत्रालय कार्यान्वयन समिति (उत्तरी दिल्ली) द्वारा राजभाषा हिंदी सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

➢ सूर्यमित्र अपस्किलिंग कार्यक्रम

नाइलिट केंद्र, कोलकाता सूर्यमित्र प्रशिक्षकों साथ–साथ प्रशिक्षुओं के भी उत्थान के लिए आई–आरआईएसई सूर्यमित्र अपस्किलिंग कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। आवासीय रुफटॉप पीवी सिस्टम के लिए स्थापना, संचालन, रखरखाव और उद्यमशीलता पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस कार्यक्रम को ग्रीन जॉब्स हेतु जीआईजेड, कौशल परिषद के साथ मिलकर कार्यान्वित किया गया है।

➢ हरियाणा में पाठ्यक्रम की मान्यता

- नाइलिट 'ओ' स्तर के पाठ्यक्रम को हरियाणा में राज्य सरकार की नौकरियों के लिए राज्य सरकार की मान्यता प्राप्त है।
- नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र अब हरियाणा राज्य में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित सेवाएं प्रदान करने हेतु एक नोडल केंद्र है।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
उत्तर पूर्व क्षेत्र के सात राज्य (असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड व सिक्किम)	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. एए सं. 1(2)/2012–एचआरडी दिनांक 30.05.2012 के जरिए "सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास"** यह परियोजना नाइलिट द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है जिसका मुख्य उद्देश्य आईईसीटी प्रशिक्षण / शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण करना है। परियोजना के अंतर्गत, उत्तर पूर्व के क्षेत्र के सभी 18 स्थानों पर अस्थायी निर्मित स्थल (मणिपुर में इम्फाल, सेनापति और चूराचंदपुर, मिजोरम में आइजॉल और लुंगलाई, नागालैंड में चुचुईमलांग; मेघालय में शिलांग और तुरा; अरुणाचल प्रदेश में ईटानगर; पासीघाट और तेजू; असम में गुवाहाटी, तेजपुर, कोकराझार, जोरहाट, डिब्रुगढ़ और सिलचर; और सिक्किम में गंगटोक) में प्रशिक्षण गतिविधियां गतिमान हैं।	₹ 287 करोड़
अखिल भारत	नाइलिट और सी–डैक केंद्र के माध्यम से फ्यूचर स्किल्स 'प्राइम' के तहत ब्लेंडेड लर्निंग फ्रेमवर्क यह परियोजना नाइलिट एवं सी–डैक द्वारा संयुक्त रूप से कार्यान्वित की जा रही है। चौदह (14) नाइलिट केंद्र नामतः नाइलिट कालीकट, औरंगाबाद, कोलकाता, चेन्नई, पटना, कोहिमा, श्रीनगर/जम्मू, दिल्ली, अगरतला, गोरखपुर, चंडीगढ़, इंफाल, गुवाहाटी, और गंगटोक परियोजना में सम्मिलित हैं। सभी प्रमुख तथा सह–प्रमुख आरसी को लाभार्थी लक्ष्य हासिल करने होंगे। 10 प्रमुख तथा 30 सह–प्रमुख आरसी में से, नाइलिट केंद्र 3 प्रमुख तथा 25 सह–प्रमुख रिसोर्स केन्द्रों (आरसी) में हैं। परियोजना का उद्देश्य उभरती और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में एक कौशल–विकास/पुनः कुशल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है ताकि कौशल की निरंतर वृद्धि के साथ–साथ आईटी पेशेवरों के ज्ञान को उनकी आकांक्षाओं और योग्यता के अनुरूप बनाया जा सके।	436.87 करोड़ करोड़ (पीएमयू सहित नाइलिट व सी–डैक के लिए संयुक्त बजट)
असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल।	रोजगार में वृद्धि करने के उद्देश्य से आईईसीटी के क्षेत्र में महत्वकांक्षी जनपदों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं का कौशल विकास। प्रशासनिक अनुमोदन संख्याः एफ.सं. 14011/10/2019–एचआरडी दिनांक 28 फरवरी, 2020 के जरिए, इस परियोजना की शुरुआत तीन वर्ष की अवधि के लिए आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में 60 महत्वकांक्षी जनपदों के एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करने हेतु की गई है। प्रशिक्षण चार पाठ्यक्रमों में (एनएसक्यूएफ संरेखित) दिया जाएगा नामतः; (i) डेटा प्रविष्टि और कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (135 घंटे); (ii) कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा (200 घंटे); (iii) उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत में डिप्लोमा (350 घंटे); (iv) सोलर–एलईडी लाइटिंग उत्पाद डिजाइन एवं विनिर्माण (350 घंटे)।	₹ 29.81 करोड़

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं.1(12)/2011–एचआरडी दिनांक 1.5.2012 के जरिए इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन तथा उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट औरंगाबाद तथा चेन्नै द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य इस प्रकार हैं: • सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, स्नातकोत्तर, तथा शोध प्रोफेशनल सहित विभिन्न स्तरों पर सक्षमता के उपयुक्त स्तर सहित मानव संसाधन विकास। • ग्रामीण/अविकसित क्षेत्रों के विकास के उद्देश्य से कम कीमत वाली इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना। • भारतीय उद्योग को डिजाइन परामर्श–सेवा, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के उत्पाद विकास एवं तकनीकी समर्थन सेवाएँ उपलब्ध कराना।	₹ 26.10 करोड़
नागालैण्ड	पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण एवं जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीयकृत साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला की आधारभूत संरचना। **नाइलिट केंद्र द्वारा धनराशि रु. 16.9220 करोड़ के परिव्यय सहित (कोहिमा को देय धनराशि रु. 9.2040 करोड़ तथा सी–डैक कोलकाता को धनराशि रु.7.7180 करोड़)** तीन (05) वर्षों की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य कुछ इस प्रकार हैः– • 8 उत्तर पूर्वी राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं की स्थापना करना। • प्रत्येक नाइलिट केंद्रों में नवीनतम कौशल और प्रशिक्षण के साथ मास्टर ट्रेनर तैयार करना। • प्रस्तावित राज्य में पुलिस अधिकारी, अभियोजक, न्यायाधीश, जांच अधिकारी जैसे आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों का क्षमता निर्माण। • पाठ्य–विवरण की डिजाइन और विकास और इसकी विभिन्न हितधारकों तक सुगम्यता। • क्लाउड पर ई–लर्निंग की विधियों के साथ–साथ संसाधन पोर्टल तथा एमआईएस के लिए सुविधाओं की शुरुआत, 8 उत्तर पूर्व राज्यों के बीच शोध, प्रसार, सूचना विनिमय आदि। • विभिन्न अनुसंधान के लिए डिजिटल अपराध रिकॉर्ड के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस सुविधा की शुरुआत करना। • टूल की रूपरेखा तथा सायबर फोरेंसिक टूल्स के उपयोग व साक्ष्य निष्कर्षण और विश्लेषण के लिए साइबर फोरेंसिक टूल और विभिन्न साइबर फोरेंसिक सॉफ्टवेयर टूल्स के संदर्भ पुस्तकालय के उपयोग में एकरूपता।	₹ 16.922 करोड़

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
लेह	**हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट सेक्टर के लिए आईटी समर्थित इनक्यूबेशन सेंटर।** इस परियोजना का नाइलिट केंद्र, लेह द्वारा तीन (03) वर्ष की अवधि में परिव्यय धनराशि रु.708.79 सहित इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से कार्यान्वयन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य नवीन उत्पाद विकास, वैश्विक बाजार के मानकों को पूरा करना, उत्पादन लागत में कमी, रोजगार और आधुनिक तकनीकी अवधारणा के साथ नई पीढ़ी की भागीदारी और अंत में लद्दाखी कारीगरों का एक डिजिटल क्लस्टर (एक्सक्लूसिव ई कॉमर्स पोर्टल) बनाना, जिन्होंने अपने पूर्वजों से अनूठे कौशल सेट हासिल किए हों और उन्हें डिजिटल टेक्नोलॉजीज में प्रशिक्षित करना जिसमें डिजिटल फोटोग्राफी, डिजिटल लेनदेन और ई–कॉमर्स वेबसाइटों से संबंधित जानकारी आदि शामिल हैं के माध्यम से सही दिशा की ओर आईसीटी द्वारा तकनीकी हस्तक्षेप के मूल्य को जोड़ने के साथ ही करघा व शिल्प के विकास का आधुनिकीकरण करना है। डिजाइन तैयार करने, उत्पादन के लिए अग्रणी प्रोटोटाइप विकसित करने के लिए सुविधाएं देने हेतु 2 अत्याधुनिक ऊष्मायन केंद्र मय डिजाइन प्रयोगशाला/मॉडलिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना करना। • हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों और उद्यमियों के लिए नाइलिट में एक अत्याधुनिक आईटी प्रयोगशाला सह प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करना। • आधुनिक प्रौद्योगिकियों और आईटी उपकरणों और डिजिटल साक्षरता, डिजिटल मार्केटिंग और सॉफ्ट कौशल, उद्यमिता कौशल आदि का उपयोग करके 2100 कारीगरों को प्रशिक्षित करना।	₹ 708.79 लाख
महाराष्ट्र (औरंगाबाद)	**"नाइलिट–सीआईआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर स्किल्स (एनआईसीसीएस)"** नामक एक वर्षीय परियोजना है जिसे जिसे इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद द्वारा क्रियान्वित की जा रही है इसका उद्देश्य अधिगम परिणामों में सुधार तथा उद्योगों की आवश्यकताओं के पूरा करते हुए अत्याधुनिक तकनीकी का उपयोग करना व देश में युवाओं के रोजगार के अवसर में वृद्धि करना है।	₹ 108.46 लाख
नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम	**"फॉरेंसिक सेवाओं के साथ–साथ रिमोट फोरेंसिक्स का अधिग्रहण और डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण प्रदान करने के लिए स्टेट ऑफ आर्ट डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना, उत्तर–पूर्व राज्यों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण सेवाओं की स्थापना"** दो वर्षीय परियोजना है। यह परियोजना नाइलिट कोहिमा, नाइलिट इम्फाल और नाइलिट आइजॉल द्वारा संयुक्त रूप से एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य, आवश्यक डिजिटल फोरेंसिक उपकरणों के साथ डिजिटल फोरेंसिक डेटा केंद्र की स्थापना व उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए वर्चुअल प्रौद्योगिकी अवधारणा सहित संसाधनों को साझा करके फॉरेंसिक सेवाओं की पेशकश करना है।	₹ 401.14 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
महाराष्ट्र (औरंगाबाद)	**आईसीटी टूल्स के माध्यम से ई–सेवाओं में वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान/कार्यक्रम।** यह परियोजना दो वर्ष के लिए नाइलिट केंद्र, औरंगाबाद द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के परिव्यय धनराशि रु. 532.98 लाख के रूप में प्रदत्त वित्तीय सहायता से कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य निगरानी संबंधी आवश्यकता, व्यक्तिगत सूचना की आवश्यकता, सामाजिक आवश्यकता, आने–जाने संबंधी आवश्यकता, खाली समय के अतिरिक्त सुरक्षा और गोपनीयता की आवश्यकता से संबंधित विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बुजुर्गों के बीच मोबाइल एप्लिकेशन के बारे में जागरूकता का प्रसार करना। साथ ही, बुजुर्गों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जागरूक करना, उन्हें उनके संरक्षण के लिए बनाए गए विभिन्न कानूनों, कृत्यों और व्यक्तिगत कानूनों, स्मार्ट फोन के उपयोग, सावधानियों और सामान्य धोखाधड़ी से सुरक्षा, निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य देखभाल और योग और बुजुर्ग व्यक्तियों की बेहतरी के लिए फिटनेस अभ्यासों के बारे में बताना है।	₹ 532.98 लाख
केरल	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(5)/2015–एमई–एचआई दिनांक 28.09.2015 के जरिए पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर"** इस परियोजना का कार्यान्वयन नाइलिट कालीकट द्वारा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वित्तीय सहायता से किया जा रहा है जिसका उद्देश्य पीएनडीटी के अनुपालन सहित स्वदेशी रंगीन डॉप्लर अल्ट्रासाउण्ड स्कैनर का डिजाइन एवं विकास करना है।	₹ 243.56 लाख
पश्चिम बंगाल	**"जनसाधारण में आईटी हेतु आईटी टूल तथा पीएमयू का उपयोग करके आजीविका गतिविधियों में वृद्धि पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण" हेतु दो वर्षीय परियोजना है।** यह परियोजना नाइलिट केंद्र, कोलकाता (पश्चिम बंगाल के दो चयनित जिलों अर्थात दार्जिलिंग और अलीपुरद्वार में) द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य दिन–प्रतिदिन आजीविका की वृद्धि के लिए कार्यात्मक आईटी पर एससी/एसटी और महिलाओं का सशक्तीकरण करना तथा गतिविधियों और रोजगार सृजन/उद्यमिता विकास को बढ़ावा देना है।	₹ 222.38 लाख
असम	**मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना।** यह परियोजना तीन वर्ष की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के परिव्यय धनराशि रु. 1.62 करोड़ (इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा धनराशि रु.1.02 करोड़ तथा नाइलिट द्वारा धनराशि रु.59.73 लाख का सहयोग।) के रूप में प्रदत्त वित्तीय सहायता से नाइलिट केंद्र, गुवाहाटी के अपने विस्तार केंद्र सिल्चर द्वारा कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य असम में विभिन्न अस्पतालों में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए सिलचर एक्सटेंशन सेंटर में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला स्थापित करना ताकि, अस्पताल के खराब उपकरणों के कारण अस्पतालों और रोगियों के सामने आने वाली बड़ी समस्याओं को हल किया जा सके।	₹ 162 लाख

भौगोलिक वितरण	परियोजना का नाम और उसका विवरण	कुल परिव्यय (रु. में)
केरल और कर्नाटक	**केरल और कर्नाटक में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए कौशल प्रशिक्षण।** यह परियोजना दो वर्ष की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की परिव्यय धनराशि रु.1,92,48,450/– के रूप में प्रदत्त वित्तीय सहायता से नाइलिट केंद्र, कालीकट द्वारा कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य केरल और कर्नाटक के चयनित जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के 1500 अभ्यर्थियों को रोजगार उन्मुखी कौशल पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना साथ ही, उद्यमिता क्षमता बढ़ाने के साथ–साथ सरकारी और निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर में वृद्धि करना है।	₹ 192.48 लाख
त्रिपुरा	**प्रशासनिक अनुमोदन सं. एल–14011/5/2018–एचआरडी दिनांक 28 मार्च, 2019 के जरिए "उद्यमशीलता और सतत विकास को समर्थकारी बनाने के लिए त्रिपुरा के बेरोजगार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं का कौशल विकास प्रशिक्षण।** इस परियोजना को नाइलिट इम्फाल द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य त्रिपुरा के एससी व एसटी युवाओं के बीच उद्यमिता और सतत विकास को समर्थकारी बनाना है, जिसमें 1940 बेरोजगार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को एनएसक्यूएफ से संरेखित 06 कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया गया है अर्थात; (i) प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर (520 अभ्यर्थी), डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन (640 अभ्यर्थी), ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण की मरम्मत और रखरखाव (80 अभ्यर्थी), टेलीकॉम तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग (360 अभ्यर्थी), बिजली की आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस की मरम्मत और रखरखाव (80 अभ्यर्थी) और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स मरम्मत व स्थापन (260 अभ्यर्थी)।	₹ 131.58 लाख
दिल्ली	**आईसीटी का उपयोग करके क्षमता निर्माण के माध्यम से दिल्ली एनसीआर के अनुसूचित जनजाति के अभ्यथियों हेतु आजीविका गतिविधियों में वृद्धि।** यह परियोजना दो वर्ष की अवधि के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की परिव्यय धनराशि रु.1,13,33,280/– के रूप में प्रदत्त वित्तीय सहायता से नाइलिट केंद्र, दिल्ली द्वारा कार्यान्वित की जा रही है जिसका उद्देश्य निम्नवत है:– • आईटीआई मल्टीमीडिया और एनिमेशन/डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन के क्षेत्र में आईसीटी पेशेवरों के रूप में अनुसूचित जाति समुदाय के संभाव्य अभ्यर्थियों के बीच समावेशी विकास को बढ़ावा देना। • अनुसूचित जाति समुदाय के अभ्यर्थियों के बीच आईटी जागरूकता का सृजन। • आईसीटी क्षेत्र में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के रोजगार के अवसर में वृद्धि करना। • दिल्ली राज्य के आईसीटी क्षेत्र में अनुसूचित जाति के समुदाय के उद्यमियों को बढ़ावा देना।	₹ 113.33 लाख
मणिपुर	**"प्रशासनिक अनुमोदन सं. एल–14011/2/2018–एचआरडी दिनांक 26 मार्च, 2019 के जरिए नाइलिट इम्फाल द्वारा नाइलिट के कम्प्यूटर अवधारणा आधारित पाठ्यक्रम (सीसीसी) पर मणिपुर में नेत्रहीनों के लिए प्रशिक्षण"** इस परियोजना को नाइलिट इम्फाल द्वारा एमईआईटीवाई की वित्तीय सहायता से क्रियान्वित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य मणिपुर राज्य के 200 नेत्रहीन अभ्यर्थियों उम्मीदवारों को कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट्स (सीसीसी) पर 200 घंटे की अवधि (4–सप्ताह/1–महीने) जैसा कि आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, सॉफ्ट स्किल सहित नाइलिट के सीसीसी पाठ्यचर्या से अच्छांदित है, के साथ प्रशिक्षित करना है। भारतीय नेत्रहीन छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए ब्रेल रीफ्रेशेबल कीबोर्ड के साथ "श्रुति दृष्टि" शीर्षक से भारतीय पाठ का उपयोग करके प्रशिक्षण कार्यान्वित किया जाएगा।	₹ 30.208 लाख

आय बनाम व्यय
(एनपीआर परियोजना को छोड़कर)

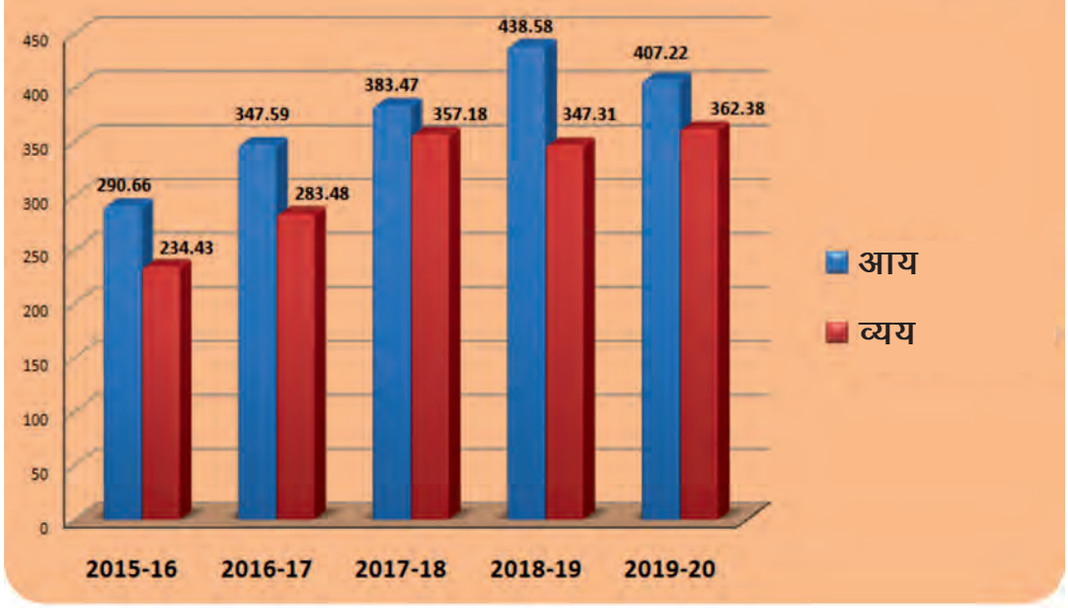

अधिशेष
(एनपीआर परियोजना को छोड़कर)

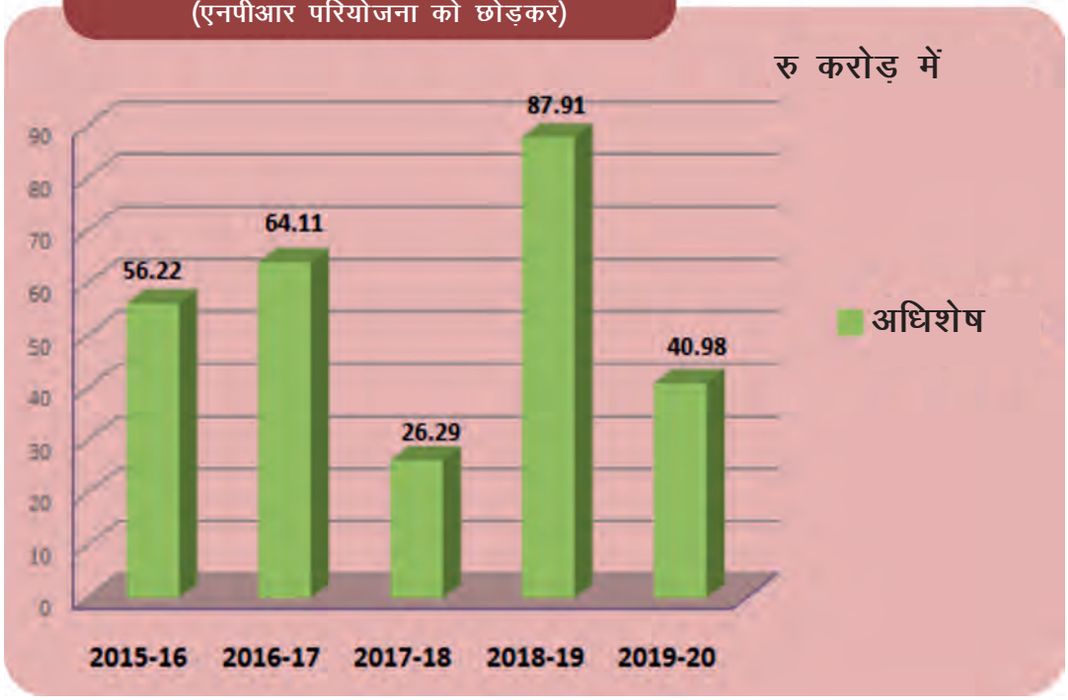

गतिविधि के अनुसार राजस्व सृजन वर्ष 2019–20 के लिए

रु करोड़ में

शुल्क / सदस्यता	113.45
परियोजनाओं से आय	98.81
बिक्री/सेवाओं से आय	132.69
ब्याज अर्जित	27.30
विविध आय	27.46
अनुदान/सब्सिडी	7.23
प्रकाशन की बिक्री से आय	0.09
टाउनशिप से प्राप्तियां	0.19
कुल (रु करोड़ में)	**407.22**

विवरण व्यय का हिस्सा वर्ष 2019 –20 के लिए

रु करोड़ में

परियोजनाओं पर व्यय	69.34
सेवाओं पर व्यय	114.97
स्थापना व्यय	92.11
अन्य प्रशासनिक व्यय	59.96
मूल्यह्रास	26.00
कुल (रु करोड़ में)	**362.38**

नाइलिट केन्द्र

अगरतला

कार्मिक:

नियमित: 17

परियोजना आधारित / संविदात्मक: 44

कारोबार (लाख रुपये): 931.64

निदेशक प्रभारी

श्री अनुराग माथुर

पता

आर.के. नगर (नीप्को के विपरीत)
खयरपुर,अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा
पी.एस.–बोधजंगनगर, त्रिपुरा
पिन–799008

सम्पर्क के ब्यौरे:

दूरभाष: 0381–2391010
फैक्स: 0381–2391220
ई–मेल: dir-agartala@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/agartala

क्षेत्राधिकार राज्य

त्रिपुरा

केंद्र का इतिहास: :

केंद्र की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा का दिनांक 10 फरवरी, 2009 को उद्घाटन किया गया। केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण 15 एकड़ जमीन पर किया गया है और यह 1 जनवरी, 2016 से परिचालन में है। परिसर में अकादमिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्रों का छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और वाहन पार्किंग है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- सूचना सुरक्षा
- साइबर फोरेंसिक
- मेडिकल इलेक्ट्रानिकी
- वेब / साफ्टवेयर विकास
- क्लाउड कंप्यूटिंग और ऐप विकास
- ई–गवर्नेंस

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • प्रमाणित ग्राफिक डिजाइनर • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम • सौर ऊर्जा संस्थापन, प्रचालन तथा रखरखाव • डाटा प्रविष्टि तथा कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन तथा प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर • आईटीईएस बीपीओ सॉफ्ट स्किल्स व संचार अंग्रेजी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली तथा रखरखाव • ईसीजी तथा आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव • उपभोक्ता इलेक्ट्रानिकी वस्तुओं के संस्थापन तथा मरम्मत मे डिप्लोमा • ऊर्जा आपूर्ती, इंवर्टर व यूपीएस की मरम्मत तथा रखरखाव • टेलीकॉम टेकनिशियन–पीसी हार्डवेयर तथा नेटवर्किंग • औद्योगिक प्रशिक्षण • सीआईएससीओ नेटवर्क अकादमी कार्यक्रम • सीआईएससीओ रूटिंग तथा स्वीचिंग एस्सेन्सियल्स • आईओटी फंडामेंटल्स: कनेक्टिंग थिंग्स • मैट्लैब में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सी प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • सी++प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • पायथन में प्रोग्रामिंग एस्सेन्सियल्स में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • जावा प्रोग्रामिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • पीएचपी (लैम्प) में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • एंड्राइड ऐप विकास में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • एमएस ऑफिस में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • साइबर फोरेंसिक में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • साइबर कानून तथा सूचना सुरक्षा में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • फोटोशॉप तथा इल्लस्ट्रेटर का प्रयोग करते हुए इमेज एडिटिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • सॉफ्टस्किलस एवं संचार अंग्रेजी में प्रमाणित पाठ्यक्रम • ऑटोकैड में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • सीआरईओ का प्रयोग करते हुए सीएडी में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • टैली ईआरपी 9 का उपयोग करके स्वचालित वित्तीय लेखांकन में प्रमाणित पाठ्यक्रम • करों में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (आयकर तथा जीएसटी) • टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम • वस्तु एवं सेवाकर पर प्रशिक्षण • पुस्तकालय स्वचालन प्रणाली पर प्रशिक्षण

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा (डीसीएसटी)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- नाइलिट 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- उत्तर पूर्वी राज्यों में एनआईटी, माइटी, नाइलिट तथा एसटीपीआई की गतिविधियों की समीक्षा बैठक श्री संजय शामराव धोत्रे, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, एचआरडी, संचार, इलेक्ट्रानिक्स तथा आईटी, भारत सरकार की अध्यक्षता में 14/01/2020 सम्पन्न हुई।

- आदिवासी कल्याण विभाग, त्रिपुरा सरकार के तत्वावधान में, नाइलिट अगरतला जनजातीय अनुसंधान तथा सांस्कृतिक संस्थान (टीआर तथा सीआई) के साथ अनुबंध में है। जनजातीय अनुसंधान तथा सांस्कृतिक संस्थान (टीआर तथा सीआई), कृश्णानगर, सुपारीबागान, अगरतला में प्रषिक्षण सुविधा का उद्घाटन किया गया।इसका उद्घाटन जनजातीय कल्याण और वनमंत्री, त्रिपुरा, माननीय मंत्री श्री मेवर कुमार जमातिया द्वारा किया गया।

- टीपीएससी (त्रिपुरा लोक सेवा आयोग) के साथ मिलकर 695 उम्मीदवारों के लिए नाइलिट अगरतला ने जीए (पी एंड टी) विभाग, त्रिपुरा सरकार के अंतर्गत त्रिपुरा स्टेनोग्राफर्स सर्विस के लिए पीए–II पर्सनल असिस्टेंट के पद के लिए पाँच दिनों का कंप्यूटरीकृत टाइपिंग टेस्ट और शॉर्ट हैंड राइटिंग ट्रांसक्रिप्शन टेस्ट सफलतापूर्वक आयोजित किया। परीक्षा पोर्टल नाइलिट अगरतला द्वारा विकसित किया गया है ।

- त्रिपुरा विश्वविद्यालय से एक निरीक्षण दल ने शैक्षणिक सत्र 2019–2020 के दौरान सीएसटी और ईटीई इंजीनियरिंग में 3 साल के डिप्लोमा की मान्यता तथा बीसीए पाठ्यक्रम के लिए स्थायी मान्यता प्रदान करने के लिए नाइलिट अगरतला का दौरा किया। टीम का नेतृत्व डीन, विज्ञान संकाय, त्रिपुरा विष्वविद्यालय अन्य सदस्यों के साथ कर रहे थे। दोनों मान्यताएँ विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान कर दी गयी हैं ।

- छात्रों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण, संकाय विकास और विनिमय कार्यक्रम और अनुसंधान और विकास के लिए नाइलिट अगरतला और पाँच पॉलिटेक्निक संस्थान, त्रिपुरा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- छात्रों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नाइलिट अगरतला और दो राजकीय डिग्री कॉलेजों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- 'हरित परिसर' पहल के एक भाग के रूप में, नाइलिट अगरतला ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) द्वारा 93 केडब्ल्यूपी वितरित रूफटॉप ग्रिड कनेक्टेड सोलर पीवी पावर प्लांट की स्थापना की है।

- नाइलिट अगरतला पुलिस प्रशिक्षण अकादमी की साइबर फोरेंसिक लैब के सलाहकार के रूप में कार्य करेगा।

आइजॉल

कार्मिकः

नियमितः 20

परियोजना आधारित/संविदात्मकः 63

कारोबार (लाख रुपये): 871.79

निदेशक प्रभारी

श्री टी. गुनेन्द्र सिंह

पता

औद्योगिक क्षेत्र, जुआंगतुई, आइजॉल, मिजोरम, पिन–796017

सम्पर्क के ब्यौरेः

दूरभाषः 0389–2350581

फैक्सः 0389–2350582

ई–मेलः dir-aizawl@nielit.gov.in

वेबसाइटः http://nielit.gov.in/aizawl

क्षेत्राधिकार राज्य

मिजोरम

अध्ययन केन्द्र

पुकपुई, लुंगलेई

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् आइजॉल को वर्ष 2001 में स्थापित किया गया था और यह सभी में 8वें स्थान का केंद्र और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में तीसरे स्थान पर है। इसका उद्धेश्य आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए मिजोरम के युवाओं को सुविधा प्रदान करना है। नाइलिट आइजॉल के प्रारंभ से, औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में 35000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है। विस्तार केंद्र पुकपुई, लुंगलेई भी 2013 में स्थापित किया गया था और लगभग 3500 छात्रों से भी अधिक प्रशिक्षित किए गए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- एमसीए, बीसीए, डीसीएसई और डीईटीई जैसेः दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करना।
- सीसीसी, सीसीसी+, टैली, एंड्रॉइड विकास एप्लिकेशन जैसे अल्पअवधि पाठ्यक्रम
- ऑनलाइन और ऑफलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए बुनियादी ढांचा प्रदान करना।
- डिजिटल फोरेंसिक और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना।

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • कार्यालय स्वचालन मे प्रमाणित पाठ्यक्रम (सीसीओए) • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणित पाठ्यक्रम • डाटा प्रविष्टि एवं कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल तथा पीएचपी में प्रमाणित पाठ्यक्रम • टैली के उपयोग से वित्तीय लेखांकन • सी प्रोग्रामिंग • माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस • कम्प्यूटर नेटवर्किंग • जावा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बेसिक्स • डिजिकटल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बेसिक्स • कक्षा दस के लिए गणित • कक्षा बारह के लिए गणित • अंग्रेजी व्याकरण

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• नाइलिट 'ए' स्तर • नाइलिट 'ओ' स्तर • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)+ • इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)+ • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)

• डीसीएसई और डीईटीई मिजोरम स्टेट काउंसिल फॉर टेक्निकल से मान्यता प्राप्त (एमएससीटीई)

* बीसीए एवं एमसीए मिजोरम विश्वविद्यालय (एमजेडयू), केंद्रीय विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने 4 औपचारिक पाठ्यक्रम आयोजित किये जैसे कि एमसीए, बीसीए, इलेक्ट्रनिक्स और दूरसंचार अभियांत्रिकी में डिप्लोमा कार्यक्रम और कम्प्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग में कुल 314 विद्यार्थियों को वर्ष के दौरान प्रशिक्षित किया।
- गैर औपचारिक प्रशिक्षण के अंतर्गत 32 विद्यार्थियों को नाइलिट 'ओ' तथा 'ए' स्तर और 465 विद्यार्थियों को विभिन्न अल्पावधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- वर्ष के दौरान केन्द्र ने अपने कम्प्यूटर साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत 4686 एससी/एसटी विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- "आईटी और इलेक्ट्रॉनिक में कौशल विकास" पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम 3 जून, 2019 को नाइलिट आईजॉल में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री रॉबर्ट रोमाबिया रोएते, माननीय आईईसीटी और खेल राज्य मंत्री, मिजोरम सरकार ने किया। सरकारी और निजी कॉलेजों के प्रधानाचार्यों/प्रतिनिधियों और मिजोरम राज्य छात्रसंघ ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- 131 उम्मीदवारों ने 22 नवंबर 2019 को मिजारम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (एमआईएसटीआईसी) की सहयोग से आयोजित "बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर एक दिवसीय कार्यशाला" में भाग लिया।
- नाइलिट आईजॉल के छात्रों ने 24 फरवरी, 2020 को नाइलिट आईजॉल केन्द्र में मिजोरम राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद (एमएससीटीई), मिजोरम सरकार द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शैक्षणिक निक्षेपागार (एनएडी)" राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस)" पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।
- 28 फरवरी 2020 को काजीरंगा विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम द्वारा "कैरियर स्कोप" पर एक तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।
- फ्रेशर्स सोशल एंड फेसिलिटेशन फंक्शन 2019 का आयोजन 16 अगस्त, 2019 को डावरपुई मल्टीपरपज सेंटर में किया गया था।
- केन्द्र ने मिजोरम सरकार, टीसीएस, एप्टेक लिमिटेड गुवाहाटी, अष्टविनायक आकलन और व्यापार सलाहकार प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर मिजोरम ग्रामीण बैंक भर्ती परीक्षा, मिजोरम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन परीक्षा, एसबीआई लिपिक और पीओ भर्ती परीक्षा, आईबीपीएस पीओ भर्ती परीक्षा, जेईई, नीट और यूजीसी नेट जेआरएफ जैसी विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाएं आयोजित की।

अजमेर

कार्मिक :
नियमित : 3
परियोजना आधारित/संविदात्मक : 2

कारोबार : 380.02 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक :
श्री संजीव कुमार सूरी

पता :
नाइलिट अजमेर, गाँव कोहड़ा, कोटा रोड
केकड़ी (अजमेर)–305404 राजस्थान

सम्पर्क के ब्यौरे :
ई–मेलः dir-ajmer@nielit.gov.in
वेबसाइटः http://nielit.gov.in/ajmer

क्षेत्राधिकार राज्यः
राजस्थान, गुजरात

अध्ययन केन्द्रः
नाइलिट पाली

केंद्र का इतिहासः

अजमेर जिले में केकड़ी शहर के पास अजमेर–कोटा रोड पर स्थित, नाइलिट अजमेर, अपने पॉश ग्रीन कैंपस के साथ; सरकार के बीच सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के बारे में जागरूकता फैलाने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए गंभीर प्रयास कर रहा है। विभागों, बोर्डों, निगमों, तकनीकी संस्थानों और आम जनता, अल्पकालिक और दीर्घकालिक ऑनलाइन और परिसर में कौशल उन्मुख पाठ्यक्रमों के माध्यम से संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार और गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। केंद्रों की गतिविधियों का उद्देश्य परीक्षा और प्रमाणन की एक गुणवत्ता प्रणाली स्थापित करना है जो विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है और छात्रों की योग्यता का उचित मूल्यांकन प्रदान करता है और इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और औद्योगिक डिजाइन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास और शैक्षणिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

☞ ई–कचरा प्रबंधन, सौर ऊर्जा तथा आईओटी

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • बेसिक कम्प्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी) • कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीओए) • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कम्प्यूटर एप्लीकेशन लेखांकन एवं प्रकाशन में उन्नत डिपलोमा • सौर उर्जा संस्थापन प्रचालन तथा रखरखाव • आईओटी में पीजी डिप्लोमा • पर्सनल कम्प्यूटर की असेम्बली तथा रखरखाव • इन्वर्टर, यूपीएस एवं बिजली की आपूर्ती की मरम्मत तथा रखरखाव • पीसी असेम्बली तथा रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • फोटो कॉपियर्स एवं प्रिंटर्स का संस्थापन तथा रखरखाव • ईएसएम – 1 इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन टेक्निशियन

दीर्घकालिक कार्यक्रम

• आईटी 'ओ' स्तर • आईटी 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम ऑनलाइन परीक्षा के तहत, परीक्षा में कुल 23,597 उम्मीदवार उपस्थित हुए हैं; जिसमें सीसीसी में 22,237 और 591 बीसीसी शामिल हैं।
- रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने नाइलिट को एक परियोजना से सम्मानित किया, जिसके तहत नाइलिट अजमेर ने 50 एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर का पाठ्यक्रम और अन्य 50 एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए आईटी 'ओ' स्तर का पाठ्यक्रम पूरी फीस प्रतिपूर्ति, पुस्तक भत्ता और वजीफे के साथ आयोजित किया है।
- वर्ष 2019–20 में कुल 42 उम्मीदवारों को विभिन्न लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया है।
- केंद्र, स्वच्छ भारत अभियान पर आम जनता के बीच जागरूकता के सृजन और महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सक्रिय भागीदारी भी लेता है।

औरंगाबाद

कार्मिकः

नियमितः 39

परियोजना आधारितः 12

कारोबार (लाख रुपये): 863.57

निदेशक प्रभारी

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता

पता

डॉ. बी.ए.एम विश्वविद्यालय परिसर

औरंगाबाद – 431004

(महाराष्ट्र)

सम्पर्क के ब्यौरेः

दूरभाषः 0230–2982050

ई–मेलः dir-aurangabad@nielit.gov.in

वेबसाइटः http://nielit.gov.in/aurangabad

क्षेत्राधिकार राज्य

महाराष्ट्र

केंद्र का इतिहास

इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा मराठवाड़ा औद्योगिक निगम, महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय परिसर में सीईडीटी के नाम से यह केन्द्र 19 सितम्बर, 1986 को निम्नलिखित उद्देश्यों से स्थापित किया गया था।

- उत्पाद डिजाइन, विकास, विनिर्माण, रखरखाव तथा सूचना प्रौद्योगिकी हेतु जनशक्ति का प्रशिक्षण।
- उद्योगों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और शैक्षिक संस्थानों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखना।
- उत्पाद विकास, अनुबंध अनुसंधान और परामर्श की वचनबद्धता।
- नेतृत्व गुणों को बढ़ाने, पेशेवर/नैतिकगुणों को जागृत करने, प्रभावी रूप से बनाए रखने, प्रभावी रूप से टीम कार्य कौशल, बहुआयामी दृष्टिकोण, इंजीनियरिंग विशेषज्ञता के साथ, सॉफ्ट कौशल के साथ 'उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण बनाकर प्रशिक्षुओं को समाजिक रूप से जिम्मेदार 'सक्षम कुशल पेशेवर' के रूप में रूपांतरित करना।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

• रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन • साइबर भौतिक प्रणाली • प्रिंटेड सर्किट बोर्ड्स • एम्बेडेड प्रणाली • ऊर्जा इलेक्ट्रॉनिक्स • ऑप्टिकल नेटवर्क • सोशल मोबाइल एनालिटिक्स और क्लाउड

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्पावधि पाठ्यक्रमः

• एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • बिग डेटा में उन्नत डिप्लोमा • आर्डूइनों आधारित एंबेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग / 3डी प्रिंटिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर • सीसीएनए

दीर्घकालिक पाठ्यक्रमः (डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय से संबंद्ध)

• इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम.टेक

• इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और रखरखाव में बी.टेक

• इलेक्ट्रानिकी प्रॉडक्शन तथा रखरखाव में डिप्लोमा (3 वर्ष) (डीईपीएम)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

क. कुल 267 अभ्यर्थियों को औपचारिक दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षित किया गया था।

ख. कुल 3352 अभ्यर्थियों ने सीएचएम 'ओ' स्तर और कुल 145 अभ्यर्थियों ने सीएचएम 'ए' स्तर पूर्ण किया।

ग. डिजिटल विलेज प्रोजेक्ट में, डीवीपी–सीसीसी हेतु 104 और डीवीपी–बीसीसी हेतु 66 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए।

घ. पुनर्वास निदेशालय द्वारा प्रायोजित मल्टीमीडिया, नाइलिट 'ओ' स्तर, सीएचएम 'ओ' स्तर पर प्रषिक्षण कार्यक्रम के तहत 134 पूर्व सेवा कर्मी प्रशिक्षित किए गए।

ङ. डॉ. बीएएम विश्वविद्यालय द्वारा औपचारिक पाठ्यक्रम के रूप में आईओटी में पीजी डिप्लोमा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक पाठ्यक्रमों को मान्यता दी गई है।

च. कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

क) राज्य अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, भोपाल, मप्रः 64 पुलिस कर्मियों के लिए साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

ख) एमएसबीटीईः इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में राज्य सरकार पॉलीटेक्निक के शिक्षकों (2 बैचों में 52 अभ्यर्थी) के लिए संकाय विकास कार्यक्रम।

ग) तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग (डीटीई व एसडी), मध्य प्रदेश सरकार (दो बैचों में 40 शिक्षक) के आईटीआई शिक्षकों के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

घ) एमसीसी प्रोजेक्ट के तहत, 22 जॉब फेयर/कैंपस ड्राइव्स आयोजित किए गए, 10210 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, 3371 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया, 750 अभ्यर्थियों को अब तक ऑफर प्राप्त हुए।

ङ) केंद्र ने सोलर असेंबली कार्यशाला, नवोन्मेष कार्यशाला, बार्कलेज जॉब रेडीनेस कार्यशाला (काम से जुड़े) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लैंग्वेज पर एक्सपर्ट लेक्चर, केंद्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रेन हार्वेस्टिंग पर एक्सपर्ट से वार्ता, साइबर लॉ और साइबर सिक्योरिटी पर एक्सपर्ट से वार्ता आयोजित की।

भुवनेश्वर

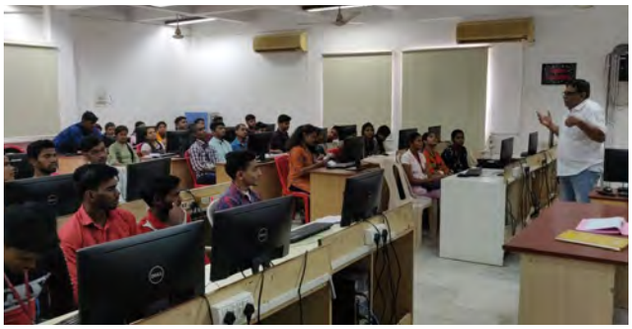

कार्मिकः

नियमितः 2

परियोजना आधारितः 0

कारोबार : (लाख रुपये)

कार्यकारी निदेशकः

श्री वी. कृष्णमूर्ति

पताः

नाइलिट भुवनेश्वर, तीसरी मंजिल,
उत्तरी साइड, ओसीएसी टॉवर,
आचार्य विहार, भुवनेश्वर–751013

सम्पर्क के ब्यौरेः

मोः 9423149900

ई–मेलः dir-bbsr@nielit.gov.in

क्षेत्राधिकार राज्य : विचाराधीन

विस्तार केन्द्र : शून्य

केंद्र का इतिहासः

''नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर, ओडिशा की स्थापना'' शीर्षक परियोजना के अंतर्गत भुवनेश्वर, ओडिशा में ''राज्य सरकार ने तृतीय तल, उत्तरी दिशा की ओर, ओसीएसी टावर में निःशुल्क रूप से कुल क्षेत्रफल 5207 वर्ग फीट सहित स्थान आवंटित किया है। केंद्र, केंद्रीय रूप से स्थित और शहर के अन्य भाग, पड़ोसी राज्यों से जुड़ा हुआ है। सीपीडब्लूड़ी द्वारा नवीनीकरण का दायित्व लिया गया है तथा कार्य अंतिम स्तर पर है। राज्य सरकार ने स्थायी परिसर के लिए 15 एकड़ भूमि प्रदान करने के लिए मुख्य रूप से सहमति व्यक्त की है।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- नाइलिट भुवनेश्वर के लिए कुछ उपकृष्टता के निम्नवत क्षेत्र प्रस्तावित हुए हैं।
- इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद संबंधी डिजाइन, ई–शासन और ईआरपी, ई–अपशिष्ट प्रबंधन और एम्बेडेडसिस्टम डिजाइन के औद्योगिक डिजाइन में कॉर्पोरेट प्रशिक्षण।
- नियमित सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण – कार्यालय स्वचालन, प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटाबेस, मल्टीमीडिया एनिमेशन प्रौद्योगिकी, पीसीबी डिजाइन और फैब्रिकेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन पर प्रशिक्षण।
- एनएसक्यूएफ संरेखित लघु अवधि पाठ्यक्रमः इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण।
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण
- सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकास

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

वेब डिजाइनिंग • कार्यालय स्वचालन • पीसी असेंबली तथा रखरखाव • एंडराइड एप्लिकेशन डेवलपर • कोर जावा • सी प्रोग्रामिंग • टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखा • अग्रिम जावा • डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग • आटो सीएडी

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

• आईटी–'ओ' और 'ए' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट–'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर ने अपने प्रत्यायित केंद्रों के माध्यम से वर्ष 2019–2020 के दौरान सॉफ्टवेयर "ओ" स्तर के पाठ्यक्रम में 25 एससी/एसटी तथा सीएचएम 'ओ' में 25 एससी–एसटी जॉबसीकर्स को प्रशिक्षित किया। जॉबसीकर्स को रोजगार महानिदेशालय, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है।

- नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर ने ओडिशा के दो कॉलेजों के बीसीए अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए नामतः एसपीपी–2020 रोचक तथा अनोखा कार्यक्रम तैयार किया। इस कार्यक्रम में कैरियर और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण तत्वों को सम्मिलित किया गया। 55 प्रतिभागियों के साथ बारह दिवसीय ग्रीष्म परियोजना कार्यक्रम–2020, दिनांक 24 फरवरी, 2020 से शुरू होकर 05 मार्च, 2020 तक संचालित रहा, जहाँ विद्यार्थियों को 'सी' लैंग्वेज में एप्लीकेशन बनाने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम में सॉफ्ट–स्किल्स से संबंधित व्याख्यान को भी सम्मिलित किया गया था। ई–वेस्ट प्रबंधन और सूचना सुरक्षा पर व्याख्यान, स्मार्ट उद्देश्य, समय प्रबंधन और सार्वजनिक भाषण भी उस कार्यक्रम में शामिल थे।

- यह केंद्र बीसीएएस परीक्षा, डीजीसीए फ्लाइट क्रू परीक्षा तथा विमान अनुरक्षण इंजीनियर आदि हेतु विभिन्न भर्ती/प्रोमोशनल परीक्षाओं को आयोजित कर रहा है।

- 19 प्रतिभागियों के साथ दिनांक 6 जनवरी, 2020 को ओडिशा के मान्यता प्राप्त संस्थानों के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में एआई द्वारा उठाए गए मुद्दों के साथ अभ्यर्थियों के क्षमता निर्माण और कौशल में सुधार हेतु कई इनपुट्स पर चर्चा की गई।

कालीकट

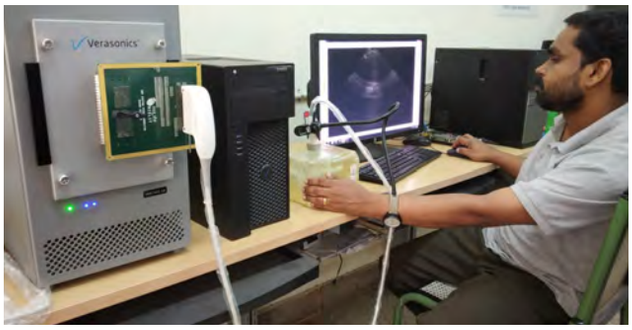

कार्यकारी समिति की बैठक:

दिनांक 13 मार्च, 2020 को 26वीं ईसी बैठक का आयोजन

कार्मिक:

नियमित: 34

परियोजना आधारित/संविदात्मक: 13

कारोबार: 730.53 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक:
डॉ. पेरुमल पिल्लै एम

पता:
नाइलिट,एनआईटी परिसर डाकघर
कोझिकोड केरल–673601

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 0495–2287123
फैक्स: 2287168
मोबाइल: +91–9446026809
ई–मेल: dir-calicut@nielit.gov.in
वेबसाइट: http://nielit.gov.in/calicut

क्षेत्राधिकार राज्य:
केरल, कर्नाटक तथा लक्षद्वीप

केंद्र का इतिहास:
केंद्र की स्थापना 1989 में हुई थी। तब से,केंद्र औपचारिक व अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से आधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी गुणात्मक शिक्षा का संचालन करता है। सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में क्षमता–निर्माण परियोजनाओं, उद्योगिक परामर्श, एप्लिकेशन उन्मुखी अनुसंधान तथा उत्पाद विकास का कार्यान्वयन कर रहा है। हरे–भरे 25 एकड़ में फैले परिसर में आधारिक संरचना को विकसित किया गया है जिसमें कई परिष्कृत प्रयोगशालाएं, स्मार्ट कक्षा–कक्ष, आईईईई ऑनलाइन गम्यता, एनकेएन कनेक्टिविटी, 24x7 वाईफाई सुविधा, छात्र हॉस्टल, कैंटीन और स्टाफ क्वार्टर सम्मिलित हैं। कार्यकलापों का क्रियान्वयन औद्योगिक अनुभव व विदेशों से प्रशिक्षण प्राप्त योग्य वैज्ञानिकों/इंजीनियरों द्वारा किया जा रहा है। केंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित है। एम.टेक पाठ्यक्रम एआईसीटीई द्वारा मान्य है तथा एपीजेएके तकनीकी विश्वविद्यालय, केरल से संबद्ध हैं। नाइलिट कालीकट, कालीकट विश्वविद्यालय के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी के लिए अनुसंधान केंद्र के रूप में मान्य है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- एम्बेडेड सिस्टम और आईओटी अनुप्रयोग
- वीएलएसआई / एएसआईसी डिजाइन और सत्यापन
- 3डी प्रिंटिंग एवं योगात्मक विनिर्माण
- बिग डेटा व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- सूचना सुरक्षा व क्लाउड कंप्यूटिंग
- उपकरण एवं प्रक्रिया नियंत्रण

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

उन्नत स्नातकोत्तर डिप्लोमा
• इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण

स्नातक डिप्लोमा • एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन • वीएलएसआई व एम्बेडेड हार्डवेयर • औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन • क्लाउड कंप्यूटिंग

उन्नत डिप्लोमा • बिग डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस • सूचना सुरक्षा • पीएलसी/एससीएडीए/डीसीएस इंजीनियर • वीएलएसआई डिजाइन तथा सत्यापन

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

इलेक्ट्रॉनिक्स में पीएचडी
प्रौद्योगिकी (एमटेक) में मास्टर
• एम्बेडेड सिस्टम
• इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी
• वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (संयुक्त रूप से डीआईएटी–डीआरडीओ पुणे के साथ)
• नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर व नाइलिट 'ओ' स्तर।

अन्य कार्यक्रम
• कॉर्पोरेट प्रशिक्षण
• संकाय विकास कार्यक्रम
• अनुकूलित इंटर्नशिप व विद्यार्थी परियोजनाएं
• आईईईई/आईईटीई के साथ कार्यशाला एवं सेमिनार

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों, प्रमाणन योजनाओं और कार्यशालाओं के माध्यम से कुल 3097 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया/जांचा गया।
- 81 अभ्यर्थियों ने तीन विशेष एम.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश लिया।
- पीजी डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा तथा प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों के माध्यम से कुल 476 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- क्षेत्र में पूर्ववर्ती डीओईएसीसी योजना ('ओ' स्तर तथा सीएचएम 'ओ' स्तर) के माध्यम से कुल 400 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- इंटर्नशिप, कस्टम प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से 405 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- 1735 अभ्यार्थी बीसीसी, सीसीसी के माध्यम से आईटी साक्षरता पर प्रशिक्षित/प्रमाणित हुए।
- इंटेल, एचसीएल टेक, रॉबर्ट बॉश, आईबीएम, एएमडी इंडिया, वीवीडीएन टेक्नोलोजिस, मोबिलेक्सिओन, टेकलॉग, गड्जइओन, एनएक्सपी सेमीकंडक्टर, अल्गोमोक्स, प्रोकसीस आदि प्रतिष्ठित कम्पनियों ने भर्ती अभियान का संचालन किया जिसमें कूल 97 अभ्यर्थियों को रोजगार प्राप्त हुआ।
- बीईएल बैंगलोर ने आईपी कोर डिजाइन के क्षेत्र में केंद्र को डिजाइन सेवाप्रदाता के रूप में मान्यता प्रदान की है।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से मेक–इन–इंडिया सहायतार्थ पहल के अंतर्गत पीएनडीटी अनुपालन सहित मेडिकल अल्ट्रासाउंड सिस्टम पर प्रोटोटाइप विकास किया गया।
- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एसएमडीपी एवं सी2एसडी परियोजना के अंतर्गत सेमी–कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल) मोहाली में आईसी विकसित की गई, 'एरे सिग्नल प्रोसेसर' उपयोग कर एप्लीकेशन का विकास एवं परीक्षण किया।
- आईईईई स्कोप्स सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 07 शोध–पत्र प्रकाशित हुए।
- योगात्मक विनिर्माण तथा 3 डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) के क्षेत्रों में फ्यूचर स्किल प्राइम के अंतर्गत तीन परियोजनाओं को पुरस्कृत किया गया।
- ग्रिड सोलर पावर प्लांट पर इलेक्ट्रिक वाहन टेक्नोलॉजीज तथा 40 किलोवाट पर अत्याधुनिक सुविधा को स्थापित किया गया।
- एनआईसी के डीआईओ/एडीआईओ/तथा राज्य पुलिस विभाग के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग पर एनआईटी पुदुचेरी के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- इंजीनियरिंग और नाइलिट 'ओ' स्तर के छात्रों के उपयोग के लिए आईओटी प्रशिक्षक किट्स की डिजाइनिंग व विकास किया गया।

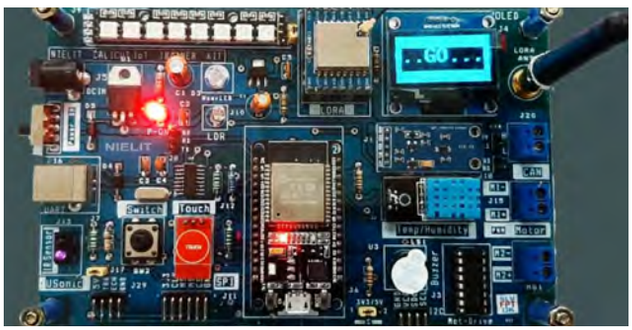

चण्डीगढ़

कार्यकारी समिति की बैठक:

कार्मिक
नियमित: 90
परियोजना आधारित संविदात्मक: 123

कारोबार
5216.74 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक
श्रीमती सुनीता गोयल

पता
रोपड़
बिरला फार्म, बड़ा फूल, रोपड़– 140001
चंडीगढ़
आईईटीई बिल्डिंग में सुविधा कार्यालय
सेक्टर 30–बी, चंडीगढ़–160030

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 1881–257001, +91–7087235374
ई–मेल: dir-chandigarh@nielit.gov.in
वेबसाइट: http://nielit.gov.in/chandigarh

क्षेत्राधिकार राज्य:
पंजाब एवं चंडीगढ़ (यूटी)

केंद्र का इतिहास:

नाइलिट, चण्डीगढ़ की स्थापना वर्ष 1978 में सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में प्रोफेशनल सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गई थी। यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है।केंद्र का उद्देश्य अत्यधिक उपयोगकर्ता की संतुष्टि के लिए सभी सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार तकनीकी (आईईसीटी) के पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है तथा इसके लिए मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया गया है। यह केंद्र समय–समय पर मूल्यांकन की आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है। अगस्त 2012 में पंजाब सरकार ने "रोपड़, पंजाब में नाइलिट चंडीगढ़ के स्थायी परिसर के निर्माण हेतु" रोपड़ (आईआईटी परिसर से लगा हुआ) में 12 एकड़ भूमि का आवंटन किया।नाइलिट ने अक्टूबर, 2017 से नए परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू कीथीं। नाइलिट चंडीगढ़ ने रोपड़ कैंपस में पहले ही इस क्षेत्र में प्रतिष्ठित संस्थानों, विशेष रूप से IIT रोपड़ के साथ समझौता–ज्ञापन के माध्यम से अच्छे संबंध विकसित किए हैं, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के जनसाधारण को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा/कौशल प्रदान करना है। अधिशासी परिषद की 36वीं बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में, नाइलिट चंडीगढ़ ने सभी कार्यकलापों को अपने स्थायी परिसर, रोपड़, पंजाब से मार्च, 2019 से प्रभावी शुरू किए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- आईटी इलेक्ट्रॉनिक्स और उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता–निर्माण
- स्कूलों में कंप्यूटर शिक्षा
- बड़े पैमाने पर डेटा कैप्चरिंग और डेटा प्रोसेसिंग
- वेब समर्थित अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर विकास
- कंप्यूटर एडेड डिजाइन

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

मूलभूत प्रौद्योगिकी

- कोर पाइथन, कोर जावा, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन मे प्रमाणित कार्यक्रम, आर्डूइनों, थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी), जे2ईई, सी के साथ एएसपी.नेट, एमवाईएसक्यूएल के साथ पीएचपी, सी/सी++, वेबडिजाइनिंग, रचनात्मक ग्राफिक डिजाइन, ऑटो सीएडी, प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर

उन्नत प्रौद्योगिकी

- डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग के लिए पाइथन, ब्लॉक चैन हडोप के उपयोग से बिग डाटा एनालिटिक्स, एंड्रॉइड का उपयोग कर मोबाइल अनुप्रयोग विकास में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, पाइथन के साथ रास्पबेरी पीआई, मैटलैब में प्रमाणित पाठ्यक्रम, लिनक्स/यूनिक्स के अंतर्गत सिस्टम प्रशासन, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, एसक्यूएल सर्वर/ओरेकल, सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 1 और 2), सीसीएनए वी 6.0 रूटिंग और स्विचिंग (मॉड्यूल 3 और 4) तथा साइबर सुरक्षा।
- उर्दू का उपयोग कर कम्प्यूटर अनुप्रयोग, व्यापार लेखा, डेस्कटॉप प्रकाशन (सीएबीए – एमडीटीपी)

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• नाइलिट 'ओ'/'ए'/'बी' स्तर; नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट चंडीगढ़ ने हडोप का उपयोग कर बिग डेटा एनालिटिक्स, पर ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है।
- आई आई टी रोपड़ के साथ संयुक्त प्रामणन के अंतर्गत, डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग के साथ पायथन; थिंग्स ऑफ इंटरनेट (आईओटी) पायथन के साथ रास्पबेरी पीआईआदि।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के कार्मिकों के लिए "एंबेडेड सिस्टम डिजाइन और एप्लीकेशन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया सेना/नौसेना/वायु सेना से संबद्ध 26 अधिकारियों के लिए प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर का आयोजन किया; इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी विभाग, हरियाणा के स्टाफ सदस्यों के लिए पायथन तथा मशीन लर्निंग प्रशिक्षण आयोजित किया था।
- संघ शासित शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ के अंतर्गत लगभग 40 सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश के लिए पूर्ण रूप से ऑनलाइन काउंसलिंग परियोजना को निष्पादित किया गया। लगभग 15000 छात्रों को प्रवेश दिया गया।
- राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) के साथ देश भर के 500 से अधिक एनसीपीयूएल केंद्रों में 'कंप्यूटर एप्लीकेशन, बिजनेस अकाउंटिंग एंड मल्टीलिंगुअल डेस्कटॉप पब्लिशिंग (सीएबीए–एमडीटीपी) योजना के कार्यान्वयन की दिशा में समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, वर्ष 2019–20 के दौरान सीएबीए एवं एमडीटीपी पाठ्यक्रम में लगभग 31000 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- लगभग 30,000 अभ्यर्थियों की औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा की एससीवीटी योजना की ओएमआर आधारित सेमेस्टर परीक्षा की प्रक्रिया और मूल्यांकन का सुनिश्चय किया।
- यह केंद्र पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों तथा चंडीगढ़ यूटी प्रशासन जैसे पंजाब स्टेट ट्रांसपोर्ट सोसाइटी (पीएसटीएस), पंजाब ई–पंचायत सोसाइटी (पीईपीएस), महानिदेशक, पुलिस–क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम्स (सीसीटीएनएस) इत्यादि को इन विभागों में अनुबंध के आधार पर नियुक्त किए जाने वाले तकनीकी एवं प्रबंधकीय जनशक्ति के चयन एवं भर्ती में सहयोग प्रदान कर रहा है। वर्ष 19–20 के दौरान, विभिन्न विभागों में लगभग 270 तकनीकी/प्रबंधकीय जनशक्ति की तैनाती की गई थी।
- चंडीगढ़ केंद्र ई–शिकायत निवारण समाधान का कार्यान्वयन कर रहा है जिसमें, जनशक्ति उपलब्ध कराना तथा सरकार के टोल–फ्री कॉल केन्द्रों के लिए आईवीआरएस, एसएमएस और ई–मेल के माध्यम से बैक–एंड समर्थन प्रदान करना सम्मिलित है।
- पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ राज्यों के 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा बिल तैयार करना।
- पंजाब, हरियाणा में लगभग 370 नकद–संग्रह केंद्र के कम्प्यूटरीकरण में ई–गवर्नेंस को सुगम बनाना।

वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान निम्नलिखित प्रमुख परियोजनाएं भी शुरू की गईं:–

1. फैमिली लिविंग सर्वे (एफएलएस) परियोजना

- श्रम ब्यूरो, चंडीगढ़ विभाग (श्रम और रोजगार मंत्रालय) ने देशभर के 88 केन्द्रों के लिए कार्यशील वर्ग परिवार आय और व्यय सर्वेक्षण 2016 से संबंधित डेटा के प्रसंस्करण और सारणी करण से संबंधित कार्य सौंपा है। सभी 70,000 अनुसूचियों को डिजिटाइज किया गया है और भार आरेख के व्युत्पत्ति के लिए लगभग 352 प्राथमिक रूप से तालिकाएँ बनाई गई हैं।

2. पंजाब और चंडीगढ़ के लिए संदर्भ वर्ष 2015–16 सहित कृषिजन गणना के डेटा का कम्प्यूटरीकरण।

- कृषि और किसान कल्याण पंजाब द्वारा पंजाब राज्य के लिए संदर्भ वर्ष 2015–16 सहित कृषि जन गणना के डेटा का कम्प्यूटरीकरण का कार्य सौंपा गया है। नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा पंजाब राज्य के सभी 22 जिलों के लिए डिजिटलीकरण का कार्य किया गया है तथा पूर्ण हो चुका है।

3. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) – चरण III परियोजना

- स्थानीय विभाग, पंजाब ने 16 जिलों और 10 नगर निगमों के लिए राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) चरण–III के अपडेशन से संबंधित कार्य सौंपा है, जो लगभग 2.17 करोड़ की जनसख्या से आच्छादित है।

चेन्नई

कार्यकारी समिति की बैठक:
शून्य

कार्मिक
नियमित: 07

परियोजना आधारित/संविदात्मक: 15

कारोबार
309.80 लाख रु.

निदेशक
श्री के.एम. मार्टिन

पता
नाइलिट चेन्नै 25, आईएसटीई कॉम्प्लेक्स
गांधी मण्डपम रोड
अन्ना सेंटिनरी पुस्तकालय के सामने
कोट्टूर्पुरम, चेन्नै : 600 025

सम्पर्क के ब्यौरे
फोन: 044–24421446/7
मोबाइल: +91–9489540125
ई–मेल: dir-chennai@nielit.gov.in
वेबसाइट: http://nielit.gov.in/chennai

क्षेत्राधिकार राज्य
तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना,
पुडुचेरी तथा अण्डमान एवं
निकोबार द्वीपसमूह

केंद्र का इतिहास:
दिनांक 6 जनवरी 2009 को ई. और सु.प्रौ.मंत्रा, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से नाइलिट चेन्नै अस्तित्व में आया। नाइलिट चेन्नई एक उन्नत प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र के रूप में उभरा है जिसमें आईईसीटी प्रौद्योगिकियों अर्थात वीएलएसआई डिजाइन, अन्तर्निर्मित प्रणाली डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की औद्योगिक डिजाइन, परीक्षण एवं परिमापन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना सुरक्षा,क्लाउड कम्प्यूटिंग, डिजिटल एवं मोबाइल फोरेंसिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों (ई–लर्निंग एवं मल्टीमीडिया एनिमेशन) पर विशेष जोर दिया जाता है। केंद्र, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन पर अपने कौशल क्षमता को बढ़ाने के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान संस्थानों से उत्तीर्ण उम्मीदवारों को विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान करता है ताकि नौकरी के लिए इच्छुक अपनी नौकरी के लिए तैयार हो सके। इसके अतिरिक्त, कार्मिक तथा शिक्षक वर्ग भी आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में अपना ज्ञान बढ़ा सकेंगे।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- इलेक्ट्रॉनिकी उत्पाद डिजाइन
- थिंग्स ऑफ इंटरनेट
- एम्बेडेड सिस्टम
- वीएलएसआई डिजाइन
- डाटा विज्ञान
- सूचना सुरक्षा
- डिजीटल एवं मोबाइल फोरेसिंक्स
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- आर्टिफिशियल इटेंलिजेंस
- सूचना प्रौद्योगिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• आर के उपयोग से एडवांस डाटा एनालिटिक्स में, प्रमाणित डाटा वैज्ञानिक, एआरएम कारटेक्स एम4 का प्रयोग करते हुए एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, पीसीबी डिजाइन तकनीक, आर्डूइनों और रोबोटिक एआरएम का उपयोग करते हुए एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, पायथन प्रोग्रामिंग, मशीन लर्निंग, एफपीजीए डिजाइनर, वीएल एसआइ डिजाइन इत्यादि में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, आटोमोटिव एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में एडवांस डिप्लोमा

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम

• डीओईएसीसी 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • डेटा साइंस एवं एनालिटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • क्लाउड कम्प्यूटिंग मे स्नातकोत्तर डिप्लोमा • सूचना प्रणाली सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा • बिग डाटा एनालिटिक्स में एडवांस डिप्लोमा

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- केंद्र ने एचपीसी क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा साइंस वर्चुअल लैब की स्थापना की है।
- मोबाइल और डिजिटल फोरेंसिक लैब सेटअप पूरा किया गया ।
- आईएसईए परियोजना चरण–II के अंतर्गत सूचना प्रणाली सुरक्षा और क्लाउड कम्प्यूटिंग मे दो स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू किए गए।
- आईएसईए परियोजना चरण–II के अंतर्गत सर्टिफाइड सिस्टम सेक्यूरिटी एनालिस्ट (सीएसएसए)–स्तर –I शुरू किया गया।
- इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "ई–वेस्ट मैनेजमेंट (चरण–II) पर 1/3 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी कर्मचारियों का क्षमता निर्माण" शीर्षक परियोजना के तहत, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुल 557 सरकारी अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है।
- रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार ने नाइलिट को एक परियोजना प्रदान की जिसके तहत नाइलिट चेन्नई ने पूर्ण शुल्क प्रतिपूर्ति ,पुस्तक भत्ता, वजीफे के साथ 74 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए सीएचएम 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम तथा 191 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- सीएचएम ओ लेवल में 34 डीजीआर प्रायोजित उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।
- 976 उम्मीदवारों के लिए नाइलिट चेन्नई क्षेत्राधिकार में सभी मासिक परीक्षा चक्र में सीसीसी परीक्षा और 42 उम्मीदवारों के लिए बीसीसी परीक्षा आयोजित की गई।
- चेन्नई में अप्रैल, जून, जुलाई, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर 2019 और फरवरी 2020 के महीने में डीजीसीए ऑनलाइन परीक्षा का समन्वयन किया।
- चेन्नई और हैदराबाद में सभी मासिक परीक्षा चक्र में बीसीएएस ऑनलाइन परीक्षा करने में समन्वयन किया ।
- केंद्र ने "पीजी डिप्लोमा इन डेटा साइंस एंड एनालिटिक्स (डीएस 500)" के 2 बैचों को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

दिल्ली

कार्यकारी समिति की बैठक
शून्य

कार्मिक:
नियमित: 37
परियोजना आधारित/संविदात्मक: 35

कारोबार:
6,493.22 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री शमीम खान

पता
नाइलिट दिल्ली केंद्र, दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन
इंद्रलोक, नई दिल्ली–110052

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 011–23649850
ई–मेल: dir-delhi@nielit.gov.in
वेबसाइट: http.nielit.gov.in/delhi

क्षेत्राधिकार राज्य:
दिल्ली का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

केंद्र का इतिहास :

दिल्ली केंद्र को शुरू में नाइलिट चंडीगढ़ केंद्र के शाखा कार्यालय के रूप में स्थापित किया गया था। यह 1 नवंबर, 2012 को यह नाइलिट का एक स्वतंत्र केंद्र बन गया। यह ट्रैक रिकॉर्ड के साथ एक पेशेवर प्रबंधित केंद्र है और इसके विभिन्न कार्यों का उद्देश्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधान और उत्पादों की बेहतरीन पैकेज देना है। इसने गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा प्रदान करके और विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी संगठनों की बड़ी परियोजनाओं की हैंडलिंग की क्षमता से स्वयं को प्रमाणित किया है। केंद्र आईटी में नई चुनौतियों को पूर्ण करने और नई प्रौद्योगिकियों में अग्रणी संस्थान बनने की भूमिका में है। यह मजबूत डिजाइन सिद्धांतों, गुणवत्ता के उच्चतम स्तर और इथिकल व्यापार अभ्यासों के द्वारा अत्यधिक प्रेरित कुशल श्रमिकों के माध्यम से लागत प्रभावी, मार्केट समाधान सुनिश्चित करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- उद्ययोग के लिए तैयार पेशेवर उपलब्ध कराने के साथ–साथ ई–लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, क्म्प्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधी विषयों के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति बनाने में नाइलिट दिल्ली केंद्र उत्कृष्टता प्राप्त करता है।
- सॉफ्टवेयर डेवेलप्मेंट और तकनीकी सहायक सेवाएं
- ऑफ लाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में विभिन्न सरकारी संगठनों के भर्ती परीक्षाओं का संचालन।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

प्रमाणपत्र / डिप्लोमा पाठ्यक्रम सीएस/आईटी पाठ्यक्रम :–

सी/सी++/पॉयथन के माध्यम से वेब डिजाइनिंग, प्रोग्रामिंग, सी और सी++, सीसीएनए, सीसीईएनटी प्रमाणन के लिए रुटिंग और स्विचिंग, कम्प्यूटर सिस्टम और सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन , वेब एप्लीकेशन टेक्नोलॉजीज वीबी/सी# के साथ एएसपी.नेट, प्रमाणित एन्ड्रॉइड एप्स डेवलपर, लिनक्स के उपयोग से सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन, डाटा प्रविशिष्ट एवं कार्यालय स्वचालन, टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन, आईडब्ल्यडी/सी में रिफ्रेशर कोर्स, बिग डाटा एवं हडोप, साइबर सुरक्षा बुनियादी साक्षरता पाठ्यक्रम, सीसीसी

इलेक्ट्रॉनिक्स/हार्डवेयर पाठ्यक्रम:–

8051 एवं एवीआर एवं अर्डूईनों के उपयोग से एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, एआरएम/सीओआरटीईएक्स माइक्रोकंट्रोलर के उपयोग से एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, आडयूनो/रास्पबेरी पाई के उपयोग से इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बी एलएसआई डिजाइन, पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणपत्र कार्यक्रम,

मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम:–

फोटोशोप, 2डी एनिमेशन में पाठ्यक्रम, प्रमाणित आडियो और विडियो डिजाइनर, 3डी एनिमेशन आदि।

दीर्घअवधि पाठ्यक्रम:–

नाइलिट 'ओ' /'ए' स्तर पाठ्यक्रम, सीएचएम– 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम, मैट 'ओ' पाठ्यक्रम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स में पीजी डिप्लोमा, वीएलएसआई डिजाइन, उपकरण और प्रौद्योगिकी में पीजी डिप्लोमा, आडयूनों आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट दिल्ली ने 548 दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों के छात्रों, 640 अल्प अवधि पाठ्यक्रमों के छात्रों और 417 कॉरपोरेट ट्रेनिंग छात्रों को 2019–20 के दौरान प्रशिक्षित किया।
- केंद्र ने डीजीई (रोजगार महनिदेशालय) प्रायोजित कार्यक्रम के तहत लगभग 100 एससी/एसटी जॉबसीकर्स के लिए प्रशिक्षिण आयोजित किया। अन्य 447 एससी/एसटी छात्रों को एमईआईटीवाई के प्रयोजन के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया था।
- नाइलिट दिल्ली ने अपने डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम के तहत वर्ष के दौरान सीसीसी कार्यक्रम में 196 छात्रों को प्रशिक्षित किया है।
- जीजीएसआईपीयू, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीसीआरयूटी जैसे विभिन प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के एमसीए और एमएससी जैसे बीटेक और अन्य कार्यक्रमों के कुल 384 छात्रों; सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज आदि ने जून–अगस्त 2019 के महीनों के दौरान आयोजित आईटी और इलेक्ट्रा. निक्स में 4–8 सप्ताह के औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में दाखिला लिया।
- 240 रक्षा कर्मियों (जेसीओ/ओआरएस) को छह बैचों में महानिदेशालय पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रायोजन के साथ 6 महीने का पूर्णकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। यह प्रशिक्षण आईटी 'ओ' स्तर और प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर के एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों पर आयोजित किया गया था।
- नेशनल एकैडमी ऑफ ब्राडकॉस्टिंग एंड मल्टीमीडिया एनएबीएम विभाग के लिए "कंप्यूटर नेटवर्किंग और सर्वर प्रशासन" पर 66 प्रसारण इंजीनियरों के लिए दो सप्ताह का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- सूचना विज्ञान निदेशालय (डीडीआईएस) को अधिकारियों के दो बैचो का आयोजन, नाइलिट दिल्ली द्वारा एप्लीकेशन मैनेजमेंट, नेटवर्किंग मैनेजमेंट डॉटाबेस कॉन्सैप्ट एंड सिक्योरिटी प्रोग्रामर/डीपीए और सिस्टम एनालिसिस के लिए एंगुलर जेएएस में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के 31 सुरक्षा पेशेवरों को साइबर सुरक्षा जाखिम शमन में प्रशिक्षित किया गया था।
- बीएसएफ के 60 अधिकारियों की क्षमता निर्माण बिग डाटा एनालिटिक्स और सीसीएनए, रूटिंग एंड स्विचिंग और एएसपी.नेट विद सी में किया गया था।
- केंद्र में अक्टूबर 2019 के महीने में थियागराज स्टेडियम में शिक्षा निदेशलय, जीएनसीटी दिल्ली द्वारा कक्षा 10 और 12 के दिल्ली के सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए आयोजित "राज्य स्तरीय करियर कॉनक्लेव में भाग लिया केंद्र ने सभी नाइलिट प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में छात्रो को विस्तृत जानकरी प्रदान की।"
- केंद्र के 178 छात्रों को दिल्ली सरकार के आईटी डिविजन, एमसीडी, दिल्ली जलबोर्ड आदि संगठनों में नौकरी प्राप्त हुई।
- नाइलिट दिल्ली केन्द्र ने माइटी की प्रमुख परियोजना– "जनता के लिए आइटी" के लिए माइटी में एक परियोजना निगरानी इकाई (पीएमयू) की स्थापना की है। पीएमयू की प्राथमिक जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत संभावित वित्तीय सहायता के लिए विभिन्न संगठनों से प्राप्त परियोजना प्रस्तावों का तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन है।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र ने भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (आईसीईआरटी), माइटी के लिए विज्ञापित वैज्ञानिक 'सी' और वैज्ञानिक 'डीं' के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। दोनों पदों के लिए ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्राप्त हुए थे। ओएमआर आधारित स्क्रीनिंग परीक्षा भारत के 10 शहरो में आयोजित की गई।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र को नाइलिट मुख्यालय और इसके विभिन्न केंद्रों में एस एंड टी और गैर एस एंड टी पदों की 19 श्रेणियों की रिक्तियों के लिए भर्ती की गतिविधी सौंपी गई थी। विज्ञापित रिक्तियों के सापेक्ष कुल 12,577 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए और ओएमआर आधारित लिखित परिक्षाएं भारत के 25 शहरों में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
- केंद्र ने 30 अगस्त, 2019 और 19 मार्च, 2020 को हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जहाँ कर्मचारियों के लिए व्याख्यान के लिए बाहरी अतिथि वक्ताओं को आमांत्रित किया गया था। केंद्र 3 सितंबर, 2019 से 23 सितंबर 2019 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जिसमें कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को नकद पुरस्कार दिया गया।

गंगटोक

कार्मिक
नियमित: 3
परियोजना आधारित/संविदात्मक: 4

कारोबार
142.24 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री अरूण चत्तोपाध्याय

पता
नाइलिट गंगटोक
इंदिरा बाई पास रोड
केबीटी पेट्रोल पम्प के पास
सिचे, गंगटोक – 737101

सम्पर्क के ब्यौरे:
फोन: 03592– 205609/2015610

क्षेत्राधिकार राज्य
सिक्किम

विस्तार केन्द्र, यदि कोई:
शून्य

केंद्र का इतिहास:
वर्ष 2010 में, नाइलिट केंद्र, गंगटोक की शुरुआत एमईआईटीवाई के प्रशासनिक अनुमोदन और जीआईए की सहायता से इंदिरा बाईपास रोड, सिचे, गंगटोक स्थित लगभग 10,000 वर्ग फुट में किराए के परिसर में हुई थी।
प्रारंभ से ही, नाइलिट गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल कार्यान्वित कर रहा है व युवाओं और समाज के कमजोर वर्गो तथा गुणवत्ता आईटी/आईटीईएस शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से राज्य सरकार के कर्मचारियों का सशक्तिकरण भी किया है। केंद्र ने उभरती हुई तकनीकी विकास पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए एमइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजना को सफलतापूर्वक कार्यान्वित भी किया।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:
- आईटी साक्षरता
- साइबर सुरक्षा जागरूकता
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम अर्थात एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन, टैली, डीटीपी में पाठ्यक्रम
- हार्डवेयर / नेटवर्किंग / पीसी असेंबली / रखरखाव में पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम [सी, सी+, कोर जावा]/ वेब/ मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट, आदि।
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स/ रास्पबेरी पाई/ अर्डूइनो/ पायथन, आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम (सभी एनएसक्यूएफ अनुरूप):
- हार्डवेयर में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम–सीएचएम–ओ स्तर
- आईटी एप्लीकेशन में ओ/ए स्तर के पाठ्यक्रम
- मल्टीमीडिया और एनिमेशन प्रौद्योगिकी में मैट–ओ स्तर का पाठ्यक्रम– मैट ओ स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट गंगोटक ने सी–डैक कोलकाता के सहयोग से माइटी द्वारा प्रायोजित परियोजना के तहत कुल 39 पुलिस कर्मियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया।
- "पूर्वत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक लैब अवसंरचना। "
- नाइलिट केंद्र, गंगटोक ने एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी द्वारा प्रायोजित इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसमें विभिन्न कॉलेजों / विश्वविद्यालयों के 161 संकायों ने उक्त प्रशिक्षण में भाग लिया।
- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'आईईटी क्षेत्र में प्रशिक्षण / क्षमता में वृद्धि के उद्देश्य से उ.पू. क्षेत्र के विकास' संबंधी परियोजना को मंजूरी दी, केंद्र को इसके स्थायी परिसर के निर्माण के लिए सिक्किम सरकार द्वारा पाक्योंग सब डिवीजन के तहत पचायखानी ब्लॉक में 8.54 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, आवासीय सुविधाओं (बॉयज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, ऑफिसर्स बंगला, आदि) सहित एनबीसीसी के माध्यम से निर्माण प्रगति पर है।

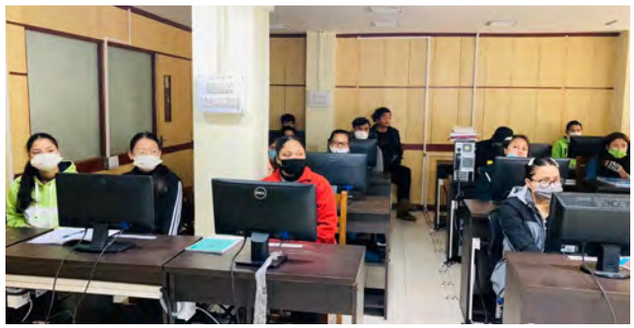

गोरखपुर

कार्मिक

नियमितः 53 (लखनऊ सहित)

परियोजना आधारित/संविदात्मक :
45 (लखनऊ सहित)

कारोबार

6754.53 लाख रुपये

कार्यकारी निदेशक

डॉ. ए.के.डी. द्विवेदी

पताः

नाइलिट गोरखपुर
देवरिया रोड
गोरखपुर – 273010

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइलः 8317093865

ई–मेलः dir-gorakhpur@nielit.gov.in

विस्तार केंद्र

डॉ. डी. के. मिश्रा, केंद्र प्रभारी
नाइलिट लखनऊ (शाखा कार्यालय)
सुमित कॉम्प्लेक्स, ए–1/9
विभूति खंड, गोमती नगर,
लखनऊ–226010 (यू.पी.)

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइलः 0522–2720589/7706009301
ई–मेलः lucknow@nielit-gov-in

केंद्र का इतिहासः

नाइलिट् केंद्र, गोरखपुर जून, 1989 में स्थापित हुआ था। यह डिप्लोमा/ ग्रेजुएट/ मास्टर स्तर के विद्यार्थियों के प्रशिक्षण और शिक्षा की आवश्यकता को पूर्ण करता है तथा यू.पी. के लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। यह केंद्र "इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी" में एम.टेक तथा "वीएलएसआई डिजाइन" में एम.टेक के संचालन के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है।

नाइलिट् लखनऊ नाइलिट गोरखपुर केंद्र का एक विस्तार केंद्र है। उत्तर प्रदेश एक विशाल राज्य है और इस केंद्र के आरंभ का मुख्य कारण इसकी राजधानी लखनऊ जो पूरे देश से रेल संपर्क के अतिरिक्त विभिन्न जिलों से जुड़ा हुआ है। लखनऊ स्थित केंद्र नवीनतम मशीनों और सर्वरों से लैस है और लगभग 12000 वर्ग फुट के क्षेत्र में फैला हुआ है। जो केंद्रीयकृत रूप से वातानुकूलित है। सूचना प्रौद्योगिकी में अनुभवी टीम होने पर, लखनऊ शाखा ने लखनऊ में प्रशिक्षण, डाटा प्रोसेसिंग रोजगार और सुविधा प्रबंधन में ख्याति हासिल की है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- बिग डेटा एनालिटिक्स
- वर्चुअल प्रयोगशाला का विकास
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन
- सूचना सुरक्षा
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग
- एकीकृत इलेक्ट्रॉनिकी, कम्प्यूटर तथा संचार सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रमः

• पाइथन, एचटीएमएल का उपयोगकर वेब डिजाइनिंग, एएसपी.नेट, एमवाई एसक्यूएल, जावा प्रोग्राममिंग, ऑटोकाड का उपयोग कर 3डी प्रिंटिंग, वित्तीय लेखांकन व टैली, ग्राफिक डिजाइनिंग, एलईडी आधारित उत्पाद डिजाइन, वीएलएसएल डिजाइन, एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन शिक्षण, बिग डेटा एनालिटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, नेटवर्किंग, ऑटोकैड, वेब डिजाइनिंग, एंड्रायड के उपयोग कर मोबाइल एप्लिकेशन विकास, जे2ईई, टैली, सीसीसी आदि।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण : पीसीबी डिजाइन/ऑटोकैड/वीएलएसआई डिजाइन/वीएचडीएल प्रोग्रामिंग/रोबोटिक्स/जावा प्रोग्रामिंग और सूचना सुरक्षा/आईओटी/एंडराइड प्रोग्रामिंग और सूचना सुरक्षा/मैट्लैब का उपयोग से डीएसपी/सी और सी++/वेब डिजाइनिंग

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी) • एम.टेक (वीएलएसआई डिजाइन) • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर (सॉफ्टवेयर) • नाइलिट 'ओ' स्तर और 'ए' स्तर (हार्डवेयर) • नाइलिट 'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया) • सॉफ्टवेयर विकास में एडवांस डिप्लोमा (एडीएसडी) • हार्डवेयर नेटवर्किंग और सूचना सुरक्षा में एडवांस डिप्लोमा (एडीएनएस).

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- सम्पूर्ण यूपी में डीएलसी पाठ्यक्रमों में 7,29,838 अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन।
- नाइलिट केंद्र, गोरखपुर में दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में 478 और लघु अवधि के पाठ्यक्रमों में 1408 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए।
- नाइलिट केंद्र, गोरखपुर में दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में 372 और लघु अवधि के पाठ्यक्रमों में 583 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए।
- भविष्य के कौशल क्षेत्र जैसेः इन क्षेत्रों में प्रमाणपत्र और डिप्लोमा देते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स में प्रशिक्षण की शुरुआत हो गई है।
- उत्तर प्रदेश के गवर्नर हाउस के अधिकारियों को ई–ऑफिस पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- राज्य में कार्यरत सेना के कार्मिकों को 'ओ' स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- राज्य में कार्यरत सेना के कार्मिकों को सीएचएम 'ओ' स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- यूपीएसआरटीसी, एनएचएम, परिवहन आयुक्त कार्यालय, पेंशन निदेशालय, समाज कल्याण आदि को सुविधा प्रबंधन सेवा उपलब्ध करायी गई।

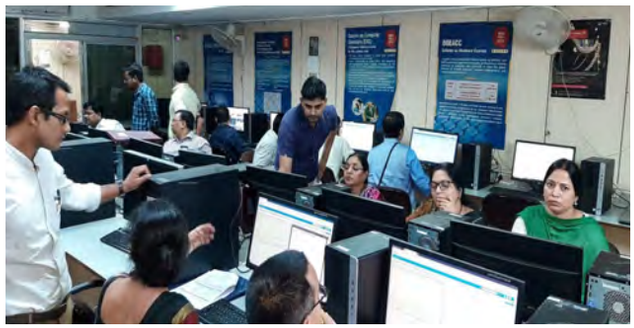

गुवाहाटी

कार्मिक:

नियमित: 23
परियोजना आधारित/संविदात्मक : 59

कारोबार
597.78 लाख रुपये

निदेशक प्रभारी
डॉ. वाई. जयंता सिंह

पता
द्वितीय तल, वित्तीय भवन, एएफसी बिल्डिंग, मो. शाह रोड, पल्टन बाजार, गुवाहाटी–781008

सम्पर्क के ब्यौरे:

दूरभाष: 0361–2731940
फैक्स: 0361–2730269
ई–मेल: dir-guwahati@nielit.gov.in

वेबसाइट: http://nielit.gov.in/guwahati

क्षेत्राधिकार राज्य
असम
विस्तार केंद्र
नाइलिट गुवाहाटी सिटी केंद्र
नाइलिट डिब्रुगढ़ विस्तार केंद्र
नाइलिट जोरहाट विस्तार केंद्र
नाइलिट कोकराझार विस्तार केंद्र
नाइलिट सिल्चर विस्तार केंद्र
नाइलिट तेजपुर विस्तार केंद्र
माजुली अध्ययन केंद्र

केंद्र का इतिहास:

नाइलिट केंद्र गुवाहाटी को 1998 में सीईडीटीआई तेजपुर के रूप में स्थापित किया गया था। वर्ष 2002 में केंद्र का डीओईएसीसी संस्था के साथ विलय हुआ था और इसकी गुवाहाटी में शुरुआत होने के साथ–साथ डीओईएससीसी केंद्र गुवाहाटी/तेजपुर नाम दिया गया था। अक्टूबर 2011 में केंद्र का नाम बदलकर नाइलिट गुवाहाटी कर दिया गया। योग्य प्रशिक्षित कार्यबल और सबसे अद्यतन बुनियादी ढ़ांचे के साथ, नाइलिट गुवाहाटी असम राज्य में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के अधिदेश को सबसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" नामक एक परियोजना के अंतर्गत 06 विस्तार केंद्रों को शुरू किया गया है। वर्ष 2018 में, नई प्रशिक्षण सुविधा माजुली अध्ययन केंद्र की स्थापना दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप माजुली, असम में की गई थी।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- ☞ औपचारिक पाठ्यक्रम (2020), बीसीए, एमएससी (सीएस)
- ☞ नियमित आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण – कार्यक्रम स्वचालन, प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटाबेस मल्टीमीडिया एनिमेशन प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकाय एवं एस/डब्ल्यू परीक्षण, एंड्रायड्स
- ☞ ई–गवर्नेंस और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण – ईआरपी, ई–अपशिष्ट प्रबंधन, ऑटोकैड
- ☞ हाल के आईटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण–डेटा एनालिटिक्स, डेटा वेयरहाउसिंग, डेटा माइनिंग एवं क्लाउड कंप्यूटिंग, एआई बायोइनफॉर्मेटिक्स
- ☞ स्टेम आधारित पाठ्यक्रम के लिए स्टार्टअप्स /उद्यमिता/आजीविका संवर्धन
- ☞ बच्चों के लिए एआई/रोबाटिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखांकन और प्राकशन में उन्नत डिप्लोमा • डाटा प्रविष्ट और कार्यालय स्वचालन • एडवांस जावा • सी, सी++, पॉयथन और प्रोग्रामिंग • वेब डिजाइनिंग • पीसी असेंबली तथा रखरखाव • डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग/मैटलेब • ऑटोकैड • एंड्रॉयड एप्लीकेशन डेवलपर ☞ आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स एवं संचार अंग्रेजी ☞ सौर ऊर्जा संस्थापन, संचालन तथा रखरखाव • नेटवर्क विशेषज्ञ • नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन • लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल एवं पीएचपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • इमेजिंग उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव (एक्स–रे एवं अल्ट्रासाउंड मशीन) • सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी • इलेक्ट्रीकल हाउस वायरिंग, इन्वर्टर बनाना और स्थापना

युवाओं और बच्चों के लिए विशेष पाठ्यक्रम:

• स्टार्टअप प्रोत्साहन और उद्यमिता विकास पर 300 घण्टे का पाठ्यक्रम (स्टेम आधारित) • बच्चों के लिए राबोटिक्स

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम (सभी एनएसक्यूएफ संरेखित)

• आईटी 'ओ' स्तर • आईटी 'ए' स्तर • बीआईओ– 'ओ' स्तर • बीआईओ– 'ए' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ए' स्तर

औचारिक पाठ्यक्रम (संबद्धता : असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, असम सरकार)

• बीसीए (06 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)
• एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान) (04 सेमेस्टर पाठ्यक्रम)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान (आरएफआरआई), जोरहाट के लिए वानिकी हस्तक्षेप के माध्यम से ब्रह्मपुत्र नदी के कायाकल्प की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर एक वेबसाइट डिजाइन और विकसित की गई है। यह कार्य नाइलिट गुवाहाटी के जोरहाट ईसी द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।
- जनवरी 2020 में, एईसी के मल्टी स्किलिंग और थिरता केन्द्र के सहयोग से विभिन्न नौकरी उन्मुख पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए असम इंजिनियरिंग कॉलेज और नाइलिट गुवाहाटी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए थे। इस समझौता ज्ञापन के तहत 103 छात्रों को वित्त वर्ष 2019–2020 के दौरान एनएसक्यूएफ से जुड़े पाठ्यक्रमों जैसे वेब डिजाइनिंग, एडीसीएसी, सीसीसी और एलएएमपी में प्रशिक्षित किया गया था।
- फरवरी 2020 में, नाइलिट गुवाहाटी के तेजपुर ईसी और दारंग कॉलेज तेजपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गए हैं। इस समझौता ज्ञापन के तहत, दरांग कॉलेज अपने अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को नाइलिट एसीसी पाठ्यक्रम में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में प्रशिक्षित करेगा। अपेक्षित प्रवेश लगभग 700 प्रतिवर्ष है। फरवरी–मार्च 2020 के दौरान, तेजपुर ईसी इस समझौते के तहत पहले ही 487 छात्रों को प्रशिक्षित कर चुका है।
- डेयरी विकास कर्मचारियों, सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों के लिए बेसिक टू एडवांस आईटी पर कार्पोरेट ट्रेनिंग का आयोजन किया गया।
- विभिन्न कॉलेजों के 245 फैकेल्टी सदस्यों के लिए साइ लैब, मूडल, जैव सूचना विज्ञान और कार्यालय स्वचालन में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया।
- बीसीए और एमएससीए (सीएस) पाठ्यक्रमों की मान्यता के लिए मार्च 2020 में आवेदन किया गया था और बाद में इसे असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एएसटीयू), असम सरकार द्वारा प्रदान किया गया।
- नाइलिट अहर्ता प्राप्त करने वालों के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा के साथ प्रथम रोजगार मेला का आयोजन किया गया।
- आयोजित परीक्षा, डिजिटल पहल एवं सामाजिक जिम्मेदारी ।
  - (क) 1962 लाभार्थियों : के लिए 'सीसीसी' व बीसीसी प्रशिक्षण परीक्षा का संचालन।
  - (ख) 2,67,302 लाभार्थियोंः के लिए पीएमजी दिशा परीक्षा का आयोजन।
  - (ग) 1310 लाभार्थियों (छात्रों, व्यापारियों और किसानों) के लिए सूचना सुरक्षा, भीम/यूपीआई/डिजिटल/भुगतान प्रणालियों के उपयोग और विभिन्न जी2सी सेवाओं पर जागरूकता शिविर।

हरिद्वार

कार्मिक

नियमित: 03

परियोजना आधारित/संविदात्मक: 12

कारोबार

212.90 लाख रु.

निदेशक

श्री. अनुराग कुमार

पता

नाइलिट हरिद्वार, राजकीय पॉलिटैक्निक भवन प्लॉट संख्या. 6सी, सेक्टर–11 सिडकुल हरिद्वार– 249403

सम्पर्क के ब्यौरे:

फोन: 01334 – 235617/235054

क्षेत्राधिकार राज्य

उत्तराखंड

विस्तार केन्द्र, यदि कोई:

शून्य

केंद्र का इतिहास:

माननीय मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, भारत सरकार द्वारा की गई घोषणा के बाद, उत्तराखंड सरकार द्वारा सरकारी पॉलीटेक्निक भवन, हरिद्वार में उपलब्ध कराए गए अस्थायी निर्मित स्थान पर नाइलिट हरिद्वार केंद्र की स्थापना की गई है। माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड सरकार द्वारा निर्मित–स्थान हेतु कब्जा–पत्र सौंपा गया था। यह केंद्र हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में औद्योगिक हब के मध्य स्थित है। नवंबर, 2017 में संशोधित प्रस्ताव के अनुमोदन के बाद केंद्र ने नाइलिट गोरखपुर केंद्र की सदस्यता के अंतर्गत गतिविधियाँ प्रारंभ की हैं और नाइलिट द्वारा अपने स्वयं के स्रोतों से इसकी स्थापना हुई है। केंद्र ने 'ओ' तथा 'ए' स्तर जैसे दीर्घकालिक अनौचारिक पाठ्यक्रमों तथा डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रमों सहित विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

☞ मशीन शिक्षण ☞ एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन ☞ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) ☞ वेब अनुप्रयोग विकास ☞ मैटलैब ☞ अनावृत स्रोत तकनीकी ☞ वेरिलॉग का उपयोग कर वीएलएसआई डिजाइन
☞ सूचना सुरक्षा

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्पावधि पाठ्यक्रम

• कम्प्यूटर अवधारणा पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीसी) • आईओटी पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • मैटलैब प्रोग्रामिंग पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • जे2ईई का उपयोग कर वैब अनुप्रयोग विकास पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सी में प्रोग्रामिंग पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • टैली का उपयोग कर वित्तीय लेखांकन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • उन्नत एक्सल में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कोरलड्रॉ में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • डीटीपी में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • ऑटोकैड में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पाइथन में प्रोग्रामिंग प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • एम्बेडेड प्रणाली डिजाइन आधारित आर्डूइनों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • ग्रीष्मकालीन/औद्योगिक प्रशिक्षण

दीर्घावधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर – आईटी
- नाइलिट ए 'स्तर' – आईटी
- नाइलिट सीएचएम 'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- राज्य के विभिन्न संस्थानों जैसे इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, गुरुकुल कांगड़ी, महिला महाविद्यालय पीजी कॉलेज, हरिद्वार; चिन्मय डिग्री कॉलेज, हरिद्वार; एसएमजेएन पीजी कॉलेज, हरिद्वार; गर्ल्स इंटर कॉलेज, ज्वालापुर, हरिद्वार; तिब्बती आईटीआई, देहरादून आदि जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए राज्य के कर्मचारियों एवं छात्रों के लिए डिजिटल भुगतान जागरूकता और सूचना सुरक्षा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।
- वर्ष 2019–20 में, 28000 से अधिक अभ्यर्थियों के लिए डिजिटल साक्षरता प्रमाणन परीक्षा आयोजित की गई।
- टीएचडीसी–हाइड्रोपावर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचईटी), टिहरी के छात्रों ने नाइलिट केंद्र, हरिद्वार की औद्योगिक विजिट की। नाइलिट हरिद्वार की टीम ने छात्रों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की प्रस्तुति दी और हमारे जीवन में आईओटी के अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया।
- इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (आईटीएम), देहरादून के बीसीए और बीएससी (आईटी) छात्रों तथा शासकीय पॉलिटेक्निक, हरिद्वार के डिप्लोमा छात्रों के लिए ई–वेस्ट मैनेजमेंट पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, आईटीडीए देहरादून में उत्तराखंड राज्य सरकार के अधिकारियों के लिए भी एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई है।
- नाइलिट केंद्र, हरिद्वार ने 13 जनवरी, से 23 जनवरी, 2020 तक टीएचडीसी–आईएचईटी के 57 इंजीनियरिंग छात्रों के लिए "वेब एप्लिकेशन डेवलपमेंट इन जावा एंटरप्राइज एडिशन" पर दो सप्ताह (पूर्णकालिक) का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- नाइलिट केंद्र, हरिद्वार ने टीएचडीसी–आईएचईटी से इंजीनियरिंग के 20 छात्रों के लिए "पाइथन के साथ इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में सीओईआर, रुड़की के छात्र भी सम्मिलित हुए।
- नाइलिट केंद्र, हरिद्वार द्वारा कंप्यूटर विज्ञान विभाग, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में दिनांक 31 अगस्त, 2019 को "इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) और इसके अनुप्रयोगों" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। श्री संयम राठौर, संयुक्त निदेशक ने व्याख्यान दिया तथा श्री विनय कांत, जूनियर संकाय ने नाइलिट छात्रों द्वारा विकसित विभिन्न अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के 70 से भी अधिक एमसीए छात्रों ने प्रतिभाग लिया।
- नाइलिट केंद्र, हरिद्वार ने 18 जुलाई से 20 जुलाई, 2019 तक देहरादून, उत्तराखंड में "डेस्टिनेशन उत्तराखंड 2019" प्रदर्शनी में भाग लिया। केंद्र को आयोजकों द्वारा स्मृति–चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इम्फाल

कार्यकारी समिति की बैठक: 7 नवंबर, 2019

कार्मिक

नियमित: 41

परियोजना आधारित: 47

कारोबार

872.41 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक

श्री टी. परमेश्वर सिंह

पता

नाइलिट इम्फाल, आकम्पट, डाकघर
बॉक्स सं.–104, इम्फाल – 795001
मणिपुर

सम्पर्क के ब्यौरे:

फोन: 09436142955
ई–मेल: dir-imphal@nielit.gov.in
वेबसाइट : http://nielit.gov.in/imphal

क्षेत्राधिकार राज्य :

मणिपुर

विस्तार केन्द्र:

नाइलिट चुड़ाचाँदपुर
नाइलिट सेनापति

केंद्र का इतिहास:

वर्ष 1988 में स्थापित, नाइलिट इम्फाल आकम्पट, इम्फाल में स्थित है और 24 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसमें प्रशासनिक स्कन्ध, व्याख्यान कक्ष, फैकल्टी कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, मैकेनिकल कार्यशाला, इलेक्ट्रो–मेडिकल प्रयोगशाला, पीसीबी प्रयोगशाला, सर्विसिंग सेल और अन्य प्रयोगशालाओं से युक्त मुख्य संस्थान भवन भी है। पूर्व क्षेत्र में नाइलिट केंद्र के उन्नयन के अंतर्गत निर्मित नई शैक्षणिक बिल्डिंग जिसमें गृह पुस्तकालय, कक्षा–कक्ष, साइबर सुरक्षा एवं साइबर फॉरेंसिक प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला, एंबेडेड प्रणाली तथा आईओटी, नैनो टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला, एआई व एमएल प्रयोगशाला सम्मिलित है। "पूर्वोत्तर में नाइलिट केन्द्र का ग्रेड उन्नयन" परियोजना के अन्तर्गत वर्ष 2013 में चुड़चाँदपुर तथा सेनापति जिले में दो विस्तार केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

☞ आईटी सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक ☞ इलेक्ट्रॉनिकी मरम्मत और रखरखाव (ईएसडीएम) ☞ मल्टिमीडिया और एनीमेशन ☞ एलइडी लाइट मरम्मत (पीएमकेवीवाई) ☞ सूर्यमित्र (पीएमकेवीवाई) ☞ डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विस तकनीशियन (पीएमकेवीवाई) ☞ सोलर एलईडी उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) ☞ इलेक्ट्रॉनिक होम उपकरणों का इन्स्टालेशन, मरम्मत और रखरखाव (ईएसडीएम) ☞ मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत (पीएमकेवीवाई) ☞ मेडिकल इलेक्ट्रानिक उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव (ईएसडीएम)

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

सीसीसी– कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम, सौर पीवी इंस्टालर (सूर्यमित्र); बीएफएसआई वस्तु और सेवा कर जीएसटी) लेखा सहायक; डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सेवा तकनीशियन; एलईडी लाइट मरम्मत तकनीशियन; सीसीटीवी संस्थापन तकनीशियन; डीटीएच सेट टॉप बॉक्स; क्षेत्र तकनीशियन– एयर–कंडीशनिंग/यूपीएस और इन्वर्टर/अन्य घरेलू उपकरण/मोबाइल फोन हार्डवेयर; सौर पीवी सिस्टम इंस्टॉलेशन तकनीशियन; कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा; बिग डेटा एनालिटिक्स में उन्नत डिप्लोमा; पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली व रखरखाव; ईसीजी और आईसीसीयू उपकरण की मरम्मत और रखरखाव; सौर ऊर्जा संस्थापन, संचालन और रखरखाव; घरेलू उपकरणों की स्थापना मरम्मत और रखरखाव; 8–बिट माइक्रोकंट्रोलर्स का उपयोग करके एंबेडेड सिस्टम डिजाइन; वेब डिजाइनिंग/डाटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन/लिनक्स, अपाचे, एमवाई एसक्यूएल तथा पीएचपी/सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम लिनक्स/साइबर फॉरेंसिक/इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) एप्लीकेशन/आईडूइनों आधारित एंबेडेड सिस्टम डिजाइन/वीएलएसआई डिजाइन/डीएसपी का उपयोग करके मैटलैब/बिग डेटा एनालिटिक्स आदि।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• मास्टर ऑफ कम्प्यूटर • एप्लिकेशन (एमसीए) • सूचना में मास्टर ऑफ साइंस प्रौद्योगिकी (एमएससी; आईटी) पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) • बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में डिप्लोमा(डीसीएसई) • इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई) • आईटी 'ओ' स्तर • सीएचएम 'ओ' स्तर • मैट–'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- शैक्षणिक वर्ष 2019–20 के दौरान, नाइलिट केंद्र, इम्फाल और इसके दो विस्तार केंद्रों ने कुल 6738 विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किए जाने के लक्ष्य के सापेक्ष 8719 (महिला –3886) छात्रों को प्रशिक्षित किया।
- सूर्यमित्रः कुल 329 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया और 329 अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए क्षमता निर्माण के तहत 04 अभ्यर्थियों को डीएएस सेट–टॉप बॉक्स इंस्टॉलर और सर्विस तकनीशियन, एलईडी लाइट रिपेयर टेक्नीशियन, सोलर पीवी इंस्टालर (सूर्यामित्र) और सीसीटीवी इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन जैसी विभिन्न भूमिकाओं में प्लेसमेंट हुआ है। यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित निशुल्क आवासीय प्लेसमेंट पर आधारित कौशल विकास कार्यक्रम है जो भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र (एनईआर) के बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- पीएमकेवीवाईः कुल 398 अभ्यर्थी प्रशिक्षित हुए तथा 398 अभ्यर्थियों ने मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण की। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत मणिपुर सोसाइटी फॉर स्किल डेवलपमेंट, मणिपुर सरकार द्वारा प्रायोजित मोबाइल फोन हार्डवेयर मरम्मत तकनीशियन, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन, फील्ड टेक्नीशियन (यूपीएस और इन्वर्टर), मोबाइल फोन हार्डवेयर रिपेयर टेक्नीशियन और सोलर पैनल इंस्टॉलेशन तकनीशियन, के अंतर्गत 3 अभ्यर्थियों का प्लेसमेंट हुआ।
- वर्ष 2019–20 के दौरान, 101 छात्रों को राज्य सरकार, केंद्रीय सरकार तथा निजी संगठनों में रोजगार प्राप्त हुआ।
- मॉडल कैरियर सेंटर (एमसीसी) नाइलिट इम्फाल द्वारा दिनांक 08–08–2019 और दिनांक 10–08–2019 को बैंक ऑफ इंडिया के प्रायोजन से राष्ट्रीय कैरियर सेवा, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के साथ मिलकर दो दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन किया जिसमें, कुल 29 नियोक्ता कंपनियों ने भाग लिया था। कुल 309 अभ्यार्थी ने पंजीकृत हुए तथा 286 को संबंधित नियोक्ता कार्यालय में चयन की अंतिम सूची में सम्मिलित किया गया। दो दिन इवैंट के दौरान दो अभ्यर्थियों को नियुक्ति का प्रस्ताव दिया गया।
- फोरेंसिक सेवाएं प्रदान करने के लिए स्टेट ऑफ आर्ट डिजिटल फोरेंसिक डेटा सेंटर की स्थापना करना, जिसमें नाइलिट कोहिमा, इम्फाल व एजवाल द्वारा संयुक्त कार्यान्वयन से उत्तर पूर्व राज्यों को फोरेंसिक सेवाओं के साथ रिमोर्ट फोरेंसिक लाइव अधिग्रहण तथा डिजिटल साक्ष्य का विश्लेषण, वर्चुअल ट्रेनिंग सेवाएँ प्रदान करना है।
- नाइलिट केंद्र, इम्फाल में नई शैक्षणिक भवन की शुरुआत हुई तथा उत्तर पूर्व में नाइलिट केंद्र के उन्नयन के अंतर्गत नाइलिट चुराचंदपुर प्रसार केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण हुआ।
- केंद्र ने नाइलिट की संचित बचत से पूंजी निर्माण के अंतर्गत नई लैब जिसमें एंबेडेड प्रणाली तथा आईओटी प्रयोगशाला, साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला; नैनो टेक्नोलॉजी प्रयोगशाला; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग प्रयोगशाला सम्मिलित है को स्थापित किया है।

ईटानगर

कार्मिक :
नियमितः 06

कारोबार
167.17 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री टी.गुनेन्द्र सिंह

पता
नाइलिट ईटानगर केंद्र ई–सेक्टर, नाहरलगुन–791110 अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क के ब्यौरेः
फोनः 0360–2351854 / 2351855
ई–मेलः dir-itanagar@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/itanagar

क्षेत्राधिकार राज्य :
अरुणाचल प्रदेश

विस्तार केन्द्र, यदि कोईः
नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र
नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र

केंद्र का इतिहासः

वर्ष 2011 में स्थापित नाइलिट ईटानगर केन्द्र कम्प्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध विषयों पर कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान दे रहा है। यह संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है तथा डिजिटल साक्षरता की सुविधा प्रदान करता है। केन्द्र के दो विस्तार केन्द्र हैः नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र दिनांक 10 दिसंबर, 2015 से परिचालन में है तथा नाइलिट तेजू विस्तार केन्द्र जिसका शुभारंभ दिनांक 3 फरवरी, 2018 को किया गया था।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- ☞ डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- ☞ डीटीपी
- ☞ टैली
- ☞ इंटरनेट एवं वेब डिजाइन
- ☞ प्रोग्रामिंग लैंगवेज

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम :

अल्पावधि पाठ्यक्रम :

कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन में एडवांस डिप्लोमा (एडीसीएएपी)
वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठयक्रम

दीर्घावधि पाठ्यक्रम :

नाइलिट ओ स्तर (आईटी)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अरुणाचल प्रदेश सरकार ने यूडीसी की सीधी भर्ती के लिए सीसीसी कोर्स सर्टिफिकेट और बीसीसी कोर्स सर्टिफिकेट को एलडीसी नौकरियों के लिए शर्त के रूप में मान्यता दी है।
- नाइलिट ईटानगर और इसके दो विस्तार केंद्रों ने 1036 उम्मीदवारों को विभिन्न दीर्घकालीन और अल्पकालीन पाठ्यक्रमों के तहत प्रशिक्षित किया ।
- 312 अभ्यर्थी नाइलिट इटानगर में सीसीसी कोर्स में प्रशिक्षित।
- नाइलिट ईटानगर में एडवांस डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन अकाउंटिंग एंड पब्लिशिंग में 120 उम्मीदवार, वेब डिजाइनिंग में 33 उम्मीदवार और ओ लेवल में 36 उम्मीदवार प्रशिक्षित हुए।
- सीसीसी उम्मीदवारों के लिए सफलतापूर्वक ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।
- केंद्र ने वित्तीय वर्ष 19–20 में हिंदी दिवस, संविधान दिवस, एकता दिवस मनाया है और इस उत्सव की दिशा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

कोहिमा

कार्मिक

नियमित: 19

परियोजना आधारित/संविदात्मक: 52

कारोबार

878.26 लाख रु.

प्रभारी निदेशक

श्री एल. लानुवाबांग

पता

मेरिएमा, न्यू हाई कोर्ट रोड, कोहिमा – 797001
नागालैण्ड

सम्पर्क के ब्यौरे:

फोन: 09436215243

ई–मेल: dir-kohima@nielit.gov.in

वेबसाइट: http://nielit.gov.in/kohima

क्षेत्राधिकार राज्य:

नागालैण्ड

विस्तार केन्द्र :

नाइलिट चुचुईम्लांग

केंद्र का इतिहास:

वर्ष 2004 में स्थापित नाइलिट कोहिमा तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा वर्ष 2003 में प्रथम यात्रा के दौरान नागालैण्ड की जनता के लिए सांकेतिक भाव प्रदर्शन के रूप में की गई घोषणा का परिणामस्वरूप है। यह केंद्र प्राकृतिक सौन्दर्य से घिरे हुए होने के साथ–साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस निर्मित भवन से संचालित है, तथा क्षमता–निर्माण एवं कौशल विकास के लिए अत्याधुनिक आधारिक संरचना है तथा नागालैंड सरकार द्वारा नाइलिट कोहिमा को आईटी व भागीदारी में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में भी पहचान दी गई है। केंद्र ने उत्तर पूर्व राज्यों में विधि प्रवर्तन एजेंसियों के लिए फोरेंसिक विश्लेषण सेवाएँ व क्षमता निर्माण प्रशिक्षण को प्रदान करने हेतु अत्याधुनिक साइबर फोरेंसिक सुविधाओं को स्थापित किया है।

वर्ष 2006 में, जिला मोकोकचंग में चुचुइमलांग में ग्रामीण विस्तार केंद्र स्थापित किया गया था।

उत्कृष्टता के क्षेत्र

- साइबर फोरेन्सिक
- साइबर सुरक्षा
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

• कंप्यूटर अनुप्रयोग एवं नेटवर्किंग में डिप्लोमा (डीसीएएन) • साइबर फोरेंसिक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा • प्रमाणित एंड्रायड ऐप्स डेवलपर • उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का संस्थापन एवं रखरखाव में डिप्लोमा • ईसीजी और आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • बिजली की आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस की मरम्मत और रखरखाव पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली तथा रखरखाव • प्रमाणित ग्राफिक्स डिजाइनर • प्रमाणित ऑडियो विजुअल डिजाइनर • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणित पाठ्यक्रम • पीसी असेंबली और रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • आधारभूत कंप्यूटर पाठ्यक्रम (बीसीसी)

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

• बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लिकेशन (बीसीए) • कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग/सूचना प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा • 'ओ' स्तर (कंप्यूटर एप्लीकेशन में फाउंडेशन पाठ्यक्रम) • 'ए' स्तर (कंप्यूटर अनुप्रयोग में एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम) • सीएचएम 'ओ' लेवल (कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव में डिप्लोमा • मैट–'ओ' स्तर (मल्टीमीडिया और एनीमेशन प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- वर्ष 2019–20 में, कुल 6,161 अभ्यर्थियों को दीर्घ व अल्प अवधि पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- वर्ष 2019–20 में, 25 साइबर अपराध मामलों को हल किया गया है।
- नागालैंड सरकार द्वारा प्रायोजित बिजली आपूर्ति, इन्वर्टर, यूपीएस और सॉफ्ट कौशल के क्षेत्र की मरम्मत और रखरखाव में पूर्वी नागालैंड से 30 वंचित युवाओं के लिए आजीविका वृद्धि पर एक माह (जून 2019) का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।
- वकीलों, अभियोजकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए "भारत में साइबर अपराध, साइबर कानून और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य" पर जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 24 मई, 2019 को नागालैंड राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण, एलायंस लॉ ऑफिस, दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- श्री बोंग्चाओ कोन्याक, माननीय सलाहकार, डूड़ा, नागालैंड सरकार ने नाइलिट केंद्र, कोहिमा द्वारा विकसित ई–नोटिस ऐप का शुभारंभ किया।
- दिनांक 21 से 23 अगस्त, 2019 तक आयोजित नागा टेक फेस्ट के दौरान, नाइलिट कोहिमा के छात्रों ने वाद–विवाद प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार और वेब डिजाइनिंग प्रतियोगिताओं में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। तकनीकी शिक्षा विभाग, नागालैंड सरकार द्वारा तीन दिवसीय टेक फेस्ट का आयोजन किया गया था।
- नाइलिट केंद्र, कोहिमा ने अपनी गतिविधियों तथा उभरते ट्रेंड जैसे आईओटी, सूचना सुरक्षा और मशीन लर्निंग विषय पर प्रदर्शन करने हेतु स्टाल लगाकर विज्ञान उत्सव, 2019 में भाग लिया। यह छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय के लिए आयोजित दो दिवसीय (25–26 अक्टूबर, 2019) विज्ञान मेला सह प्रदर्शनी थी।
- नाइलिट केंद्र, कोहिमा ने मत्स्य और जलीय संसाधन विभाग, नागालैंड सरकार के कर्मचारियों के लिए 25 अक्टूबर 2019 को "ईमेल, सामाजिक नेटवर्क, डिजिटल भुगतान और सूचना सुरक्षा" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कोलकाता

कार्मिक
नियमित: 30
परियोजना आधारित: 45

कारोबार : 906.62 लाख रु.

प्रभारी निदेशक
श्री वी कृष्णमूर्ति

पता
नाइलिट कोलकाता, ईकाई–1, जादवपुर,
विश्वविद्यालय परिसर, कोलकाता–700032
ईकाई 2: ब्लॉक – बीएफ 267, सेक्टर–1,
साल्ट लेक,
कोलकाता–700064

सम्पर्क के ब्यौरे
इकाई–1: फोन:
033–24146081 / 6054 / 24146261 (निदेशक)
इकाई–2: फोन: 033–46022246 / 0938
ई–मेल : dir-kolkata@nielit.gov.in
वेबसाइट: www-nielit-gov-in/kolkata

क्षेत्राधिकार राज्य :
पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड व ओड़ीशा

विस्तार केन्द्र :
साल्ट लेक पर नया केंद्र ,
बीएफ– 267, साल्ट लेक सिटी
कोलकाता– 700064

केंद्र का इतिहास:
क्षेत्रीय कम्प्यूटर केन्द्र (आरसीसी), कोलकाता के रूप में 1976 में स्थापित, नाइलिट् कोलकाता लगभग 40 वर्षों से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने वाले पूर्वी क्षेत्र में सबसे पुराने आईटी हॉउस में से एक है तथा पूर्वी भारत में आईटी/आईटीईएस में आईटी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर हरे–भरे वातावरण में स्थित है, और शहर के हर कोने से बस और ट्रेन सेवाओं से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। केन्द्र में 11 व्याख्यान–कक्ष, एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल कैरियर केंद्र, सम्मलेन कक्ष जिसमें केंद्रीय यूपीएस और 24X7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी के साथ 8 प्रयोगशालाएं सम्मिलित हैं। केंद्र की नई बी+जी+3 मंजिला भवन साल्ट लेक पर लगभग 20,000 वर्गफुट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

उत्कृष्टता के क्षेत्र
☞ सॉफ्टवेयर (एस/डब्ल्यू) विकास और एस/डब्ल्यू परीक्षण ☞ नियमित आईटी पाठ्यक्रमों ओर उभरती प्रौद्योगिकीयों पर प्रशिक्षण ☞ ई–शासन और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण ☞ फ्यूचरस्किल प्राइम – कार्यक्रम के तहत ब्लॉकचेन और बिग डेटा एनालिटिक्स और आभासी / संवर्धित वास्तविकता के लिए सह–लीड सेंटर के लिए लीड संसाधन केंद्र ☞ राष्ट्रीय नवीन ऊर्जा संस्थान के माध्यम से भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम पर प्रशिक्षण।

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि:
टैली के प्रयोग से वित्त लेखा • ऑफिस ऑटोमेशन • जावा • सी प्रोग्रामिंग • ओरेकल और पीएल/एसक्यूएल, डीबीए • वेब डिजाइनिंग • लैंप (लिनक्स, अपाचे, एमवाईएसक्यूएल, पीएचपी) • पीसी एसेम्बली और रखरखाव • मैट्लैब के प्रयोग से डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग • ऑटोकैड • सी++ • प्रोग्रामिंग • इमेज एडिटिंग और 2डी एनिमेशन • नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेशन • लिनक्स का उपयोग कर प्रणाली प्रशासन विद्युत और सुरक्षा प्रेक्टिस • 3डी डिजाइन का परिचय • एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर • इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम की स्थापना और रखरखाव • सौर टेक्नोलॉजी

टायर 2/3 शहरों के अभ्यर्थियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम:
• एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट • पायथन का उपयोग कर आईओटी • ऑफिस ऑटोमेशन और प्रैक्टिस • पीसी की एसेंबली तथा रखरखाव 5 • डेस्क टॉप पब्लिशिंग • सॉफ्ट स्किल • मल्टीमीडिया • वित्तीय लेखांकन • सौर तकनीक

डिप्लोमा पाठ्यक्रम:
• इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा • कंप्यूटर एप्लीकेशन और एन/डब्ल्यू प्रशासन में डिप्लोमा

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम:
• आईटी–'ओ' स्तर • आईटी–'ए' स्तर • आईटी–'बी' स्तर • सीएचएम–'ओ' स्तर • मैट 'ओ' स्तर

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- टीयर II/III शहरों में डीजीआर और डीजीई के लिए संचालित पाठ्यक्रमों / क्षमता निर्माण, सूर्यमित्र कौशल विकास, सीएचएम–ओ स्तर और आईटी–ओ स्तर के माध्यम से, गैर–औपचारिक क्षेत्र में वर्षभर में कुल 3530 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया।
- कर्मचारी विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन।
  - i) 27–29 नवंबर, 2019 के दौरान ''वीएलएसआई और कंप्यूटर एडेड डिजाइन वीएलएसआई का परिचय'' विषय पर 3–दिवसीय कर्मचारी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।
  - ii) 11–14 फरवरी, 2020 के दौरान ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी पर 4 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम जिसमें देश भर के विभिन्न नाइलिट केंद्रों के वैज्ञानिक तथा तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।
- आमंत्रित वार्ता / संगोष्ठी का आयोजन।
  - i) साइबर सिक्योरिटी पर एक आमंत्रित वार्ता दिनांक 18.10.2019 को आयोजित की गई थी। इस वार्ता कार्यक्रम में कुल 38 व्यक्तियों ने भाग लिया।
  - ii) दिनांक 24.04.2019 को 1–दिवसीय "गुणात्मक अनुसंधान विषय पर संगोष्ठी" आयोजित की गई थी। संगोष्ठी में दर्शकों के रूप में 50 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।
- परीक्षा का आयोजन।

  डीएलसी पाठ्यक्रमों में कुल 3279 अभ्यर्थी उपस्थित हुए – i) 'सीसीसी 'परीक्षाः 2413; ii)) बीसीसी 'परीक्षाः 751; iii)) सीसीसी+ 'परीक्षाः 80; iv)) ईसीसी 'परीक्षाः 35

  एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों के लिए, 354 नामांकित अभ्यर्थियों में से 188 अभ्यर्थी परीक्षा के लिए उपस्थित हुए।
- ई–अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाः
  - i) पश्चिम बंगाल राज्य में ई–वेस्ट मटीरियल फ्लो और वैल्यू चेन पर ऑडिट का आयोजन पश्चिम बंगाल सरकार की सहायता से किया गया है।
  - ii) ई–अपशिष्ट (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 2016 की अनुपालन आवश्यकताओं पर हितधारकों की क्षमता निर्माण और पश्चिम बंगाल में विभिन्न विभागों/सम्बद्ध विभागों/सरकारी/गैर–सरकारी हितधारकों हेतु पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा वित्तपोषित खतरनाक पदार्थों (आरओएचएस) के प्रतिबंध की दिशा में ई–अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर जागरूकता प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पहले ही 500 में से 399 का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है व कोविड–19 के कारणवश 101 शेष हैं।
  - iii) पश्चिम बंगाल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग विकास निगम लिमिटेड– डब्ल्यूआईएल डिवीजन द्वारा वित्त पोषित राष्ट्रीय हरित अधिकरण कार्यक्रम के तहत पश्चिम बंगाल के ई–अपशिष्ट विषय पर सरकारी अधिकारियों के संवेदीकरण हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया।
- जॉब प्लेसमेंट
  - सूर्यमित्र कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 60 छात्रों को सौर पीवी प्रणालियों की स्थापना, संचालन और रखरखाव पर प्रशिक्षित किया गया। छात्रों को इंटर्नशिप के माध्यम से सीधे प्रवेश, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की पेशकश की गई, जिसमें अंत में 45 छात्रों को इंटर्नशिप के माध्यम से चयन के लिए और 7 छात्रों को सीधे प्लेसमेंट के लिए चुना गया।
  - टीसीएस–कोलकाता द्वारा पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों के 99 अभ्यर्थियों को रोजगार अभिमुखी प्रशिक्षण और प्लेसमेंट की पेशकश की गई और 28 को टीसीएस द्वारा रोजगार की पेशकश की गई।

कुरूक्षेत्र

कार्मिक

नियमित: 4

परियोजना आधारित: 03

कारोबार

69.82 लाख रु.

निदेशक

श्री तेजिंदर सिंह बाबा

पता

नाइलिट कुरूक्षेत्र, शासकीय पॉलिटेक्निक परिसर, उमरी,

कुरुक्षेत्र–136131

सम्पर्क के ब्यौरे

मोबाइल: 01744–278035,+919464088018

ई–मेल: dir-kurukshetra@nielit.gov.in

वैबसाइट: http://nielit.gov.in/ kurukshetra

क्षेत्राधिकार राज्य:

हरियाणा

(दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का छोड़कर)

केंद्र का इतिहास:

नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र की शुरुआत 5 जनवरी, 2017 को हुई थी तथा नाइलिट अजमेर और इसकी संस्थापना से बुनियादी सुविधाओं को स्थानांतरित करने के बाद दिनांक 1 जून, 2017 से प्रशिक्षण गतिविधियां प्रारंभ हुईं थी। केंद्र ने सेमेस्टर अंतराल के दौरान आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में बी.टेक, बी.एस.सी. व पॉलिटेक्निक इंजीनियरिंग विद्यार्थियों के लिए मांग उन्मुखी अल्प अवधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से पेशेवर और व्यावहारिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में उत्कृष्ट स्थान हासिल किया है। आईओटी, पायथन प्रोग्रामिंग, रास्पबेरी पाई और उन्नत वेब डिजाइनिंग, एंड्रॉइड एप्लिकेशन विकास तथा और मशीन लर्निंग जैसे पाठ्यक्रमों की भारी मांग है।

नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एससी/एसटी क्षमता निर्माण परियोजना का कार्यान्वयन किया है तथा डीजीई (रोजगार महानिदेशालय) के एससी/एसटी जॉबसिकर्स परियोजना का निष्पादन कर रहा है जिसके अंतर्गत केंद्र आईटी 'ओ' स्तर तथा सीएचएम 'ओ' स्तर के दीर्घ अवधि पाठ्यक्रमों के माध्यम से स्नातकों व परास्नातकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इन सभी पाठ्यक्रमों में प्राप्त प्रतिक्रिया उत्साहजनक है तथा पास–आउट्स को स्थानीय स्तर पर प्लेसमेंट हेतु सहायता प्रदान की जा रही है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

- आर्डूइनों और रास्पबेरी पाई का उपयोग कर आईओटी, पाइथन प्रोग्रामिंग, एडवांस रास्पबेरी पाई और एप्लिकेशन, नोड.जेएस का उपयोग करते हुए एडवांस वेब डिजाइनिंग व रिएक्ट.जेएस, एंडरोइड अनुप्रयोग विकास, गेट प्रिपेरेटरी पाठ्यक्रम, मशीन लर्निंग।

दीर्घ अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट 'ओ' स्तर
- सीएचएम–ओ स्तर
- कंप्यूटर अनुप्रयोगों में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सीसीए)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट केंद्र, कुरुक्षेत्र वर्तमान में 49 और 42 नामांकनों सहित 'ओ' स्तर आईटी पाठ्यक्रम के 2 बैच चल रहे हैं।
- केंद्र ने यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी), कुरुक्षेत्र के 57 छात्रों के लिए मशीन लर्निंग पर 4 सप्ताह का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया।
- यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) तथा डिपार्टमेन्ट ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन कुरुक्षेत्र यनिवर्सिटी–कुरुक्षेत्र के 24 विद्यार्थियों के लिए एंबेडेड सिस्टम और रास्पबेरी पाई एप्लीकेशन पर 4 सप्ताह का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया।
- केंद्र ने निम्नलिखित संस्थानों में 3 प्रायोजित कार्यशालाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया: –

क्रं.सं.	संस्थान का नाम	कार्यशाला शीर्षक	विद्यार्थियों की संख्या
1.	डिपार्टमेन्ट ऑफ इंस्ट्रुमेंटेशन कुरुक्षेत्र यनिवर्सिटी – कुरुक्षेत्र	आर्डूइनो और रास्पबेरी पाई एप्लीकेशन का उपयोग कर एंबेडेड सिस्टम	27
2.	यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) तथा कुरुक्षेत्र यनिवर्सिटी, कुरुक्षेत्र	उन्नत रास्पबेरी पाई अवधारणा व अनुप्रयोग	31
3.	दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी ऑफ साइन्स एंड टेक्नोलॉजी (डीसीआरयूएसटी), मुर्थल, सोनीपत	मशीन लर्निंग व पाइथन	18

पटना

कार्मिक :
नियमित: 8
परियोजना आधारित / संविदात्मक: 28

कारोबार :
962.68 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक:
श्री आलोक त्रिपाठी

पता :
नाइलिट पटना केंद्र आईआईटी के समीप, अमहारा, बिहटा, पटना (बिहार)– 801106

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 0612–2219134,
ई–मेल: dir-patna@nielit.gov.in
वेबसाइट: http://nielit.gov.in/patna

क्षेत्राधिकार राज्य:
बिहार

विस्तार केन्द्र:
नाइलिट विस्तार केंद्र मुजफ्फरपुर
नाइलिट विस्तार केंद्र बक्सर
आदर्श कम्प्यूटर केंद्र, अलावलपुर, फतुहा, पटना
आदर्श कम्प्यूटर केंद्र, लखनपुरा, बख्तियारपुर, पटना

केंद्र का इतिहास:

नाइलिट पटना केन्द्र की स्थापना एमईआईटीवाई, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन सं. 1(1)/2011–एचआरडी वाल्यूम (II) से दिनांक 26 अक्टूबर, 2012 को हुई। 26/2/2018 को माननीय इलेक्ट्रानिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति में बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार ने नाइलिट पटना केंद्र के स्थायी परिसर का उदघाटन किया। केंद्र आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में क्षमता निर्माण में सक्रिय रूप से लगा हुआ है और एमईआईटीवाई, अन्य केंद्रीय सरकार एजेंसियों और बिहार की राज्य सरकार की विभिन्न क्षमता निर्माण परियोजनाओं को भी क्रियान्वित कर रहा है। अब तक, लगभग 1.28 लाख प्रतिभागियों को पूरे बिहार में नाइलिट द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में नामांकित किया गया है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

साइबर सुरक्षा ☞ ब्लॉक चेन तकनीक ☞ इलेक्ट्रानिक्स डिजाइन एवं विनिर्माण ☞ कृत्रिम बुद्धि मत्ता ☞ डाटा विज्ञान

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

डाटा प्रविष्टि एवं कार्यालय स्वचालन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट.नेट (सीसीएसडी.नेट), सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट– जावा (सीसीएसडी– जावा), एडवांस कम्प्यूटर नेटवर्किंग (सीसीसीएन), पीएचपी के द्वारा वेब प्रोग्रामिंग (सीसीडब्ल्यूपी एवं पीएचपी), सी/सी++ (सीसीसीपी) से कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर एप्लिकेशन एवं फाइनेंशियल अकाउंटिंग (सीसीएफए), आईटीईएस/बीपीओ (आईटीईएस–बीपीओ), कम्प्यूटर नेटवर्क की स्थापना (सीईसीएन), बुनियादी सूचना सुरक्षा, एथिकल हैकिंग, सूचना सुरक्षा तथा साइबर कानून, साइबर सुरक्षा एवं एथिकल हैकिंग, साइबर लॉ प्राइमर, डिजिटल भुगतान तथा सुरक्षा, लिनक्स सिस्टम सुरक्षा तथा प्रशासन, डाटा संचार (राऊटिंग तथा स्विचिंग), फोटोकॉपियर और प्रिंटर का संस्थापन तथा रखरखाव, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीक, सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण), इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन, वेब डिजाइनिंग, प्रमाणित एंड्राइड एप्स डेवलपर, इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन पर इंटर्नशिप कोर्स, आईटी, आईओटी आदि में भविष्य के कौशल

दीर्घकालिक कार्यक्रम

- नाइलिट ए स्तर
- नाइलिट ओ स्तर
- हार्डवेयर, नेटवर्किंग तथा सुरक्षा में एडवांस डिप्लोमा (एडीएचएनएस)
- सीएचएम ओ स्तर
- नेटवर्क विशेषज्ञ

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- **कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित):** इस परियोजना में, समूह ग राज्य सरकार के कर्मचारियों को नाइलिट पटना द्वारा प्रशिक्षित और प्रमाणित किया जाता है। उनके वेतन में वृद्धि पाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है। वर्ष 2019–2020 में कुल 5912 कर्मचारी परीक्षा में शामिल हुए हैं।
- **सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय अनुसूचित जाति–जनजाति हब (एनएसएसएच) के तहत अनुसूचित जनजाति और अनुसूची जाति के उम्मीदवारों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम:** इस परियोजना में, इच्छुक/उद्यमी इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न पाठ्यक्रमों में कौशल विकास आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। प्रशिक्षण में अभ्यर्थियों के लिए भोजन, आवास या प्रशिक्षण शुल्क शामिल नहीं है। कुल 21 उम्मीदवारों को 2019–2020 के तहत प्रशिक्षित किया गया है।
- **"मुख्यमंत्री श्रम शक्ति योजना" (राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित) के तहत अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के लिए क्षमता निर्माण:** इस परियोजना में, 10+2 / बीटेक/ एमसीए अल्पसंख्यक छात्रों को एडीएचएनएस, एनएस, जेईई, सीसीएफए, डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन, आईटीईएस आदि जैसे अग्रिम आईसीटी पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण मिलता है। अल्पसंख्यक छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम निःशुल्क है।
- **ईएसडीएम परियोजना (एमइआईटीवाई द्वारा प्रायोजित):** इस परियोजना में बिहार राज्य के बेरोजगार युवाओं को इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग कोर्स के तहत प्रशिक्षित किया जाता है। 360 उम्मीदवारों को 2019–2020 में नामांकित किया गया है।
- **कौशल विकास परियोजना (उद्योग विभाग, बिहार द्वारा प्रायोजित):** इस परियोजना में, कुल 135 छात्रों को अब तक दो अलग–अलग पाठ्यक्रमों अर्थात् इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन तकनीशियन और सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण) में प्रशिक्षित किया गया है।
- **बिहार पुलिस के लिए प्रशिक्षण:** नाइलिट पटना ने बिहार पुलिस के साक्षर कांस्टेबलों के पहले बैच (वायरलेस) के लिए "कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम, बेसिक इलेक्ट्रानिकी एवं संचार तकनीकी" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

बिहार

राँची

An Agreement was signed between NIELIT Ranchi and XIPT Ranchi for providing Skill Development Trainings for Students under NSQF courses/Summer Training Programms at NIELIT Ranchi.

कार्मिक :

नियमित: 6

परियोजना आधारित: 10

कारोबार :

144.00 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक:

श्री तपस त्रिवेदी

पता :

नाइलिट राँची, दूसरी मंजिल, रियदा भवन, (जीईएल चर्च के सामने), मेन रोड, राँची–834001

सम्पर्क के ब्यौरे:

दूरभाष: 0651–2332554,

ई–मेल: dir-ranchi@nielit.gov.in

वेबसाइट: www.nielit.gov.in/ranchi

क्षेत्राधिकार राज्य:

झारखण्ड

केंद्र का इतिहास:

21 अगस्त 2014 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा उद्घाटन के बाद नाइलिट रांची केंद्र ने कार्य करना शुरू कर दिया था। कार्यालय स्थान झारखंड सरकार (जीओजे) द्वारा, दूसरी मंजिल, रियादा भवन, मेन रोड, रांची पर दिया गया है। नाइलिट, रांची इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में कौशल–उन्नयन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। स्थापना के बाद से, नाइलिट रांची डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणा पर पाठ्यक्रम), बीसीसी (मूल कंप्यूटर पाठ्यक्रम) और एसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता) जैसे कई पाठ्यक्रमों की पेशकश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट राँची, नाइलिट 'ओ' स्तर तथा सीएचएम 'ओ' स्तर व भारत सरकार की ईएसडीएम परियोजना के तहत अनौपचारिक रूप से विभिन्न पाठ्यक्रमों का भी संचालन करता है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :

आईआईटी में दक्षता निर्माण ☞ एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रम ☞ डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम (नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम, नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम, नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम)

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

दीर्घकालिक कार्यक्रम

• कंप्यूटर एप्लीकेशन लेखांकन एवं प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा।

• सौर पैनल स्थापना तकनीशियन • पीसी की एसेंबली एवं रखरखाव • नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम • नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम • नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

दीर्घअवधि कार्यक्रम

• नाइलिट आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम • नाइलिट सीएचएम–'ओ' स्तर पाठ्यक्रम • जावा एंटरप्राइज एडिशन में एडवांस डिप्लोमा (जे2ईई) • नेट प्रौद्योगिकी में उन्नत डिप्लोमा • एंड्रॉइड एप्स डेवलपर में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • वेब डिजाइनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स।

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट रांची ने डीजीई एंड टी प्रायोजित नाइलिट–आईटी 'ओ' स्तर (25 एससी/एसटी जॉबसीकर्स) और सीएचएम 'ओ' स्तर (25 एससी/एसटी जॉबसीकर्स) का आयोजन किया है।
- एक्सआईपीटी रांची के 66 छात्रों को सौर ऊर्जा स्थापना, संचालन और रखरखाव के लिए एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम प्रशिक्षण प्रदान किया गया और नाइलिट रांची में सफलतापूर्वक प्रॉक्टर आधारित ऑनलाइन परीक्षा भी आयोजित की गई।
- नाइलिट राँची ने 20 छात्रों के लिए कम्प्यूटर एप्लीकेशन लेखा एंड प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा के लिए एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम प्रशिक्षण आयोजित किया है और प्रॉक्टर आधारित ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की है।
- नाइलिट रांची और जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक एंड टेक्नोलॉजी, नामकुम रांची (एक्सआईपीटी रांची) के बीच नाइलिट रांची द्वारा एनएसक्यूएफ के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 04–09–2019 को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

शिलांग

कार्यकारी समिति की बैठक(कें): 03.02.2020

कार्मिक:

नियमित: 02

परियोजना आधारित: 22

कारोबार : 90.61 लाख रु.

निदेशक :

डॉ. वाई. जयंता सिंह, निदेशक

पता :

मेघालय स्टेट हाउसिंग एंड फाइनेंसिंग को–ऑपरेटिव सोसाइटी बिल्डिंग की दूसरी मंजिल, बेथानी अस्पताल के पीछे , नोंग्रिम हिल्स, शिलांग–793003

सम्पर्क के ब्यौरे:

दूरभाष: 0364–2520166 / 2520177 / 2520163

क्षेत्राधिकार राज्य:

मेघालय

विस्तार केन्द्र:

नाइलिट तूरा विस्तार केंद्र

केंद्र का इतिहास:

नाइलिट शिलांग देश में नाइलिट का 12 वां केंद्र है और पूर्वोत्तर में 6 वां केंद्र है और जनवरी 2010 से पेश किए जा रहे पाठ्यक्रमों / कार्यक्रमों के साथ परिचालित हो गया है। नाइलिट शिलांग को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (माइटी), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया है। नाइलिट शिलांग की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा किराए के स्थान से शुरू की गई है जिसमें केंद्र की शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं । वर्तमान में, यह केंद्र अत्याधुनिक प्रशिक्षण उपकरणों / सुविधा जैसे कंप्यूटर लैब, कक्षाओं, पुस्तकालय और अन्य से सुसज्जित है।

इसके अलावा, नाइलिट शिलांग को अपने स्थायी परिसर के लिए नई शिलांग टाउनशिप, मावडियांगडियांग में सरकार द्वारा 10 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जिसे तय समय में चालू किया जाएगा। चेरंग्रे, पश्चिम गारो हिल्स जिले में, तूरा विस्तार केंद्र के लिए, एक स्थायी परिसर भी बनाया जा रहा है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

मेडिकल इलेक्ट्रानिकी

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

पीसी असेंबली तथा रखरखाव में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी) • वेब डिजाइनिंग में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • कार्यालय स्वचालन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • ईसीजी और आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव • अर्डूइनों आधारित एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम • सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण) • कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखांकन और प्रकाशन में अग्रिम डिप्लोमा

दीर्घकालिक कार्यक्रम

आईटी (सॉफ्टवेयर)–ओ–स्तर (एक वर्षीय)

आईटी (सॉफ्टवेयर)–ए–स्तर (एक वर्षीय)

सीएचएम (हार्डवेयर) ओ–स्तर (एक वर्षीय)

मैट (मल्टीमीडिया एनिमेशन तकनीक) ओ–स्तर (एक वर्षीय)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय के 27 (सत्ताईस) कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए उन्नत एक्सेल पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण 26 अगस्त '2019 से 30 अगस्त' 2019 तक आयोजित किया गया था।
- नाइलिट शिलांग ने पायथन, मशीन लर्निंग और वीएलएसआई का उपयोग करते हुए आईओटी जैसे ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को शुरू किया है एवं आईटी/इलेक्ट्रॉनिक्स/साइबर सुरक्षा/साइबर फोरेंसिक और डेटा विश्लेषण के उभरते क्षेत्रों में इंजीनियरिंग छात्रों के लिए अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करने की योजना है।
- 1 जुलाई 2019 को डिजिटल इंडिया वर्षगांठ समारोह के उपलक्ष पर विशेष वार्ता का आयोजन किया गया।
- नाइलिट शिलांग की कार्यकारी समिति की पहली बैठक 3 फरवरी 2020 को आयोजित की गई थी।
- मेघालय समुदाय और ग्रामीण विकास और मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण रोजगार सोसायटी द्वारा नामित 24(चौबीस) प्रतिभागियों के लिए नाइलिट शिलांग में 5 अगस्त 2019 से 17 अगस्त 2019 तक बुनियादी–आईटी प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- गॉर्डन रॉबर्ट अस्पताल, शिलांग के साथ नाइलिट शिलांग द्वारा अस्पताल उपकरणों के परीक्षण, अंशांकन, मरम्मत और रखरखाव के संबंध में परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

शिमला

कार्मिकः

नियमितः 07

परियोजना आधारित / संविदात्मक : 14

कारोबार : 6304.82 लाख रुपये

निदेशक प्रभारी

श्री राजीव अग्रवाल

पता

नाइलिट शिमला, किडरवूड बिल्डिंग, लोअर जाखू रोड, शिमला, हिमाचल प्रदेश –171001

सम्पर्क के ब्यौरेः

दूरभाषः 0177–2804216, 9815606510

ई–मेलः dir-shimla@nielit.gov.in

वेबसाइटः http://nielit.gov.in/shimla

क्षेत्राधिकार राज्य

हिमाचल प्रदेश

विस्तार केंद्र

नाइलिट मंडी

केंद्र का इतिहासः

सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्रों में पेशेवर सेवाएं प्रदान करने के लिए नाइलिट शिमला की स्थापना 1995 में की गई थी ।यह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है जिसका मुख्य केंद्र शिमला में है और मंडी में इसका विस्तार केंद्र है ।आईईसीटी के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता विकसित करने के लिए इस केंद्र का निरंतर प्रयास रहा है और इसका उद्देश्य इस दिशा में ज्ञान का प्रसार करना है और इस दिशा में केंद्र का एक अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड है ।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स ई–गवर्नेंस सेवाओं में शैक्षिक प्रशिक्षण

ई–गवर्नेंस सेवाएँ

चलाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अल्प अवधि पाठ्यक्रम

पायथन, आईओटी, पीएचपी, डॉटनेट, जावा, एंड्रायड, कार्यालय स्वचालान, मैटलैब, टैली, डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम, आदि।

दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- आईटी में 'ओ'/'ए' स्तर
- हार्डवेयर में 'ओ' स्तर
- एमसीआरपी विश्वविद्यालय, भोपाल का डीसीएडीटीपी, पीजीडीसीए

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट शिमला ने नाइलिट– 'ओ' और 'ए' स्तर के पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस योजना की प्रमुख विशेषता यह है कि जो छात्र पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, उनकी शुल्क की प्रतिपूर्ति विभाग द्वारा की जाएगी।
- केंद्र हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के विभागों को सार्वजनिक संचालित ई–गवर्नेंस समाधानों को लागू करने और तकनीकी और परिचालन जनशक्ति प्रदान करके अपनी आईटी सेवाओं को चलाने के लिए सुविधा प्रदान कर रहा है।
- सरकारी स्कूलों में 1439 आईटी शिक्षकों को विकसित कर राज्य के ब्लॉक स्तर पर आईटी शिक्षा परियोजना को लागू करना।
- हिमांचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड, राष्ट्रीय लेखापरीक्षा एवं लेखा अकादमी, केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कोषागार एवं लाटरी विभाग, मुद्रण एवं स्टेशनरी विभाग, कला एवं संस्कृति विभाग आदि के लिए राज्य में विभिन्न कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया।
- 2–6 दिसंबर, 2019 के दौरान अपने संबद्ध केंद्रों के लिए आईओटी और पायथन पर पांच दिवसीय गहन संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया ।
- भारत सरकार द्वारा घोषित हिमांचल प्रदेश के आकांक्षी जिले में तालमेल के निर्माण के लिए तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए 28–30 जुलाई 2019 के दौरान चंबा जिले के चौगन मैदान में आयोजित "उज्ज्वल हिमांचल" कार्यक्रम में भाग लिया।
- विभिन्न विभागों के 16,000 से अधिक राज्य सरकार के कर्मचारियों को बुनियादी और विशिष्ट आईटी कौशल (शुरुआत से) विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया।
- माननीय उच्च न्यायालय, न्यायाधिकरण और बागवानी विभाग के लिए परीक्षा आयोजित की।

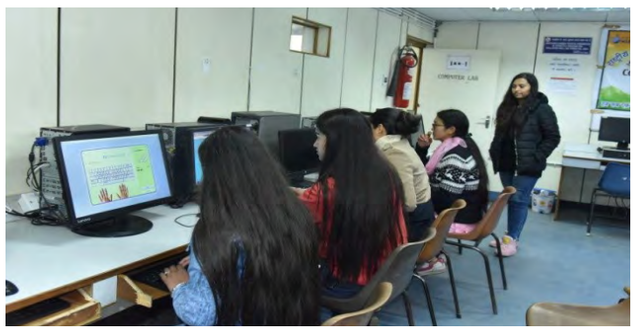

श्रीनगर / जम्मू

कार्मिक :
नियमित: 48
परियोजना आधारित: 37

कारोबार : 844.45 लाख रु.

कार्यकारी निदेशक:
श्री डी.एस. ओबेरॉय

पता :
सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, पुराना एयरपोर्ट रोड, रंगरेथ श्रीनगर–191132
नया परिसर, जम्मू विश्वविद्यालय–180006
नवीन परिषद सचिवालय, एलएएचडीसी लेह के समीप–194101

सम्पर्क के ब्यौरे:
दूरभाष: 0191–2451849
फैक्स: 0191–2433845; 0194–2300501; 0194–2300949

ई–मेल : dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाइट: www.nielit.gov.in/srinagar, www.nielit.gov.in/jammu

क्षेत्राधिकार राज्य:
जम्मू कश्मीर, और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश

विस्तार केन्द्र:
नाइलिट जम्मू

उप–केंद्र:
नाइलिट लेह

केंद्र का इतिहास:
वर्ष 1983 में, नाइलिट केंद्र श्रीनगर / जम्मू की स्थापना जम्मू और कश्मीर सरकार व कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से की गई थी। नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने विभिन्न कार्यकलापों की शुरुआत की है जिसमें औपचारिक पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक पाठ्यक्रम, आईईसीटी में कौशल विकास कार्यक्रम अनुसंधान और विकास गतिविधियां, परामर्श और अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव इंजीनियरिंग सम्मिलित है। यह एक आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित संगठन है जो जम्मू कश्मीर विश्वविद्यालय, आईआईटी बॉम्बे, सिस्को, ओरकल, सर्ट इन, एनपीटीईएल से शैक्षणिक संबंध रखता है। यह वार्षिक रूप से अपने दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से 300 से अधिक तथा ऑनकैम्पस और ऑफ–कैम्पस कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 15,000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करता है। इसका परिसर सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ में 7.5 एकड़ के सुरम्य परिसर में स्थित हैं, जिसमें 60,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र है य जम्मू विश्वविद्यालय 25,000 वर्ग फुट का निर्मित क्षेत्र है; और लेह में, 15,000 वर्ग फुट से अधिक का निर्मित क्षेत्र है।

उत्कृष्टता का क्षेत्र :
आईटी–एचआरडी
वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स
सूचना सुरक्षा
अस्पताल के उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव

चलाये जाने वाले पाठ्यक्रम:
दीर्घकालिक कार्यक्रम

- श्रीनगर स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्धता के साथ एमसीए।
- श्रीनगर स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्धता के साथ एमएससी आइटी
- लेह स्थित कश्मीर विश्वविद्यालय से संबद्धता के साथ बीसीए
- ओ–स्तर सॉफ्टवेयर
- ए स्तर सॉफ्टवेयर
- सीएचएम–ओ स्तर
- मैट 'ओ' लेवल
- ओ– स्तर जैव सूचना विज्ञान

अल्प अवधि पाठ्यक्रम
सीसीएनए, सीसीएनपी, वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, साइबर फोरेंसिक, सूचना सुरक्षा, नेटवर्किंग तथा क्लाउड कम्प्यूटिंग में डिप्लोमा, दूरसंचार तकनीशियन–पीसी हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग पीएचपी और माइ एसक्यूएल, पायथन, पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग, एंड्रायड प्रोग्रामिंग, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, सी एवं सी++ में प्रोग्रामिंग, एएसपी–नेट / वीबी.नेट, जावा प्रोग्रामिंग, ओरेकल, वीएलएसआई, वीएचडीएल, ऑटोकैड, मैट्लैब, जीआईएस, डिजिटल विश्लेषण और सिमुलेशन, मल्टीमीडिया एवं वेब डिजाइन, वित्तीय लेखांकन (टैली), सीसीसी, बीसीसी, इमेजिंग उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव (एक्स–रे एवं अल्ट्रासाउंड), ईसीजी एवं आईसीसीयू की मरम्मत तथा रखरखाव, अस्पताल उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव में पोस्ट डिप्लोमा, आईटीईएस–बीपीओ (कस्टमर केयर तथा बैंकिंग)

2019–20 की अवधि के दौरान विशेषताएँ एवं उपलब्धियाँ

- नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने आईसीटी में विभिन्न क्षमता निर्माण और कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत 6,240 अभ्यर्थियों का छात्र पंजीकरण/प्रमाणन प्राप्त किया।
- उच्च शिक्षा विभाग, जम्मू–कश्मीर सरकार के प्रधानाचार्यों/असिस्टेंट प्रोफेसरों/प्रवक्ताओं के लिए ई – लर्निंग और स्मार्ट कक्षा प्रौद्योगिकी पर नाइलिट श्रीनगर और जम्मू में 5 दिवसीय/2 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- सेना के 86 से अधिक अधिकारियों को नाइलिट श्रीनगर में कंप्यूटर बेसिक्स, कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग का प्रशिक्षण दिया गया।
- श्रीनगर और जम्मू में विद्युत विकास विभाग के 127 अधिकारियों को ऑटोकैड प्रशिक्षण दिया गया।
- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के 100 अधिकारियों को श्रीनगर और जम्मू में बुनियादी कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया गया।
- आईएसईए परियोजना के द्वितीय चरण के संचालन के लिए एक प्रतिभागी संस्थान और कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नाइलिट जम्मू और कश्मीर को 5 वर्षों की अवधि के लिए शामिल किया गया। परियोजना के 5 वें वर्ष में 448 (235 श्रीनगर+ 213 जम्मू) सरकारी आधिकारिक प्रशिक्षुओं (जीओटी) को प्रशिक्षण दिया गया और 213 (जम्मू) प्रतिभागियों ने आईएसईए जागरूकता कार्यशाला में भाग लिया।
- महिलाओं के लिए साइबर शिक्षा प्रशिक्षण, (साइबर सुरक्षा में महिलाओं के लिए एक कौशल विकास पहल) 38 महिला उम्मीदवारों के लिए आयोजित किया गया था।
- गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग सफापोरा के 106 इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स अभ्यर्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन नाइलिट श्रीनगर में किया गया।
- आर्मी स्कूल, रत्नूचक जम्मू के 250 से अधिक छात्रों को 2 सप्ताह का एनएसक्यूएफ लेवल – 1 और लेवल – 2 का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा शुरू की गई सड़क दुर्घटना डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली (आरएडीएमएस) के लिए नियंत्रण/निगरानी केंद्र का विकास :
- ई–कचरा प्रबंधन पर 5 दिवसीय कार्यशाला नाइलिट श्रीनगर और जम्मू में 130 से अधिक सरकारी कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का उद्देश्य ई–कचरा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करना है।
- जेएंडके बैंक, एसकेआईएमएस, पर्यटन विभाग, जेके बोस, सेवा चयन बोर्ड की ओर से विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए 345 से अधिक अभ्यर्थियों का कंप्यूटर बेस्ड असेसमेंट टेस्ट आयोजित किया गया। यूजीसी नेट परीक्षा के लिए ऑनलाइन टेस्ट भी आयोजित किए गए थे।
- राज्य वन विभाग, जम्मू में 50 नोड हाइब्रिड वायर्ड और वायरलेस लैन और वन निगम जम्मू में 30 नोड हाइब्रिड वायर्ड और वायरलेस लैन का कार्यान्वयन, डिजाइन/ विनिर्देश।
- एमपी सीडीएफ के माध्यम से शिक्षा विभाग लेह द्वारा प्रायोजित सरकारी स्कूलों के लिए डिजिटल शिक्षण प्रणाली आधारित 28 स्मार्ट कक्षाओं के लिए कार्यान्वयन, डिजाइन/विनिर्देश।
- जम्मू और कश्मीर बीओपीईई के लिए पावर बैकअप/पावर कंडीशनिंग उपकरणों की खरीद, डिजाइन/विनिर्देश ; परिवहन विभाग, जम्मू और कश्मीर के लिए आरएडीएमएस नियंत्रण कक्ष में पीसी के एलएफडी, वीडियो वॉल आदि सहित आईटी बुनियादी ढांचे। नागरिक सहकारी बैंक जम्मू की 4 शाखाओं में सीसीटीवी निगरानी और भंडारण समाधान और बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली के लिए कार्यान्वयन और डिजाइन विनिर्देश।
- लद्दाख यूटी के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए ऑनलाइन परमिट जारी करने वाले पोर्टल के लिए एंड्रॉइड ऐप सहित एक सॉफ्टवेयर समाधान विकसित किया गया था।
- लद्दाख संघशासित प्रदेश के लिए पर्यटक। लद्दाख विश्वविद्यालय के लिए वेब पोर्टल विकसित किया था।
- जम्मू–कश्मीर उच्च शिक्षा विभाग के लिए जम्मू क्षेत्र के कॉलेजों में डिजिटल शिक्षण प्रणाली आधारित स्मार्ट कक्षा की स्थापना, 8 विभिन्न कॉलेजों में कार्यान्वयन के लिए की गई थी।
- बीसीए के लिए 40 और बीएससी (आईटी) पाठ्यक्रम के लिए 40 की इंटेक क्षमता के साथ नाइलिट श्रीनगर में बीसीए और और बीएससी (आईटी) पाठ्यक्रम का अनुदान।

नाइलिट मुख्यालय और इसके केंद्रों में लेखा परीक्षकों की सूची

क्रं.सं.	नाइलिट केन्द्र	सोसायटी के लेखा परीक्षक
1	औरंगाबाद	**मेसर्स बेदमुथा एंड कंपनी** ए–301 एवं 304 सीआईटीआईयूएस, स्पेस ओलम्पिया, सुतगिरनी चौक, गारखेड़ा, औरंगाबाद, महाराष्ट्र–431009
2	अगरतला	**मेसर्स एस. बसु ठाकुर एंड कंपनी** वेस्ट बैंक आफ मध्यपारा, अगस्तला 799001 (त्रिपुरा)
3	आईजोल	**मेसर्स पी. एल. बक्शी एण्ड कंपनी** जेल रोड, सिल्चर, पिन–788004
4	अजमेर (पाली सहित)	**मेसर्स अम्बानी एण्ड कं.** 24, देव अम्बा मार्केटिंग कॉम्पलेक्स, अजमेर
5	कालीकट	**मेसर्स मोहन एंड मोहन एसोसिएट्स** करुनालयम, वायनॉड रोड, कोझीकोड–673001
6	चैन्नई	**मेसर्स वी. सुंदरराजन एंड कंपनी** नं. 3, भूतल, इमराल्ड एस्टेट, न्यू न. 6, ओल्ड नं. 18, दूसरा कनाल क्रॉस रोड, गांधी नगर, अदयार, चैन्नई"–600020
7	चंडीगढ (कुरूक्षेत्र सहित)	**मेसर्स बी.एम. वर्मा एंड कंपनी एसोसिएट्स** एससीओ न. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ–160047
8	गंगटोक	**मेसर्स आर. एन. गोयल एण्ड कंपनी** एम.आर. रोड, खालपारा, सिलीगुड़ी–734005
9	गुवाहाटी	**मेसर्स जी. टोसनीवाल एण्ड कं.** प्रोबीर मार्केट, दूसरी मंजिल, पलटन बाजार, गुवाहाटी
10	गोरखपुर	**मेसर्स हबीबुल्लाह एण्ड कं.** एच.वी. हाउस, 10–पार्क रोड, गोरखपुर–273001 (उ.प्र.)
11	नाइलिट मुख्यालय	**मेसर्स जेपी. चावला एंड कंपनी** 43, दरियागंज, नई दिल्ली–110 002
12	ईटानगर	**मेसर्स रमेश चंद्रा राय एण्ड एसोसिएट्स** कोगे कामर्शियल कॉम्पलेक्स, 'ओ' प्वाइंट तिनाली, ईटानगर–791111
13	इम्फाल	**मेसर्स बसु ठाकुर एंड कंपनी** "बेस्ट बैंक आफ मध्यपारा डिघी, 3/1, मध्यपारा, अगरतला–799001 (त्रिपुरा पश्चिम)
14	कोहिमा	**मेसर्स एम.के. बरदोलोइं एण्ड कंपनी** बीओएच. नं. 124, राजगढ रोड, एसबीआई एटीएम के उपर, भानगगर, गुवाहाटी–781007
15	कोलकाता (भुवनेश्वर सहित)	**मेसर्स सेन एण्ड कंपनी** 1/13, चितरंजन कालोनी, जादवपुर, कोलकाता–700 032
16	नई दिल्ली	**मेसर्स सिंघल सुनील एण्ड एसोसिएट्स, शकरपुर, दिल्ली** 105, लक्ष्मण पैलेस, 19 वीर सावरकर ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली–110092
17	पटना	**मेसर्स सच्चिदानन्द चौधरी एण्ड कंपनी** एचओ 302, राजेन्द्र एन्कलेव, शशि कॉप्लेक्स के पीछे, एक्जीबीशन रोड, पटना
18	श्रीनगर	**मेसर्स मंजूर एण्ड कंपनी** श्रीनगर/जम्मू दूसरा तल, एमआइआर एन–कं, शापिंग कॉम्पलेक्स, एलआइसी भवन के सामने, करन नगर, श्रीनगर–190010
19	शिलांग	**मेसर्स एसपीआरके एण्ड कंपनी** प्रथम तल, बीके काकोती रोड, उलुबारी, गुवाहाटी–781007, असम
20	रांची	**मेसर्स प्रसाद कुमार एंड कंपनी** जी (जी+2) दूसरी मंजिल, श्री विमलानन्द टॉवर, सदर हॉस्पिटल के सामने, पुरुलिया रोड, रांची, झारखंड–834001
21	शिमला	**मेसर्स बी एम वर्मा एंड एसोसिएट्स, चण्डीगढ़** एससीओ नं. 80–81, सेक्टर 17–सी, चंडीगढ–160017

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में

निदेशक,

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

सापेक्ष राय

हमने राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नाइलिट भवन, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077 (जिसे आगे सोसाइटी कहा गया है) जो सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत एक सोसाइटी है, के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष का तुलन–पत्र, उसी तारीख को समाप्त वर्ष के लिए समेकित आय एवं व्यय लेखा, समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा उसके साथ संलग्न महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित है, जिनमें हमारे द्वारा नाइलिट दिल्ली मुख्यालय व राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा–विवरणों की लेखा– परीक्षा की गयी है तथा 20 केन्द्रों– आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, शिमला, श्रीनगर और जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नै, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, रांची, नई दिल्ली एवं इटानगर के लेखा विवरण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित किए गए हैं, जो इसमें सम्मिलित हैं।

हमारी राय में, सोसायटी के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों को प्रयोज्य कानूनों के अनुसार तैयार किया जाता है। इस रिपोर्ट में शामिल समेकित तुलन–पत्र तथा आय और व्यय के समेकित विवरण व समेकित प्राप्तियाँ व भुगतान लेखा बहियों और हमारे द्वारा दौरा न किए गए केन्द्रों से प्राप्त लेखा विवरणों के अनुसार है तथा जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसरण में, सही एवं स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

राय के लिए आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग (एसए) के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा–परीक्षा के लिए लेखा–परीक्षक की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र है जो वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक हैं, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि, हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

ध्यान देने योग्य मामले

हम अशोध्य और संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान संबंधी अनुसूची 25 के नोट 3 तथा राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की वर्तमान स्थिति से संबंधित वित्तीय विवरणों की अनुसूची 25 के नोट 5 (सी,डी,ई,एफ,जी,एच) तथा समेकित वित्तीय विवरणों में केवल आर्थिक नोटों के संकलन संबंधी अनुसूची 25 की संख्या 11 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हैं। आगे, वित्तीय विवरणों में उल्लिखित देनदारों, लेनदारों और ऋणों और अग्रिमों की पुष्टि की जारी प्रक्रिया के संबंध में अनुसूची 25 के नोट संख्या 7 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। इसके अलावा, आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए फार्म 26एएस सहित स्रोत पर कटौती के लंबित समाधान संबंधी अनुसूची 25 की नोट संख्या

12 की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। इसके अलावा, प्राप्तियाँ और भुगतान लेखा तैयार करते समय अल्पकालिक जमा के संबंध में समाधान में अंतर तथा नकद और बैंक शेष में अथशेष और अंतशेष के बीच समेकन अंतर संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 15 की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसे मामलों में हमारी राय मान्य नहीं है।

हमारे द्वारा लेखा परीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामले में, निम्नानुसार बिन्दुओं पर बल दिया गया है।

अनुसूची 23 की नोट संख्या 21 में, स्थायी परिसंपतियों की पंजिका का अद्यतन कार्य शेष रहने के संबंध में ध्यान आकृष्ट किया गया है। आगे, अनुसूची 23 नोट संख्या 18 में नाइलिट मुख्यालय के साथ–साथ आंतरिक केन्द्रों के लेखाओं सहित लंबित संराधन के संबंध में इसके वित्तीय विवरण की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया है तथा आगे, अनुसूची 23 की नोट संख्या 17 में इसके देनदारों, लेनदारों, वर्तमान परिसंपतियों वर्तमान देनदारियाँ व ऋण व अग्रिम, जो मूल्य अनुसार लेखाओं में वर्णित है जो वसूली योग्य/देय है, के साथ पुष्टि की प्रक्रिया के संबंध में इसमें वित्तीय विवरणों पर ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसे मामलों पर हमारी राय मान्य नहीं है।

ईटानगर, नई दिल्ली, शिलांग, चेन्नई, कालीकट केंद्रों, एनपीआर के मामले में, कुछ मुख्य मामलों के प्रति उनके लेखा–परीक्षकों द्वारा ध्यान आकृष्ट किया गया है। ऐसी रिपोर्टों को संदर्भित किया जा सकता है।

अन्य मामले

हमने अइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, गोरखपुर, इम्फाल, श्रीनगर तथा जम्मू, गुवाहाटी, कोलकाता, चंडीगढ़, कोहिमा, चेन्नई, अगरतला, शिलांग, गंगटोक, अजमेर, पटना, शिमला, रांची, नई दिल्ली और इटानगर के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा नहीं की है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों से देखा जा सकता है।

इन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा–परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत की गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक, इन केंद्रों के संबंध में सम्मलित राशि और प्रकटीकरण से संबंधित है, पूर्ण रूप से, अन्य लेखा–परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

चंडीगढ़ केंद्र, नई दिल्ली केंद्र, गोरखपुर केंद्र, शिमला केंद्र और एनपीआर के मामले में; अन्य मामलों पर ध्यान उनके लेखा परीक्षकों द्वारा कुछ मामलों की ओर आकर्षित किया जाता है, ऐसी रिपोर्टों का संदर्भ लिया जा सकता है।

प्रबंधन व वित्तीय विवरणों के शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी के उत्तरदायित्व।

ऐसे आंतरिक नियंत्रण जिसमें प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि, समेकित वित्तीय विवरण जो, तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं, के लिए प्रयोज्य कानून व उपनियमों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है।

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में संस्था का प्रबंधन, संस्था के सामर्थ्य की निरंतरता की धारणा, प्रकटीकरण, जो भी हो, कार्यकलापों से संबंधित मामले तथा लेखाओं के आधार पर निरंतरता की धारणा का उपयोग चाहे प्रबंधन संस्था की परिसमाप्ति का इरादा रखें अथवा संचालन बंद करें अथवा ऐसा करे किन्तु, कोई वास्तविक विकल्प न हों, के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है।

संस्था के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इन वित्तीय विवरणों के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि यह समेकित वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप से भौतिक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि हो, से मुक्त है, और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है, लेकिन, यह कोई गारंटी नहीं है, कि एस.ए. के अनुसार किए गए ऑडिट में, हमेशा भौतिक गलत विवरणों, जो निहित हों, का पता लगेगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकते हैं और यदि पृथक या समग्र रूप से इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णय उपयुक्ततः प्रभावित किए जाने की संभावना हो तो वे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम पेशेवर अनुमान का उपयोग करते हैं तथा सम्पूर्ण ऑडिट के दौरान व्यवसायिकी संशयात्मकता बनाए रखते हैं। जिन केंद्रों के लिए हमने आडिट किया है, हमने निम्नलिखित उपाय (इसके बाद "अतिरिक्त उपाय" के रूप में संदर्भित) भी किए हैं।

- समेकित वित्तीय विवरण के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को तैयार और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण के ओवरराइड सम्मिलित हो सकते हैं।
- ऑडिट से संबन्धित आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना ताकि परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाएँ तैयार की जा सके, लेकिन यह सोसाईटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय देने के प्रयोजन के लिए नहीं है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन करना।
- प्रबंधन द्वारा लेखांकन के लिए चालू संस्था आधार का उपयोग किए जाने की औचित्यता, और प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, घटनाओं या परिस्थितियों से संबन्धित महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है या नहीं, जिससे चालू संस्था के रूप में सोसाईटी के सामर्थ पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न होते हों, पर निष्कर्ष देना है। यदि, हम निष्कर्ष देते है कि, भौतिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो, हमें वित्तीय विवरणों में संबन्धित प्रकटीकरण के लिए अपनी ऑडिट रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण अपर्याप्त है तो हमारी राय को संशोधित करें। हमारे निष्कर्ष, आडिटर रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त आडिट साक्ष्य के आधार पर हैं तथापि, भविष्य में, घटनाएँ या परिस्थितियाँ सोसाईटी की निरंतरता की धारणा के सतत क्रम में अवरोध उत्पन्न कर सकती हैं।

शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को हम यह विवरण देते हैं कि हमने स्वायत्ता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जो हमारी स्वायत्ता पर और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपायों के बारे में यथोचित रूप से सोचा जा सकता है।

हम शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से अन्य मामलें में ऑडिट के योजनाबद्ध कार्य व समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा परिणामों जिसमें हमारे ऑडिट के दौरान पहचान की गई आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियाँ भी शामिल हैं के बारे में विचार–विमर्श करते हैं।

उन केंद्रों के लिए जिनका हमनें ऑडिट नहीं किया है और अन्य ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है, तदनुसार हमने उपर्युक्त अतिरिक्त उपाय करने के लिए उन ऑडिटर्स पर भरोसा किया है।

कृते जे.पी.चावला एण्ड कंपनी एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या001875एन/एन50025

रजत चावला
(भागीदार)
सदस्यता सं. : 510745

दिनांकः 29 दिसंबर 2020
स्थानः नई दिल्ली
यूआईडीएन : 20510745एएएएडीवाई4235

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएँ			
समेकित / पूँजीगत निधि	1	6,28,39,84,389	5,92,44,04,899
सहायता अनुदान	2	3,62,99,19,998	3,20,87,33,301
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	63,88,97,358	57,15,75,676
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	17
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि	4	4,02,66,20,723	3,65,54,54,547
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	2,63,74,08,898	2,62,16,90,224
योग		**17,21,68,31,383**	**15,98,18,58,664**
देयताएँ			
स्थिर परिसंत्तियाँ	8	1,60,63,98,486	1,73,79,57,838
स्थिर परिसंत्तियाँ – प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	20,76,01,832	17,56,70,642
स्थिर परिसंत्तियां – संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	46,36,87,425	42,71,22,338
पूँजीगत निर्माणधीन कार्य	9	1,39,57,89,516	1,10,55,07,419
इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	3,82,37,77,898	3,43,28,43,762
अन्य निवेश	11	38,87,35,061	17,52,99,649
वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	9,33,08,41,165	8,92,74,57,016
योग		**17,21,68,31,383**	**15,98,18,58,664**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इस तारीख संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार

एफआरएन –001875एन / एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.12.2020

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)

एम.सं. 510745

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताएँ							
समेकित/पूँजीगत निधि	1	4,34,92,21,277	1,93,47,63,112	6,28,39,84,389	3,98,96,04,097	1,93,48,00,802	5,92,44,04,899
सहायता अनुदान	2	3,62,99,19,998	-	3,62,99,19,998	3,20,87,33,301	-	3,20,87,33,301
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2-A	63,88,97,358	-	63,88,97,358	57,15,75,676	-	57,15,75,676
आरक्षित एवं अतिशेष	3	17	-	17	17	-	17
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	4	98,61,11,419	3,04,05,09,304	4,02,66,20,723	94,39,62,280	2,71,14,92,267	3,65,54,54,547
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-	-		-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	1,38,32,67,714	1,25,41,41,184	2,63,74,08,898	1,36,70,44,096	1,25,46,46,128	2,62,16,90,224
योग		**10,98,74,17,783**	**6,22,94,13,600**	**17,21,68,31,383**	**10,08,09,19,467**	**5,90,09,39,197**	**15,98,18,58,664**
परिसम्पत्तियाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–जीआईए	8	1,60,63,98,486	-	1,60,63,98,486	1,73,79,57,838	-	1,73,79,57,838
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–प्रायोजित परियोजनाएँ	8-A	20,73,66,145	2,35,687	20,76,01,832	17,53,94,609	2,76,033	17,56,70,642
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–संस्था की अतिशेष पूँजी से	8-B	46,36,87,425	-	46,36,87,425	42,71,22,338	-	42,71,22,338
पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	1,39,57,89,516	-	1,39,57,89,516	1,10,55,07,419	-	1,10,55,07,419
इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि का निवेश	10	80,52,84,496	3,01,84,93,402	3,82,37,77,898	73,99,26,559	2,69,29,17,203	3,43,28,43,762
अन्य निवेश	11	38,87,35,061	-	38,87,35,061	17,52,99,649	-	17,52,99,649
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, पेशगियाँ आदि	12	6,12,01,56,654	3,21,06,84,511	9,33,08,41,165	5,71,97,11,055	3,20,77,45,961	8,92,74,57,016
योग		**10,98,74,17,783**	**6,22,94,13,600**	**17,21,68,31,383**	**10,08,09,19,467**	**5,90,09,39,197**	**15,98,18,58,664**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन 001872एन/एन500025

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.12.2020

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	1,32,68,78,146	1,19,89,87,617
अनुदान / इमदाद	14	7,22,54,620	15,89,17,560
शुल्क / अंशदान	15	1,13,45,21,037	1,57,00,54,808
परियोजनाओं से आय	16	98,80,89,592	89,58,20,664
प्रकाशनों की बिक्री से आय	17	9,38,345	13,10,486
अर्जित ब्याज	18	27,61,21,981	24,52,26,007
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	19,01,306	13,67,398
विविध आय	20	27,48,54,227	31,70,39,934
योग (क)		**4,07,55,59,254**	**4,38,87,20,474**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	92,17,71,902	88,77,06,282
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	60,22,28,832	66,10,06,933
परियोजनाओं पर व्यय	23	69,34,18,172	63,78,81,211
सेवाओं पर व्यय	23	1,14,97,22,105	1,01,55,80,605
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास–जीआईए से	22	19,01,36,872	20,62,68,079
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	6,98,89,735	6,62,22,609
योग (ख)		**3,62,71,67,618**	**3,47,46,65,719**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		44,83,91,636	91,40,54,755
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तिरित ब्याज		3,85,35,087	3,36,71,331
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		40,98,56,549	88,03,83,424
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
लेखों पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इस तारीख संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –001875एन/एन500025

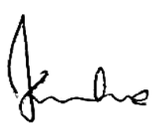

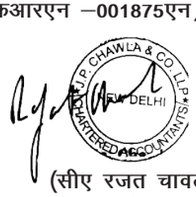

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.12.2020

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	1,32,68,78,146	-	1,32,68,78,146	1,19,89,87,617	-	1,19,89,87,617
अनुदान/इमदाद	14	7,22,54,620	-	7,22,54,620	15,89,17,560	-	15,89,17,560
शुल्क/अंशदान	15	1,13,45,21,037	-	1,13,45,21,037	1,57,00,50,808	-	1,57,00,50,808
परियोजनाओं से आय	16	98,80,89,592	-	98,80,89,592	89,58,20,664	-	89,58,20,664
प्रकाशनों की बिक्री से	17	9,38,345	-	9,38,345	13,10,486	-	13,10,486
अर्जित व्याज	18	27,30,39,348	30,82,633	27,61,21,981	24,23,69,782	28,56,225	24,52,26,007
टाउनशिप से प्राप्तियाँ	19	19,01,306	-	19,01,306	13,67,398	-	13,67,398
विविध आय	20	27,46,60,597	1,93,630	2,74,85,4227	31,70,39,934	-	31,70,39,934
योग		**4,07,22,82,991**	**3,27,6263**	**4,07,55,59,254**	**4,38,58,64,249**	**28,56,225**	**4,38,87,20,474**
व्यय (क)							
स्थापना व्यय	21	92,10,83,117	6,88,785	92,17,71,902	88,66,76,309	10,29,973	8,87,70,6282
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	59,96,44,010	25,84,822	80,22,28,832	66,05,27,284	4,79,649	66,10,06,933
परियोजनाओं पर व्यय	23	69,33,77,826	40,346	69,34,18,172	63,78,32,297	48,914	63,78,81,211
सेवाओं पर व्यय	23	1,14,97,22,105	-	1,14,97,22,105	1,01,55,80,605	-	1,01,55,80,605
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास–जीआईए से	22	19,01,36,872	-	19,01,36,872	20,82,68,079	-	20,62,68,079
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास–अधिशेष से	22	6,98,89,735	-	6,98,89,735	6,62,22,609	-	6,62,22,609
योग (ख)		**3,62,38,53,665**	**33,13,953**	**3,62,71,67,618**	**3,47,31,07,183**	**15,58,536**	**3,47,46,65,719**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		44,84,29,326	(37,690)	44,83,91,636	91,27,57,066	12,97,689	91,40,54,755
घटाइए : एण्डाउमेंट निधि को अन्तिरित ब्याज		3,85,35,087		3,85,35,087	3,36,71,331	-	3,36,71,331
अधिशेष के रूप में शेष को समेकित निधि/पूँजीगत निधि में ले जाया गया		40,98,94,239	(37,690)	40,98,56,549	87,90,85,735	12,97,689	88,03,83,424
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24						
लेखों पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख संलग्न लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे पी चावला एण्ड कं. एलएलपी
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन –001875एन/एन500025

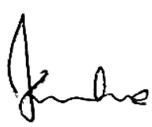

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 29.12.2020

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए रजत चावला)
(भागीदार)
एम.सं. 510745

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1 – समेकित/पूँजीगत निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष	5,77,34,06,897	4,65,80,53,776
घटाइए : मुख्यालय का अंश केन्द्रों और अन्य जारी	(3,26,44,723)	44,03,138
घटाइए : दिल्ली केन्द्र के लिए भवन निधि को अन्तरित	-	-
घटाइए : चिहनित निधियों में स्थानांतरित (पुरस्कार, एससी/एसटी स्टाफ कल्याण इत्यादि)	-	(1,48,00,000)
जोडिए/घटाइए : भ अन्य पूर्व अवधि समायोजन	13,360	(25,43,867)
घटाइए : उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	(12,70,575)	(23,15,239)
जोडिए/घटाइए : संचित बचतों का उपयोग	(5,67,83,532)	25,02,25,667
जोड़िए/घटाइएः जीआईए से/केन्द्र से स्थानांतरित निधि	4,04,08,413	-
जोड़िएः व्यय/(आय) से अधिक आय/(व्यय)	40,98,56,549	88,03,83,424
योग क	6,13,29,86,389	5,77,34,06,899
नाइलिट योजना के अतिशेष से जारी		
अथ शेष योग ख	**15,09,98,000**	**15,09,98,000**
वर्ष के अन्त में शेष योग क+ख	**6,28,39,84,389**	**5,92,44,04,899**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS New Delhi

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य कार्यकलापों के लिए सहायता अनुदान –क बजटीय स्रोत		
केन्द्र सरकार से सहायता अनुदान		
अथ शेष	1,86,67,10,976	2,02,89,71,942
जोड़िए: ब्याज पूँजीकृत	6,49,000	-
जोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान/ केन्द्रों से प्राप्त	17,62,92,452	4,73,25,719
जोड़िए/घटाइए: नए केन्द्रों के लिए योजनागत अनुदान	-	(4,79,218)
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई राशि।	(2,64,00,000)	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ (योजना)	3,07,28,113	-
घटाइए: आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अन्तरित	(91,72,635)	(68,92,997)
जोड़िए/घटाइए: वर्ष के दौरान प्रयुक्त/पुंजीकृत	(7,61,01,338)	(4,00,658)
जोड़िए/घटाइए: समायोजन	(10,12,649)	(52,000)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस किया गया	(18,46,83,085)	(20,09,84,811)
31.03.2020 को इति शेष	**1,77,70,10,834**	**1,86,74,87,977**
नाइलिट केन्द्रों के इंट्रानेट की स्थापना	-	-
जोड़िए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिक मंत्रालय से प्राप्त	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान ब्याज	-	-
घटाइए: इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी को वापसी	-	-
घटाइए: केन्द्रों को वितरित निधि	-	-
31.03.2020 को इति शेष	-	-
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		
अथ शेष	1,16,76,95,668	82,53,27,806
वर्ष के दौरान इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से प्राप्त योजनागत अनुदान	57,51,05,000	46,69,89,364
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत अनुदान	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय	66,30,108	25,58,211
जोड़िए: पाठ्यक्रमों से आय	-	-
घटाइए: आस्थगित राजस्व व्यय वापस लाया गया	(11,75,986)	(11,75,987)
घटाइए: मुख्यालय को लौटाई गई	(4,11,93,414)	(1,85,12,535)
घटाइए: पूर्व अवधि समायोजन	-	38,77,534
घटाइए: आवर्ती व्यय/गैर–योजना को अंतरित जीआईए	(3,99,04,544)	(9,32,20,702)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस किया गया	(1,91,10,496)	(1,81,48,023)
31.03.2020 को इति शेष	**1,64,80,46,336**	**1,16,76,95,668**
भवन के लिए सहायता अनुदान–अथ शेष	16,42,63,028	10,77,29,338
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(85,54,462)	(7,20,244)
जोडे: अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय़	-	51,415
जोड़िए वर्ष के दौरान प्राप्त	3,67,77,481	5,72,02,519
31.03.2020 को इति शेष	**19,24,86,047**	**16,42,63,028**
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से पट्टा किराया के लिए अनुदान	-	-
अथ शेष	-	-
31.03.2020 को इति शेष	**-**	**-**
राज्य सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	-	-
वर्ष के दौरान उपयोग	91,96,627	1,37,72,421
जोड़िए: निधियां/पूंजीकृत ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	30,90,153	(45,75,794)
31.03.2020 को इति शेष	**1,22,86,780**	**91,96,627**
अन्य से प्राप्त सहायता अनुदान		
अथ शेष	**90,001**	**90,001**
	-	
31.03.2020 को इति शेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अंत में शेष	**3,62,99,19,998**	**3,20,87,33,301**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2 ए– सहायता अनुदान (बी) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
जीआईए–प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त (ख)		
डोनर परियोजना		
अथ शेष	26,87,893	2,08,08,884
वर्ष के दौरान प्राप्त	4,75,96,000	2,88,35,208
जोड़िए: अर्जित ब्याज	13,526	7,30,451
घटाइए: ब्याज वापसी	-	(23,000)
घटाइए: धन उपयोग/वापसी	(4,88,39,176)	(4,76,52,324)
घटाइए: मूल्यह्रास वापस लाया गया	(74,963)	(1,400)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष ए	**13,83,280**	**26,97,819**
एमइआईटीवाई एवं केन्द्र सरकार की परियोजनाएँ	-	-
अथ शेष	56,36,34,800	79,08,01,738
जोड़िए: परियोजना के लिए प्राप्त निधि	1,15,60,14,013	1,39,27,86,991
गत वर्षों की स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए योजनागत निधियों (समायोजन)	-	-
जोड़: वर्ष के दौरान अर्जित–उपचित ब्याज	2,46,63,757	1,86,90,296
अन्य परिवर्धन फीस/अग्रिम/पूजीकृत आदि	4,32,67,100	3,49,874
घटाइए: उपयोग की गई/वितरित/वापस की गई निधियॉ	(1,12,13,40,600)	(1,61,97,96,439)
घटाइए: परियोजना आय को अंतरित व्यय	(1,05,30,686)	-
घटाइए: मुल्यह्रास वापस लाया गया	(2,27,10,540)	(1,92,07,586)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ख)	**63,29,97,844**	**56,36,24,874**
अन्य परियोजनाएँ		
अथ शेष	**32,61,058**	**34,66,759**
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त/अन्तरित निधि	-	-
घटाइए: आवर्ती एवं पूँजीगत व्यय/वापसी	-	-
घटाइए: मुल्यह्रास वापस लाया गया	(5,40,776)	(2,05,701)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (ग)	**27,20,282**	**32,61,058**
(राज्य सरकार की परियोजनाएँ)		
अथ शेष	19,91,925	19,37,628
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त निधि	1,70,43,913	1,41,01,966
जोड़िए: वर्ष के दौरान निवेश से ब्याज/आय	-	-
घटाइए: मुल्यह्रास वापस लाया गया	-	-
घटाइए: आवर्ती व्यय/प्रयुक्त निधि को अंतरित	(1,72,39,886)	(1,40,47,669)
परियोजना पूरी होने तक निधियो का शेष (घ)	**17,95,952**	**19,91,925**
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	-
अथ शेष	52,72,76,622	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
केन्द्रों को अंतरित	-	-
जोड़िए: परियोजनाओं से आय	-	-
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: पूँजीगत/आवर्ती व्यय	-	-
घटाइए: एनपीआर खाते को अन्तरित (अलग खाता रखे जाने के कारण)	(52,72,76,622)	-
31.03.2020 को वर्ष के अन्त में शेष (ड़)	-	-
योग (क+ख+ग+घ+ड़)	**63,88,97,358**	**57,15,75,676**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3 – आरक्षित तथा अधिशेष

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूँजीगत आरक्षित निधि	17	17
सामान्य आरक्षण	-	-
आय तथा व्यय लेखा के अनुसार अधिशेष / (कमी)	-	-
योग	**17**	**17**

* निःशुल्क रूप में प्राप्त परिसम्पत्तियों के संबंध में

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

J.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS New Delhi

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 : इयरमार्क्ड / एनडाउमेंट निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का अथ शेष		
भवन निधि	50,99,76,065	77,19,27,699
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,85,51,739	2,55,42,018
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : भवन रखरखाव निधि में राशि हस्तांतरित	-	(28,74,93,652)
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**53,85,27,804**	**50,99,76,065**
पाठ्यसामग्री विकास निधि	26,58,711	24,83,903
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,83,923	1,74,808
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
वर्ष के अन्त में कुल निधियाँ	**28,42,634**	**26,58,711**
अ.जा./अ.ज.जा, विकलांग एवं महिला छात्रवृत्ति निधि	(16,95,379)	24,77,128
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	2,47,493
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रयुक्त निधियों/अदायगी	(53,80,000)	(44,20,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**(70,75,379)**	**(16,95,379)**
पुरस्कार निधि	45,74,096	42,75,712
जोड़िए: वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,12,221	2,98,384
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**48,86,317**	**45,74,096**
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	5,43,09,037	5,09,16,278
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	38,04,781	33,92,759
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रावधान/प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	5,81,13,818	5,43,09,037
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय का विकास	60,99,687	1,25,87,737
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,38,214	6,66,510
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियाँ	(10,49,694)	(71,54,560)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**54,88,207**	**60,99,687**
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,17,71,976	4,21,87,487
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	33,44,626	15,66,050
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ	(21,68,772)	(19,81,561)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**4,29,47,830**	**4,17,71,976**
उपदान एवं छुट्टी नकदीकरण निधि	4,07,94,332	2,06,58,805
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	4,50,35,038	1,89,78,778
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	10,58,729	9,91,709
जोड़िए : अर्जित ब्याज	1,71,606	1,65,040
घटाइए : प्रयुक्त निधियाँ	-	-
उपलब्ध शेष निधियाँ	**8,70,59,705**	**4,07,94,332**
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि	50,91,919	47,63,087
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,57,027	3,28,832
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियाँ	(1,73,843)	
उपलब्ध शेष निधियाँ	**52,75,103**	**50,91,919**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 : जारी है

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
दिल्ली/कालीकट केन्द्र के लिए भवन निधि	-	26,50,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए: वर्ष के दौरान धन कोष में हस्तांतरित निधियॉ	-	(26,50,00,000)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**-**	**-**
वर्ष के दौरान परिवर्धन	67,74,248	-
जोड़िए : वर्ष के दौरान संवर्धन	4,11,23,000	1,35,47,504
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	-	-
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान उपयोग निधियॉ	(4,78,97,248)	(67,73,256)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**-**	**67,74,248**
एनपीआर/आरजीआई निधि (ब्याज)	2,71,14,92,267	2,41,40,08,733
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,28,72,03,561	2,08,83,75,827
जोड़िए : अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए : एनपीआर परियोजना खाते में अन्तरित	(1,95,81,86,524)	(1,79,08,92,293)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**3,04,05,09,304**	**2,71,14,92,267**
स्टाफ कल्याण निधि	46,14,893	43,17,165
जोड़िए : अधिशेष से ब्याज	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	3,12,221	2,97,728
उपलब्ध शेष निधियाँ	**49,27,114**	**46,14,893**
भवन रखरखाव निधि	258,744,287	-
जोड़िए : भवन निधि से हस्तांतरित राशि	-	28,74,93,652
घटाइए: मूल्यह्रास प्रभारित	(2,58,74,429)	(2,87,49,365)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**23,28,69,858**	**25,87,44,287**
एनइएफडी निधि	1,02,48,408	-
जोड़िए : अतिरिक्त अधिशेष	-	1,48,00,000
जोड़िए : वर्ष के दौरान प्राप्त व्याज	-	-
घटाइए : वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	(45,51,592)
उपलब्ध शेष निधियाँ	**1,02,48,408**	**1,02,48,408**
वर्ष के अंत में कुल शेष	**4,02,66,20,723**	**3,65,54,54,547**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 5 : सुरक्षित ऋण तथा उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को दृष्टिबंधक रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक से नकद उधार	-	-
अनुसूचित बैंकों से नकद उधार पर उपचित ब्याज एवं देय	-	-
अन्य संस्थान एवं एजेंसियाँ	-	-
निवेश के एवज में अनुसूचित बैंकों से सुरक्षित ऋण	-	-
योग	**-**	**-**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 6 : असुरक्षित ऋण तथा उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार से ऋण	-	-
अन्यों से ऋण	-	-
मांग नकद उधार	**-**	**-**
ऋण पर उपचित ब्याज एवं देय	**-**	**-**
योग	**-**	**-**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 7 : वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क) वर्तमान देनदारियां		
1. फुटकर लेनदार		
कम्प्यूटर तथा उपकरण	84,59,201	65,24,216
आपूर्तिकर्ता	2,07,69,564	3,99,27,799
सेवाएँ / अन्य	20,18,39,937	23,02,40,185
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	8,79,76,358	9,47,57,925
बयाना राशि / प्रतिधारण राशि	2,57,83,631	7,14,88,834
जमानती राशि / पुस्तकालय सुरक्षा	3,03,59,838	3,56,65,918
प्रतिधारण राशि दण्ड	43,19,36,380	43,21,07,642
3. प्राप्त अग्रिम		
विद्यार्थियों से	8,06,86,199	10,02,55,045
अन्य से	11,43,42,105	7,72,77,223
आरजीआई से	52,72,76,622	52,72,76,622
जम्मू तथा कश्मीर के स्कूली शिक्षा विभाग से	-	-
नाइलिट योजना से	20,311	3,41,934
4. व्यय की देयताएँ	-	-
उपचित ब्याज–सरकारी ऋण	-	-
उपचित ब्याज–वित्तीय संस्थान	-	-
उपचित ब्याज–अन्य	-	-
देयताएँ–एलआरयूआर (एनपीआर)	15,97,93,384	10,71,83,746
देयताएँ –अन्य व्यय	11,92,07,883	10,22,01,460
5. कर्मचारियों को देय वेतन, मजदूरी तथा अन्य दावे		
देय वेतन तथा मजदूरी	3,62,53,518	5,76,99,030
अदत्त वेतन तथा मजदूरी	32,41,451	30,98,861
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	96,47,544	2,69,96,214
अनुबंध पर कर्मचारियों के वेतन तथा मजदूरी	1,08,12,011	1,25,34,276
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान–(सीपीएफ / ईपीएफ)	46,90,216	53,03,983
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान–सीपीएफ	2,58,551	1,08,664
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान–सीपीएएफ / ईपीएफ	-	8,34,388
संस्था का अंशदान–सीपीएफ / ईपीएफ	25,48,218	55,22,442
ऋण की वसूली	8,000	-
	-	-

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. वेतन से वसूलियाँ जिनका प्रेषण शेष है	-	6,75,064
वेतन पर आयकर	56,22,802	37,05,315
जीवन/सामूहिक बीमा प्रीमियम	86,433	77,551
रोजगार/व्यावसायिक कर	1,60,089	2,56,346
प्रतिनियुक्ति पर गए व्यक्तियों से वसूली	425	425
वेतन से अन्य वसूलियाँ	12,25,228	14,29,948
सामूहिक बीमा	5,231	6,571
8. अन्य देयताएँ		
ठेकेदारो/पेशेवरों/किराए से काटा गया आयकर	28,95,884	58,87,667
देय परीक्षा व्यय–ओ/ए/बी/सी	33,83,218	40,59,017
प्रत्यायन व्यय देय	12,688	112,391
परीक्षा व्यय देय – सीसीसी/बीसीसी	14,87,731	9,96,986
चेक जारी/फटे–पुराने चेक	29,48,019	53,79,876
वापसी योग्य परीक्षा शुल्क	4,16,628	7,61,728
अन्य देय व्यय	9,05,99,329	5,08,40,548
लेखा–परीक्षक को देय राशि	8,61,713	4,79,886
वेतन पर टीडीएस	28,48,135	49,357
जीएसटी देय	9,48,76,260	5,64,03,395
केन्द्रीय बिक्री कर एवं वैट/सेवा कर/अन्य कर	6,09,575	4,41,053
केन्द्रों/विस्तार केन्द्रों/क्षेत्रीय कार्यालयो/एनपीआर परियोजना आदि	1,40,46,398	1,61,82,697
ईएसडीएम के लिए देय व्यय	-	-
चण्डीगढ़ केन्द्र दिल्ली जनशक्ति	-	1,618
विस्तार केन्द्र की देयताएँ एवं प्रावधान	-	-
सामग्री विकास के लिए पेशगी/सीसीसी/बीसीसीसी/सीसीसी	-	7,91,963
योग (क)	**2,09,79,96,708**	**2,08,58,85,809**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
बोनस के लिए प्रावधान	6,908	-
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य के लिए प्रावधान	97,57,780	-
व्यय और अन्य के लिए प्रावधान	-	40,866
छुट्टी नकदीकरण के लिए प्रावधान	25,22,63,628	24,54,87,782
उपदान के लिए प्रावधान	27,73,83,874	29,02,75,767
घटाइएः एलआईसी सामूहिक उपदान योजना द्वारा वित्तपोषित	-	-
योग (ख)	**53,94,12,190**	**53,58,04,415**
योग (क) + (ख)	**2,63,74,08,898**	**2,62,16,90,224**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 : स्थायी संपत्तियों का विवरण

विवरण	मूल्यह्रास की दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष की आरम्भ में लागत 01.04.2019 को	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि		4	-	-	4	-	-	-	-	4	4
क) फ्री होल्ड		42,000	-	-	42,000	-	-	-	-	42,000	42,000
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन	10%	1,46,74,89,564	57,33,750	-	1,47,32,23,314	46,72,72,446	10,36,50,063	-	57,09,22,509	90,23,00,805	1,00,02,17,118
क) फ्री होल्ड		29,26,73,337	17,64,616	-	29,44,37,953	7,94,75,204	2,12,99,501	-	10,07,74,705	19,36,63,248	21,31,98,133
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	10%	49,35,85,678	33,54,000	-	49,69,39,678	14,67,25,134	2,73,35,996	-	17,40,61,130	32,28,78,548	34,68,60,544
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर											
3. सयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	8,53,64,566	-	-	8,53,64,566	7,36,83,713	17,51,997	-	7,54,35,710	99,28,856	1,16,80,853
4. वाहन	15%	1,16,50,985	-	6,73,079	1,23,24,064	84,53,203	4,94,030	5,77,339	95,24,572	27,99,492	31,97,782
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	13,75,83,555	27,47,788	29,79,957	14,33,11,300	7,52,23,893	64,84,858	23,38,906	8,40,47,657	5,92,63,643	6,23,59,662
6. कार्यालय उपकरण	15%	11,03,02,488	1,35,57,340	1,85,04,033	14,23,63,861	6,48,28,666	93,56,069	1,26,19,232	8,68,03,967	5,55,59,894	4,54,73,822
7. कंप्यूटर तथा पेरिफल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	40,69,29,606	1,91,58,363	1,32,03,457	43,92,91,426	38,34,67,937	1,41,07,089	1,54,21,818	41,29,96,844	2,62,94,582	2,34,61,669
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	5,41,79,966	76,78,659	-	6,18,58,625	3,55,93,482	30,63,359	-	3,86,56,841	2,32,01,784	1,85,86,484
9. पुस्तकलय एवं पुस्तकें	40%	4,64,56,487	1,47,689	(6,045)	4,65,98,131	4,61,57,596	1,81,670	(6,045)	4,63,33,221	2,64,910	2,98,891
10. टयूबवेल जल अपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	39,25,081	1,14,657	-	40,39,738	10,31,904	11,46,561
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यंत्र	10%	75,07,041	76,135	(3,58,994)	72,24,182	58,15,173	3,79,390	(2,66,072)	59,28,491	12,95,691	16,91,868
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	4,98,03,343	38,871	-	4,98,42,214	4,12,42,283	17,47,121	-	4,29,89,404	68,52,810	85,61,060
14. अन्य स्थिर परिसंत्तियाँ	15%	29,35,381	10,000	-	29,45,381	17,53,996	1,71,072	-	19,25,068	10,20,313	11,81,385
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सड़क एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलिंडर	40%	72,534	-	-	72,534	72,533	-	-	72,533	1	1
					-						
योग		3,17,16,48,178	5,42,67,211	3,49,95,487	3,26,09,10,876	1,43,36,90,340	19,01,36,872	3,06,85,178	1,65,45,12,390	1,60,63,98,486	1,73,79,57,838

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 क : स्थायी परिसंपत्तियों का विवरण (प्रायोजित परियोजनाएँ)

(राशि रु. में)

विवरण	मूल्यह्रास की दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष की आरम्भ में लागत 01.04.2019 को	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि		5	-	-	5	-	-	-	-	5	5
क) फ्री होल्ड		1,01,177	-	-	1,01,177	-	-	-	-	1,01,177	1,01,177
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन	10%	3,93,83,467	1,00,33,555	-	4,94,17,022	23,70,726	6,66,632	-	30,37,358	4,63,79,664	3,70,12,741
क) फ्री होल्ड		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर											
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	58,45,930	-	-	58,45,930	40,05,822	1,84,011	-	41,89,833	16,56,097	18,40,108
3. सयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	92,98,003	3,60,222	-	96,58,225	52,54,428	6,18,424	-	58,72,852	37,85,373	40,43,575
4. वाहन	15%	24,77,172	-	(6,73,079)	18,04,093	14,69,553	1,36,782	(5,77,339)	10,28,996	7,75,097	10,07,619
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	4,22,36,668	49,67,665	(29,79,957)	4,42,24,376	1,43,13,466	30,15,505	(22,84,302)	1,50,44,669	2,91,79,707	2,79,23,202
6. कार्यालय उपकरण	15%	7,32,22,422	1,27,43,597	(1,88,78,338)	6,70,87,681	3,44,29,492	64,65,004	(1,28,48,313)	2,80,46,183	3,90,41,498	3,87,92,930
7. कंप्यूटर तथा पेरिफल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	18,35,20,189	4,78,40,205	(1,32,03,457)	21,81,56,937	14,79,34,476	2,43,22,560	(1,31,49,037)	15,91,07,999	5,90,48,938	3,55,85,713
8. विद्युत संस्थापन	15%	46,10,168	23,14,916	77,829	70,02,913	35,39,918	5,31,037	5,837	40,76,792	29,26,121	10,70,250
9. पुस्तकलय एवं पुस्तकें	40%	71,10,458	1,98,523	(1,28,475)	71,80,506	64,80,881	2,37,006	-	67,17,887	4,62,619	6,29,577
10. टयूबवेल जल अपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यंत्र	10%	3,66,951	8,30,032	-	11,96,983	1,51,149	96,725	-	2,47,874	9,49,109	2,15,802
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,21,57,196	23,63,937	(6,93,289)	5,38,27,844	2,47,41,050	58,17,394	-	3,05,58,444	2,32,69,400	2,74,16,146
14. अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	15%	40,290	-	-	40,290	8,493	4,770	-	13,263	27,027	31,797
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़क एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
						-					
योग		42,03,70,096	8,16,52,652	(3,64,78,766)	46,55,43,982	24,46,99,454	4,20,95,850	(2,88,53,154)	25,79,42,150	20,76,01,832	17,56,70,642

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 ख : स्थायी परिसंपत्तियों का विवरण अधिशेष निधि से बनाया गया

विवरण	मूल्यह्रास की दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
		वर्ष की आरम्भ में लागत 01.04.2019 को	वर्ष के दौरान बढ़ोत्तरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के आरम्भ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत में	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि											
क) फ्री होल्ड		21,62,860	-	-	21,62,860	-	-	-	-	21,62,860	21,62,860
ख) पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	4,22,85,726	1,77,95,125	-	6,00,80,851	94,61,837	48,41,252	-	1,43,03,089	4,57,77,762	3,28,23,889
ख) पट्टाकृत		32,03,63,241	-	-	32,03,63,241	6,16,18,954	2,58,74,429	-	8,74,93,383	23,28,69,858	25,87,44,287
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	29,76,156	57,393	-	30,33,549	5,87,398	6,44,791
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपर स्ट्रक्चर	10%	1,23,07,175	70,08,416	-	1,93,15,591	50,12,610	11,12,229	-	61,24,839	1,31,90,752	72,94,565
3. सयंत्र तथा मशीनरी एवं उपकरण	15%	1,20,42,862	18,22,651	-	1,38,65,513	57,53,464	10,97,177	-	68,50,641	70,14,872	62,89,398
4. वाहन	15%	53,68,521	32,48,663	-	86,17,184	25,63,314	8,44,021	-	34,07,335	52,09,849	28,05,207
5. फर्नीचर तथा फिक्सचर	10%	6,09,62,134	39,16,209	(1,08,300)	6,47,70,043	2,16,88,095	41,72,334	-	2,58,60,429	3,89,09,614	3,92,74,039
6. कार्यालय उपकरण	15%	3,22,11,790	38,56,660	(42,900)	3,60,25,550	1,59,77,185	28,82,246	(2,250)	1,88,57,181	1,71,68,369	1,62,34,605
7. कंप्यूटर तथा पेरिफल (सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर)	40%	17,58,66,150	3,57,85,205	-	21,16,51,355	13,36,18,495	2,35,11,817	-	15,71,30,312	5,45,21,043	4,22,47,655
8. विद्युत संस्थापन	15%	46,57,045	9,19,042	(77,829)	54,98,258	26,57,221	6,60,541	(5,837)	33,11,925	21,86,333	19,99,824
9. पुस्तकलय एवं पुस्तकें	40%	77,46,306	32,54,964	(322)	1,10,00,948	62,54,415	12,94,557	(2,807)	75,46,165	34,54,783	14,91,891
10. ट्यूबवेल जल अपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	7,93,495	1,70,147	-	9,63,642	5,53,687	58,010	-	6,11,697	3,51,945	2,39,808
11. इंटरनेट सम्पर्क	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. वातानुकूलन यंत्र	10%	23,81,822	7,65,505	-	31,47,327	16,95,131	2,05,474	-	19,00,605	12,46,722	6,86,691
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	79,78,453	2,38,92,812	-	3,18,71,265	67,50,984	22,50,817	-	90,01,801	2,28,69,464	12,27,469
14. अन्य स्थिर परिसंपत्तियाँ	15%	16,99,452	42,37,880	-	59,37,332	11,46,638	10,27,438	-	21,74,076	37,63,256	5,52,814
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़क एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलेण्डर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
					-						
योग		70,48,50,524	10,66,73,279	(2,29,351)	81,12,94,452	27,77,28,186	6,98,89,735	(10,894)	34,76,07,027	46,36,87,425	42,71,22,338

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 9 : निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		
i) कार्यालय छात्रावास एवं आवासीय भवनों का निर्माण	64,91,80,056	40,81,51,745
ii) सिविल परामर्श सेवा	28,50,36,357	24,18,94,874
iii) आनुषंगिक व्यय	-	-
iv) दिल्ली केन्द्र के लिए भवन का निर्माण	46,15,73,103	45,54,60,800
	-	-
योग (ख)	**1,39,57,89,516**	**1,10,55,07,419**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 10 : इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
अन्य (राष्ट्रीयकृत बैंकों में सावधि जमा)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	3,01,84,93,402	2,69,29,17,203
भवन निधि – मुख्यालय	43,20,41,209	40,18,99,589
भवन निधि दिल्ली केन्द्र–	3,04,48,880	2,86,75,053
पाठयसामग्री विकास निधि	28,81,109	26,93,245
अ.जा/अ.ज.जा, शारीरिक रूप से विकलांग तथा महिला छात्रवृत्ति निधि	-	-
पुरस्कार निधि	49,04,015	45,84,247
कर्मचारी कल्याण निधि	49,04,014	45,84,246
मानव संसाधन विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास निधि	5,85,96,322	5,46,42,748
आईईसीटी के उदीयमान क्षेत्रों में पाठ्यक्रम के पाठ्यविषय के विकास	50,00,000	63,75,000
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,92,38,739	4,59,73,254
चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति निधि–	52,89,704	49,20,067
ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण निधि	21,19,80,504	18,55,79,110
योग	**3,82,37,77,898**	**3,43,28,43,762**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 11 : निवेश – अन्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	13,87,35,061	17,52,99,649
डिबेंचर तथा बॉण्ड	-	-
सहायक कम्पनियाँ तथा संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य एफडीआर	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का सृजन	-	-
पंचायती राज एफडीआर	-	-
ग्रामीण भारत में कम्प्यूटर पाठ्यक्रम एफडीआर	-	-
आरएण्डएम, आईटी कुशलता तथा आईटीईएस–बीपीओ एफडीआर	-	-
एनईआर में आईईसीटी का प्रशिक्षण एफडीआर	-	-
एसएफआईएओ–एफडीआर	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कुशलता विकास चरण–2 एफडीआर	25,00,00,000	-
रांची केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
श्रीकाकूलम केन्द्र की स्थापना एफडीआर	-	-
नाइलिट अजमेर की स्थापना एफडीआर	-	-
योग	**3,88,73,5,061**	**17,52,99,649**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार तुलन–पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12 : वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम, आदि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
फुटकर देनदार – आपूर्तिकर्ताओं के लिए	1,36,15,482	1,36,32,952
फुटकर देनदार – सेवाओं के लिए	34,85,19,243	32,22,31,378
फुटकर देनदार – स्मार्ट क्लासरूम परियोजना (ज. व क.)/अन्य	10,02,48,670	16,69,04,019
फुटकर देनदार – केन्द्र	20,50,670	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(4,55,78,359)	(2,95,63,129)
फुटकर देनदार – आरजीआई	98,62,07,181	98,62,07,181
2. पास में स्टॉक (लेखन–सामग्री एवं प्रकाशन)	21,75,619	22,30,485
3. पास में नकद शेष		
पास में नकदी (परियोजना सहित)	59,478	18,342
पास में अग्रदाय राशि	23,587	5,155
पास में स्टाम्प	-	-
मार्गस्थ चेक/डीडी प्रेषण	2,20,340	-
पास में चेक/डीडी	-	4,87,744
4. बैंक में शेष		
चालू खाता	53,80,38,565	21,29,41,703
बचत खाता	1,25,22,44,274	1,29,93,68,366
अल्पावधि जमा	2,14,26,94,419	2,10,97,24,798
दीर्घावधि जमा	2,25,27,23,296	1,97,92,97,582
सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	1,82,25,698	2,98,15,598
जमा राशि पर अर्जित ब्याज	6,50,70,749	23,06,04,828
दीर्घावधि जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
इयरमार्क्ड निवेश पर अर्जित ब्याज	16,56,68,294	1,24,71,645
सहायता अनुदान निधि पर अर्जित ब्याज	64,71,900	15,086
5. अन्य वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	-	-
आस्थगित जीएसटी इनपुट क्रेडिट	5,63,53,563	6,43,60,953
एमइआईईटीवाई से प्राप्य अ.जा/अ.ज.जा फीस कंसेशन और अन्य	1,08,47,811	-
डिजीधन/अन्य प्रियोजनाओं के लिए एमईआईटीवाई से प्राप्य राशि	16,44,42,385	44,96,24,090
	18,28,729	18,28,729
शुल्क–आय वसूली योग्य	26,29,72,405	12,94,08,717
योग (क)	**8,34,51,33,999**	**7,98,16,26,222**
ख. ऋण, पेशगियाँ आदि	-	-
1. ऋण	-	-
कर्मचारियों को भवन निर्माण ऋण	8,80,855	10,17,665
कर्मचारियों को मोटर कार/स्कूटर ऋण	-	3,825
कर्मचारियों को अन्य ऋण	-	-
बाहरी संस्थानों को ऋण	-	-
ऋण पर उपचित ब्याज	2,71,251	2,24,257
सीपीएफ निधि को अग्रिम भुगतान	-	-

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

जारी.....अनुसूची 12 :

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. बसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	22,45,19,279	18,62,10,739
अन्य स्थिर परिसम्पत्तियों के लिए पेशगियाँ	21,060	-
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	65,44,264	31,37,662
अन्य को पेशगियाँ–बाहरी	19,67,57,837	19,64,90,801
घटाइए : अन्यों के लिए प्रावधान	-	-
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगी	-	38,265
यात्रा पेशगी	49,000	30,934
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	3,84,706	3,19,180
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–ओ/ए/बी/सी स्तर	60,21,037	17,49,652
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बायो/सीसीसी	1,24,712	1,25,302
परीक्षा अधीक्षकों को पेशगियाँ–बीयूडीए	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	5,36,335	3,16,849
कर्मचारियों से वसूली योग्य राशि	43,02,765	85,560
पार्टियों/केन्द्रों से वसूली योग्य राशि	3,75,42,229	7,73,26,051
स्रोत पर काटा गया आयकर	43,38,37,161	45,54,68,381
सेवा कर/जीएसटी	2,05,75,561	3,93,317
प्रीपेड खर्च/सदस्थता	21,06,835	15,31,918
सुरक्षा जमा	21,06,835	15,31,918
पेशगी व्यय/अंशदान	1,22,83,724	98,68,835
जमा प्रतिभूति	3,91,34,039	3,48,70,651
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	-	81,410
डिजिटल लाइब्रेरी के लिए केन्द्रों को पेशगी	-	-
एसटीपीआई को प्रदत्त लीजहोल्ड किराया	9,89,907	(61,232)
सीपीएफ ट्रस्ट से वसूली योग्य	-	-
अन्य चालू परिसम्पत्तियाँ (पूर्वोत्तर परियोजना)		
3 विविध व्यय तथा हानि	6,102	15,09,152
आस्थगित राजस्व व्यय		
4. अन्तर केन्द्र लेखा	-	-
क) आईजॉल केन्द्र	5,42,53,690	-
ख) औरंगाबाद केन्द्र	1	-
ग) कालीकट केन्द्र	16,55,82,798	-
घ) चण्डीगढ़ केन्द्र	43,560	-
ङ) चेन्नई केन्द्र	5,73,11,089	-
च) गोरखपुर/लखनऊ केन्द्र	443	-
छ) गंगटोक केन्द्र	-	-
ज) इम्फाल केन्द्र	52,78,862	-
झ) श्रीनगर/जम्मू केन्द्र	10,08,30,222	-
ञ) कोलकाता केन्द्र	-	-
ट) कोहिमा केन्द्र	-	-
ठ) शिलांग केन्द्र	95,02,284	-
ड) अगरतला केन्द्र	3,46,41,546	-
ढ) गुवाहाटी/तेजपुर केन्द्र	(1,00,078)	-
ण) ईटानगर/तेजु केन्द्र	(32,08,19,574)	(2,90,60,901)
त) मुख्यालय	-	-
थ) दिल्ली केन्द्र	-	-
द) पटना केन्द्र	-	-
ध) राँची केन्द्र	-	-
न) अजमेर केन्द्र	-	(31,30,973)
ब) शिमला केन्द्र	-	-
भ) रोपड़ केन्द्र	-	-
म) तिरूपति केन्द्र	-	34,39,314
य) भूवनेश्वर केन्द्र	-	(386)
र) पाली केन्द्र	-	37,42,210
ल) एनपीआर	(10,65,06,628)	-
योग (ख)	**98,70,09,231**	**94,58,30,794**
योग (क+ख)	**9,33,21,43,230**	**8,92,74,57,016**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

V.P. CHAWLA & CO. LLP CHARTERED ACCOUNTANTS New Delhi

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 13 : सेवाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श सेवाएँ/व्यावसायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	2,07,94,551	19,53,399
आईआरडीए परीक्षा	44,97,883	83,49,025
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा/ईएसडीएम	45,50,815	41,76,125
वेबसाइट अनुरक्षण/प्रयोगशाला अनुरक्षण	2,36,304	11,14,189
भर्ती परीक्षाओं का आयोजन	11,96,224	24,29,906
आयोजित ऑनलाइन परीक्षा फीस	10,37,612	2,70,832
कार्पोरेट प्रशिक्षण	5,03,571	20,80,358
कम्प्यूटर किराए पर लेना (इग्नू के लिए)	1,06,640	-
डेटा संसाधन सेवाएँ	-	-
कृषि जनगणना	-	5,26,201
पीएसईबी तथा अन्य	11,36,01,231	12,18,73,902
जनशक्ति सेवाएँ प्रदान किया जाना	1,18,03,53,315	1,05,62,13,680
योग	**1,32,68,78,146**	**1,19,89,87,617**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 14 : अनुदान/इमदाद

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान – एमईआईईटीवाई		
योजना–भिन्न – सामान्य	-	-
अनुदान – एमईआईईटीवाई से भिन्न	-	-
"योजना से अन्तरण/आवर्ती व्यय के लिए एमईआईटीवाई से प्राप्त (विस्तार केन्द्र तथा इएसडीएम/आईसीटी/एनईसीबी परियोजना मोड के अन्तर्गत)"	6,74,89,789	15,65,17,560
राज्य सरकार–मॉडल केरियर काउंसिल सेंटर	47,64,831	24,00,000
पट्टा किराया के लिए सहायता अनुदान का अन्तरण	-	-
योग	**7,22,54,620**	**15,89,17,560**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घावधि पाठ्यक्रमों के आयोजन से आय		
क) औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
बी.टेक	1,39,81,960	1,32,15,684
एम.टेक	1,52,37,000	1,36,14,425
बीसीए	2,41,00,390	2,15,66,285
एमसीए/एमएससी आईटी	1,01,55,745	1,04,32,721
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी	1,69,75,921	1,61,12,055
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/मैट्रिकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम/डीइपीएम	2,07,25,649	2,35,39,639
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
बी.टेक	2,84,831	3,39,473
एम.टेक	50,150	78,997
बीसीए	2,18,060	1,94,480
एमसीए/एमएससी आईटी	2,73,929	63,440
अन्य (पीजीडीसीए/पीएचडी/डीईपीएम)	4,75,361	4,68,772
परीक्षा शुल्क		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	20,55,470	6,25,340
एमसीए/एमएससी आईटी	3,45,200	1,45,270
अन्य (डीईपीएस)	8,21,011	12,63,651
ख) अनौपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	8,37,57,204	6,73,03,989
ए स्तर	59,41,352	53,03,915
बी स्तर	22,000	-
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	12,46,540	20,63,981
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
	93,64,471	1,55,85,199
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई तथा डीसीएसई)		
पंजीकरण तथा अन्य शुल्क	-	-
मैट ओ स्तर	54,500	3,55,244
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
अन्य	2,61,055	2,07,800
परीक्षा शुल्क	-	-
मैट ओ स्तर/ओ स्तर	6,34,620	9,59,649
जैव सूचना–विज्ञान	-	-
अन्य	**32,11,629**	**52,670**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. अल्पावधि पाठ्यक्रमों से आय (एक वर्ष से कम अवधि)		
क) पाठ्यक्रम शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	1,44,43,275	69,59,967
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	2,31,432	5,00,670
सीसीसी (कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	4,90,57,552	6,38,34,488
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	87,44,417
विशेष रूप से निर्मित अल्पावधि पाठ्यक्रम (प्रशिक्षण, आईटीईएस, टैली आदि)	10,51,07,626	8,81,23,016
ख) पंजीकरण तथा अन्य शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	472	5,800
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	1,593	531
सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	27,74,361	38,29,830
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
आन्तरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, बायो,इलेक्ट्रॉनिक व सर्किट डिजाइन आदि/एनएसक्यूएफ	38,39,883	65,890
ग) परीक्षा शुल्क		
एसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं में जागरूकता)	6,71,400	23,71,437
बीसीसी (मूलभूत कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	-	-
ईसीसी (विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम)	2,35,029	2,10,750
सीसीसी प्लस/सीसीएसी	8,84,601	11,81,500
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा संसाधन शुल्क, ईएसडीएम प्रभार, यूडीएके/जेयूडीए इएसडीएम/डीसीए आदि	42,31,603	2,000
अन्य (पीजीडीसीएए डीइटीइ एवं डीसीएसइ)	58,33,784	41,45,325
3. नाइलिट के योजनाओं से लाभ		
प्रत्यायन शुल्क		
अनंतिम प्रत्यायित फीस		
ओ स्तर	21,60,000	38,70,000
ए स्तर	-	2,70,000
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	30,000
अनन्तिम प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	20,000	-
सभी अनन्तिम एसीसीआर का संसाधन शुल्क	5,35,372	-
हार्डवेयर ओ स्तर	-	15,000
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	5,35,876	5,24,199
ए स्तर	1,63,522	1,32,194
पूर्ण प्रत्यायन का विस्तार सभी स्तर	8,10,000	12,00,000
ईएसडीएम/एनएसक्यूफ	60,000	13,39,972
अन्य – एसीसीआर शुल्क		
नाम/पता में परिवर्तन सभी स्तर		
प्रत्यायन का नवीनीकरण सभी स्तर	2,25,000	1,43,300
प्रत्यायन का विलम्ब शुल्क	6,16,345	6,85,583
पाठ्यक्रम का विविधिकरण	66,000	88,237
आस्थगित मामले	-	-
सभी स्तर पर एसीसीआर जारी रखना	10,000	30,000
परिवर्ती एसीसीआर–शुल्क/एसीएफ	9,75,839	8,70,839
	5,80,559	43,98,551

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 15 : फीस/अंशदान (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ख पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
ओ स्तर	3,23,99,000	3,31,28,100
ए स्तर	7,60,000	9,26,250
बी स्तर	65,750	76,250
सी स्तर	67,500	77,424
पुनः पंजीकरण/पहचान पत्र एवं अन्य	4,31,312	6,29,755
ग) परीक्षा शुल्क		
ओ स्तर	18,56,76,266	12,02,28,900
ए स्तर	73,83,000	68,03,140
बी स्तर	8,03,250	6,19,500
सी स्तर	2,75,817	1,94,914
परियोजना शुल्क	11,38,798	2,56,599
रियायत शुल्क	2,195	2,038
पुनःयोग शुल्क व अन्य	3,08,675	3,09,336
सकल/वास्तविक शुल्क ओ/ए/बी स्तर	2,43,72,350	2,31,95,300
4. सीसीसी एवं बीसीसी पाठ्यक्रम से प्राप्त आय		
क) कोर्स फीस		
बीसीसी	1,48,900	1,04,900
सीसीसी	4,31,950	19,96,162
ख) सुविधा प्रभार		
एसीसीआर–सीसीसी	61,69,500	1,12,52,627
ग) पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	-
घ) परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का भाग		
बीसीसी	28,71,751	29,43,000
सीसीसी	45,70,51,687	96,67,60,826
5. हार्डवेयर योजना से प्राप्त आय		
क) कोर्स शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	16,96,500
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	98,20,486	51,54,394
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	77,680	75,000
ख) पंजीकरण एवं अन्य फीस		
हार्डवेयर कोर्स	-	-
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	-	14,33,455
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
ग) परीक्षा शुल्क		
हार्डवेयर कोर्स	-	8,29,675
ओ स्तर–एच/डब्ल्यू	-	42,90,588
ए स्तर–एच/डब्ल्यू	-	-
योग	**1,13,45,21,037**	**1,57,00,50,808**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 – परियोजनाओं से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ (एमईआईटीवाई से भिन्न)		
पंचायती राज परियोजनाएँ	65,24,585	-
एनसीपीयूएल	26,56,04,067	26,20,10,049
एचपी स्कूल परियोजनाएँ	22,73,85,347	22,94,27,842
अन्य (डीओएनईआर, एसआईपीए, आरईओ मंडी–कोचिंग अ.जा./अ.ज.जा. सामाजिक न्याय एवं सशक्तीरण आदि)	34,72,660	4,58,30,572
एमइआईईटीवाई परियोजनाएँ		
ईएसडीएम परियोजनाएँ	16,71,022	24,55,309
ई–विद्या/ई–वेस्ट परियोजनाएँ	2,85,90,810	83,16,352
आईटी कुशलता में प्रशिक्षण/ग्रामीण जनता के लिए आईटी/बीसीसी–ई–सामावेशन	-	23,71,899
एनईआर क्षेत्र में आईईसीटी में प्रशिक्षण	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी प्रयोगशाला	21,50,055	56,91,440
आईटी आईटीईएस–बीपीओ में प्रशिक्षण	1,29,31,317	2,64,61,809
महिलाओं का प्रशिक्षण/अल्पसंख्यक समुदाय का प्रशिक्षण	-	30,54,300
ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण	-	-
ई–शासन में क्षमता निर्माण/क्षमता निर्माण कूच बिहार/ईपीडीपीटी	33,02,404	1,51,55,758
साइबर फोरेन्सिक प्रयोगशाला/साइबर सुरक्षा जागरूकता परियोजना/आईएसईए	2,69,17,860	41,68,112
जीवन प्रमाण परियोजना	-	-
एसएमडीपी एवं आईसीडीयू (जयराज–यूके)	-	80,87,776
संयुक्त परियोजना नाइलिट, सीएलटी; अमृता विश्व विद्यापीठ एवं सीएससी वीएलई (पीकेएस)	-	-
डीजीईएण्डटी–ओएमआर शीट स्कैनिंग	1,28,15,928	1,49,14,536
अनुसूचित जाति/जनजाति को प्रतिपूर्ति	51,59,790	2,65,64,968
एनबीसीएफडीसी कुशलता विकास पाठ्यक्रम	51,72,162	-
एंटीस्पैम समन्वय परियोजना	-	7,14,418
डिजीटल जागरूकता कार्यकम	1,04,873	-
डीजीधन मेला	-	-
अन्य (एसएफआईओ, एनडीएलएम, आईआईटी, बम्बई/आईसीटी परियोजना, बीएसडीएम/मॉडल कैरियर/आर्मी जवान क्लब, साइबर ग्राम योजना)	23,61,07,252	10,40,70,448
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित		
स्मार्ट क्लासरूम	-	1,80,33,819
बीएडीपी के अधीन कौशन विकास	-	6,00,000
जेआइसीए परियोजना	-	-
कर्मचारी प्रशिक्षण परियोजना (ईटीपी)	-	-
अन्य	54,45,079	1,03,68,598
अपनी परियोजनाएँ		
लोक सेवा आयोग	25,03,000	-
राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (एनडीएलएम)/जीएआईएल	-	2,24,621
मास्टर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण/एनइजीडी/जीवन प्रमाण/परीक्षा क्रियाकलाप/अन्य	9,89,79,085	6,03,04,212
मूल्यह्रास वापस लाया गया	4,30,07,528	3,76,31,467
विस्तार केन्द्र से आय–पूर्वोत्तर परियोजना	-	-
एनपीआर	2,44,768	93,62,359
योग	**98,80,89,592**	**89,58,20,664**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

J.P. CHAWLA & CO. LLP New Delhi

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 – प्रकाशनों की बिक्री से आय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विवरण पुस्तिका की बिक्री		
ओ स्तर	5,10,364	8,38,694
ए स्तर	192	-
ओ स्तर–हार्डवेयर	-	-
बीसीए	22,900	27,900
एमसीए	7,000	3,500
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	2,24,754	3,08,400
पाठ्यविवरण की बिक्री		
ओ स्तर	1,140	1,060
परीक्षा फार्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	-	-
बीसीसी/सीसीसी	-	12,850
अन्य वस्तुओं की बिक्री	13,500	27,200
प्रकाशनों की बिक्री–मुख्यालय/अन्य केन्द्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	1,58,495	90,882
रायल्टी से आय	-	-
योग	**9,38,345**	**13,10,486**

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 18 – अर्जित ब्याज

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	21,37,86,491	18,51,60,019
बचत खातों पर	1,67,12,612	2,38,36,562
कर्मचारी ऋण पर	53,174	57,152
अन्य पर–सुरक्षा जमा/ऑटो स्वीप/ निवेश आदि	72,06,223	25,23,943
ईयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि/जीआईए पर	3,83,63,481	3,36,71,331
घटाइएः डोनर प्रोजेक्ट को ब्याज अंतरण (वापस किया गया)	-	(23,000)
योग	**27,61,21,981**	**24,52,26,007**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 19 – टाउनशिप से प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्राप्तियाँ	14,44,620	8,17,138
जल प्रभार की वसूली	1,66,107	44,158
विद्युत प्रभार की वसूली	2,72,399	87,836
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियाँ	18,180	4,18,266
योग	**19,01,306**	**13,67,398**

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 20 – विविध प्राप्तियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	1,33,02,393	36,09,223
कार्यशाला प्राप्ति	6,81,500	1,37,282
अतिथि गृह/छात्रावास प्राप्तियाँ	1,26,53,163	1,00,20,374
अन्य फुटकर प्राप्तियाँ	89,94,164	89,00,434
योग (क)	3,56,31,220	2,26,67,313
गैर प्रचालन आय		
गत वर्षों से संबंधित आय	54,93,263	5,06,95,722
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री से लाभभ	18,926	1,74,455
असाधारण वस्तुओं से आय	34,04,496	4
चिन्हित निधियों के अधीन सृजित परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	2,58,74,429	2,87,49,365
अतिरिक्त प्रावधान वापस लाया गया	1,41,82,749	83,63,391
अनुदान की परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	19,00,83,104	20,62,68,079
योग (ख)	23,90,56,967	29,42,51,016
अन्तिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टॉक में बढ़ोतरी/कमी	1,66,040	1,21,605
भण्डार, अतिरिक्त–पुर्जे, खपत योग्य वस्तुएँ तथा संघटक–पुर्जे	-	-
योग (ग)	1,66,040	1,21,605
कुल योग (क)+(ख)+(ग)	**27,48,54,227**	**31,70,39,934**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 – स्थापना व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों का पारिश्रमिक		
वेतन तथा मजदूरी	68,50,89,611	66,92,58,150
समयोपरि भत्ता/अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	10,150	2,28,500
बोनस/अनुग्रह राशि	2,29,000	2,65,000
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	11,85,316
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	4,42,151	5,92,892
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	-	-
सेवानिवृत भुगतान	22,62,416	17,93,922
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रभार – प्रतिपूर्ति	4,40,85,228	4,15,47,350
छुट्टी यात्रा रियायत	22,95,517	81,80,238
प्रोत्साहन योजनाओं के अन्तर्गत भुगतान	-	-
छुट्टी का नकदीकरण	4,28,57,599	3,24,68,936
कर्मचारियों को अन्य लाभ	43,71,919	54,55,165
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	1,41,919	40,34,546
सीपीएफ पर ब्याज	-	-
संतान शिक्षा भत्ता/ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति	79,96,465	87,02,989
मेसिंग तथा प्रति दिन भत्ता	12,90,794	18,26,669
3. निधियों में संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में अंशदान	7,34,01,630	6,61,74,221
उपदान निधि में अंशदान	4,99,63,117	4,15,26,349
छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान तथा अन्य	73,34,386	44,66,039
परियोजना निधि को स्थानांतरित व्यय	-	-
योग	**92,17,71,902**	**88,77,06,282**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय लेखा के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैन्टीन पर व्यय	66,69,200	79,32,218
अन्य कल्याणकारी व्यय	35,16,228	59,67,863
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय		
मानदेय व्यय	1,82,486	1,25,496
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	7,33,94,582	5,55,45,347
3. किराया दर एवं कर	-	-
परिसर का किराया	3,78,67,275	4,49,78,279
भवन के सेवा प्रभार	38,45,452	55,02,351
वाहन शुल्क	-	1,30,864
विद्युत एवं जल प्रभार	3,79,02,144	3,85,82,546
4. बीमा	-	-
कार्यालय का बीमा	11,36,760	10,09,993
वाहन बीमा	4,94,714	4,62,323
अन्य बीमा	5,53,448	2,35,090
5. मरम्मत तथा रखरखाव	-	-
उपकरण	46,26,388	60,55,039
कार्यालय एवं आवास भवन	1,85,97,434	2,01,63,700
वाहन	18,79,751	17,30,778
अन्य/स्थिर परिसम्पत्तियाँ	48,34,398	31,68,382
6. यात्रा व्यय	-	-
अन्तर्देशीय	1,47,21,935	1,43,63,513
विदेश	12,49,948	9,555
वाहन प्रभार प्रतिपूर्ति	6,78,150	478,150
यात्रा व्यय – अन्य	10,000	40,611
स्थानांतरण व्यय	44,185	3,18,794
7. विज्ञापन एवं प्रचार–प्रसार	-	-
टेंडर आमंत्रण	1,63,296	1,76,269
भर्ती	7,78,246	3,97,222
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार	1,11,41,988	65,63,265
प्रदर्शनी एवं मण्डप	1,87,050	6,42,725
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	41,344	24,11,989
कार्यशाला व्यय	6,29,113	10,46,561
8. कार्यालय व्यय	-	-
पुस्तकें एवं पत्र–पत्रिकाएँ	6,15,510	9,90,704
डाक एवं तार	48,93,148	31,80,372
कूरियर एवं माल भाड़ा	71,838	6,47,679

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी.....)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट खर्च	1,02,56,295	98,66,099
खरीदी गई पाठ सामग्रियाँ एवं विकास	-	-
मुद्रण एवं लेखन–सामग्री	61,72,932	70,37,348
वाहन चालन व्यय	14,85,138	13,02,175
आतिथेयता व्यय	14,68,412	8,53,709
कर्मचारियों की वर्दी	7,160	42,179
विधायी/व्यावसायिक/परामर्श सेवा शुल्क व्यय	60,89,428	36,84,737
जनशक्ति व्यय	11,89,99,114	11,51,64,875
9. विविध व्यय	-	-
लेखा–परीक्षा शुल्क	12,86,449	9,52,086
अन्य भूमिका में लेखा परीक्षकों को भुगतान	3,41,717	3,03,569
अनुसंधान संस्थानों/आईईईई पुस्तकालय को अंशदान/लाइसेंस प्रभार	43,935	40,604
कार्मिकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	1,98,01,233	1,75,13,923
सॉफ्टवेयर विकास पर व्यय	14,900	14,949
सेमीनार एवं विकास पाठ्यक्रमों पर व्यय	12,06,303	10,23,355
कम्प्यूटरों का किराया	1,53,593	24,908
वाहन किराया	69,41,574	77,30,374
बैंक प्रभार	11,34,679	7,14,439
अतिथि गृह व्यय	1,99,657	89,258
अन्य फुटकर व्यय	2,07,67,175	1,99,02,862
बैठकों पर व्यय	19,18,401	27,92,241
परीक्षा व्यय/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक, जैव सूचना–विज्ञान)	39,87,949	59,04,356
एफिलिएशन फीस	25,66,122	5,47,338
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृत्ति	63,223	2,06,546
प्रत्यायन व्यय	-	-
परियोजनाओं पर व्यय का आवंटन/ परियोजनाओं से वसूल	(69,349)	(4,82,893)
पट्टा किराया का भुगतान (सहायता अनुदान)	-	-
अशोध्य ऋण बट्टा खाता	96,32,931	360
हानि–बट्टे खाते डाली गई	6,12,810	-
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध आस्तियां बट्टे खाते डाली गई	26,75,986	26,75,987
संघटक–पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तुएँ	16,93,967	34,94,468
10. ब्याज	-	-
वित्तीय संस्थानों से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	34,494	32,630
अन्य वस्तुओं पर ब्याज (स्पष्ट करें)	5,689	30,19,673
11. आयकर/व्यावसायिक कर	30,71,745	-
व्यावसायिक कर	2,500	2,500
अन्य कर (स्वच्छ भारत, जीएसटी आदि)	54,99,792	90,16,626
12. प्रावधान	-	-
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	1,11,56,830	1,07,45,444

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रसाशनिक व्यय (जारी...)

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
गत वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	1,98,32,428	1,32,60,679
स्थिर परिसम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	1,28,887	3,26,924
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय	-	-
दीर्घावधि पाठ्यक्रम	13,21,029	56,83,990
एम.टेक/एमसीए	2,97,367	4,24,332
सीसीसी योजना	1,35,53,388	1,63,90,430
बीसीसी योजना	-	-
अल्पावधि पाठ्यक्रम	9,11,46,585	17,66,66,238
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	23,82,555	11,79,937
आईटीईएस बीपीओ योजना	-	-
डीएसडब्ल्यूएस/डीडीसीएस योजना	-	-
जैव सूचना–विज्ञान पाठ्यक्रम/ईएसडीएम	36,17,798	-
14. बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	-	-
योग	**60,22,28,832**	**66,10,06,933**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास – सहायता अनुदान	**19,01,36,872**	**20,62,68,079**
स्थिर परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास– अतिशेष से	**6,98,89,735**	**6,62,22,609**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2020 की स्थिति के अनुसार आय तथा व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 23 – परियोजनाओं पर व्यय

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केन्द्र सरकार एमईआईटीवाई/डीएसटी/एआसीटीई/डीजी तथा इटी की परियोजनाएँ)	7,90,32,644	1,190,69,900
विस्तार केन्द्र पर व्यय	-	-
चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक परियोजना के लिए केन्द्र का अंशदान	-	-
राज्य सरकार	1,72,93,809	2,05,20,660
अन्य परियोजनाएँ	45,33,153	29,60,346
अपनी परियोजनाएँ	54,94,97,332	45,75,42,217
परियोजनाओं की स्थिर परिसम्पत्तियों का मूल्यह्रास	4,30,61,234	3,77,88,088
राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर	-	-
योग (क)	**69,34,18,172**	**63,78,81,211**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**1,14,97,22,105**	**1,01,55,80,605**
योग (क+ख)	**1,84,31,40,277**	**1,65,34,61,816**

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संरचना (नाइलिट)
(इलेक्ट्रानिकी संरचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का स्वयत निकाय)

31.03.2020 को समाप्त वर्ष के लिए रशीदें और भुगतान खातें

(राशि रुपए में)

क.सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क.सं.	भुगतान	आश्वासन	गत वर्ष
I	**अथ शेष**			I	**व्यय रू:**		
	क) पास में नकदी/अग्रदा/स्टाम्प	18,342	8,931		क) स्थापना व्यय	76,17,18,083	79,89,57,053
	ख) बैंक शेष		-		ख) प्रशासनिक व्यय	46,35,37,323	47,72,29,798
	i) चालू खातों में	20,79,90,237	24,51,48,280				
	ii) बचत खातों में	1,29,93,68,363	81,70,06,145				
	iii) अल्पावधि जमा में	2,08,47,46,595	2,60,99,91,514				
	iv) दीर्घावधि जमा में	1,97,34,54,522	1,58,34,23,453				
	v) दीर्घावधि जमा में– इयरमार्क्ड निधियां	2,69,29,17,203	2,41,15,52,988				
	vi) दीर्घावधि जमा में– सहायता अनुदान निधि	-	-				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-				
	viii) एनपीआर शेष	-	-				
II	**प्राप्त अनुदान**			II	विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त निधियों से किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)		
	क) भारत सरकार से						
	i) योजनागत	55,05,19,909	20,97,94,601		i) डोनर (आईटीईएस)	-	391,755
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजनागत निधि	42,03,44,177	31,30,89,978				
	iii) योजना भिन्न	47,64,831	4,34,00,000		ii) परियोजना व्यय के लिए पेशगियाँ	-	-
	iv) रिफर्विशमंट निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा कर्मियों का प्रमाणन	-	-
	v) अपराध विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना	-	-		iv) डीआईटी/डीएसटी तथा अन्य परियोजनाएँ (अपनी सहित)	1,38,42,812	4,71,86,704
	vi) केन्द्रों से अन्तरित निधि	-	-		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएँ)	-	-
	एनपीआर परियोजना	-	-		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएँ	-	-
	योजनागत निधि पर ब्याज	19,88,111	4,87,674				
	ख) राज्य सरकार से	1,62,23,931	-		पटना आरसी की स्थापना	-	24,41,12,422
	ग) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	-	6,88,61,457		केन्द्रों को जारी निधियाँ	1,16,83,95,970	63,72,77,311
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को जारी निधियाँ	4,26,62,672	-
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान एवं कालेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजनाओं पर व्यय	1,96,23,11,161	2,24,44,02,738
	iii) डीआईटी (सूचना सुरक्षा शिक्षण एवं जागरूकता के लिए)	8,20,68,474	25,94,474		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	-	-
	iv) डीआईटी (महिला सशक्तिकरण)	-	-		मुख्यालय को वापसी	1,16,47,460	15,87,193
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	-				
	vi) अन्यों से प्राप्त निधियाँ (राज्य सरकार तथा अन्य एजेंसियाँ)	-	-				
	vii) केन्द्रों को वितरण के लिए (योजनागत तथा योजना भिन्न)	1,52,42,21,541	-				
	viii) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को वितरण के लिए	-	1,42,15,33,809				
	ix) ई–अधिगम	-	-				
	x) आभासी परीक्षण परिवेश (वीटीई) सहित सूचना सुरक्षा कुशलता विकास के लिए परीक्षण स्थल का विकास	-	-				
	xi) डीआईटी (पटना आरसी की स्थापना)	11,62,92,452	-				
	xii) डीआईटी (अनु.जा/ज.जा अनुदान)/ एससीएसपी एवं टीएसपी	2,29,04,929	1,12,33,656				
	xiii) अन्य परियोजनाएँ	10,36,93,450	3,69,137				
	xiv) डोनर से प्राप्त	1,69,64,440	4,20,02,519				
III	**निम्नलिखित पर निवेश से आय**			III	किए गए पूँजीनिवेश तथा जमा		
	क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि	54,08,90,298	52,41,75,756		क) इयरमार्क्ड/एनडाउमेंट निधि से	69,96,42,676	78,69,08,500
	ख) अपनी निधियों (अन्य निवेश)	-	25,92,49,551		ख) अपनी निधियों से (निवेश–अन्य)	4,99,28,323	9,44,06,348
	ग) जीआईए निधि से	3,80,85,39,175	3,90,33,41,528		ग) सहायता अनुदान	4,06,28,81,633	3,55,49,56,032
	घ) एफडीआर का नकदीकरण	12,76,87,283	-		घ) अल्पावधि जमा	-	-

क.सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क.सं.	भुगतान	आश्वासन	गत वर्ष
IV	**प्राप्त ब्याज**						
	क) बैंक जमा राशि पर – सावधि जमा	35,47,83,676	32,11,71,659	IV	स्थिर परिसम्पत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		
	ख) बचत खाता पर	6,67,91,440	2,45,31,301		क) स्थिर परिसम्पत्तियों की खरीद	61,99,62,209	9,83,87,952
	ग) ऋण तथा अग्रिम आदि	11,65,18,369	3,45,98,637		ख) पूँजीगत निर्माणाधीन कार्य पर व्यय	19,52,68,033	5,95,94,109
	घ) बचत खाता–एनपीआर परियोजना	12,78,73,695	8,85,99,650				
	ङ) एफडीआर पर अर्जित ब्याज	3,72,615	17,99,317				
V	**आय (निर्दिष्ट करें)**			V	अतिशेष राशि/ऋण की वापसी		
	फीस/अंशदान	62,02,62,040	1,39,04,83,829		क) भारत सरकार को	-	-
	सेवाओं से आय	1,29,18,19,011	1,17,88,50,935		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	75,36,55,353	70,79,86,990		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	1,48,80,499	90,86,535
	प्रकाशनों की बिक्री से आय	6,43,643	10,44,732				
	टाउनशिप से प्राप्तियाँ	16,29,979	9,41,009				
	विविध आय	6,43,71,767	1,66,31,421				
	जैव–सूचना प्रौद्योगिकी पाठयक्रमों का कार्यान्वयन	-	-				
	संचित बचत नीधि	19,66,12,531	1,58,93,487				
VI	**उधार में ली गई राशि**			VI	वित्त प्रभार (ब्याज)	1,307	930
	नाइलिट योजना से पेशगी	-	3,40,84,112				
	मुख्यालय से प्राप्त सॉफ्ट ऋण	9,77,56,003	1,80,99,070				
VII	**कोई अन्य प्राप्ति**			VII	अन्य भुगतान		
	क) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-		क) सुरक्षा जमा, काशन मनी, ईएमडी आदि	31,48,406	3,49,02,177
	ख) जमा प्राप्ति (एसडी,ईएमडी,सीएमडी आदि)	2,44,11,560	5,16,61,328		ख) ऋण तथा पेशगियाँ (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	32,13,52,243	21,11,32,887
	ग) वसूलियाँ/पेशगियों की वापसी	161,061,964	5,53,10,659		ग) विविध व्यय	89,83,442	3,89,58,683
	घ) सावधि जमा का नकदीकरण तथा पूँजीनिवेश से आहरण	3,41,44,403	28,86,576		घ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	-	-
	ङ) विविध प्राप्तियाँ/प्रावधान	2,54,07,207	1,97,55,907		ङ) वेतन में कटौतियों का भुगतान	5,63,78,915	5,20,17,101
	च) फुटकर लेनदारों में वृद्धि/वर्तमान देयताएँ	40,91,97,405	28,55,52,307		च) फुटकर देनदारों/वर्तमान परिसम्पत्तियों में वृद्धि	3,58,31,147	12,85,55,187
	छ) फुटकर देनदारों में कमी	46,82,84,413	22,78,35,506		छ) फुटकर लेनदारों में कमी	20,63,25,084	41,00,61,112
	ज) अन्तर केन्द्र खाता	2,68,10,39,992	2,60,84,91,939		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	9,36,87,957	42,70,76,248
	झ) जारी लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेक	44,130	-		झ) पंजीकरण फीस	2,72,886	1,18,500
	ञ) वर्ष में निगमित नकद तथा बैंक शेष	-	5,75,565		ञ) गैर–प्रचालन व्यय	3,90,46,873	2,55,11,050
	च) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	7,80,03,634	9,12,64,800		ट) प्रत्यायन व्यय	-	-
	छ) ईपीएफ/सीपीएफ	1,85,51,872	1,45,32,784		ठ) अन्तर केन्द्र खाता	2,76,22,72,726	2,70,09,08,322
					ड) केन्द्रों को जारी अतिशेष राशि	12,17,53,212	5,12,13,993
					ढ) प्रदत्त सेवा आयकर/टीडीएस/वैट/व्यवसायिक कर/जीएसटी	18,32,27,484	26,08,70,443
					ण) सीपीएफ न्यास को देय	2,79,95,310	84,20,810
					ढ) संचित अधिशेष भुगतान	9,66,75,964	71,69,700
				VIII	इतिशेष		
					क) पास में नकदी/अग्रदाय/स्टाम्प	64,478	18,342
					ख) बैंक शेष		-
					i) चालू खाताओं में	53,80,38,565	21,29,42,353
					ii) बचत खाताओं में	1,25,22,44,274	1,29,93,68,363
					iii) अल्पावधि जमा में	2,08,60,89,935	2,06,97,46,595
					iv) दीर्घावधि जमा में	2,26,92,99,243	1,97,34,54,522
					v) दीर्घावधि जमा में–इयरमार्कड निधियाँ	3,01,94,66,660	2,69,29,17,203
					iv) सहायता अनुदान निधि के लिए दीर्घावधि जमा	-	-
					घ) एनपीआर खाता –पास में नकदी	-	-
					ङ) एनपीआर खाता –बैंक शेष	-	-
	योग	**23,18,88,34,965**	**21,65,98,48,971**		**योग**	**23,18,88,34,965**	**21,65,98,48,971**

हमारी इसी तारीख की लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार
कृते जे.पी. चावला एण्ड एसोसिएटस
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन 001875एन/एन50025

(राजीव तलवार)
मुख्य वित्त अधिकारी/प्र

(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)
महानिदेशक

(सीए. रजत चावला)
भागीदार
एम.सं. 510745

दिनांक: 29/12/2020
स्थान: नई दिल्ली

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संरचना (नाइलिट)

नाइलेट भवन, प्लॉट नं.3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077

अनुसूची 24 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप में संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी से, दिनांक 10.10.2011 से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12ए के तहत आयकर विभाग में पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कौशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थान के लिए मानक स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 20 केंद्रों– अइजोल , औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, रांची, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और जम्मू के माध्यम से कार्य कर रहा है।

निम्नलिखित नीतियां इसके विभिन्न केन्द्रों सहित नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें विभिन्न केन्द्रों की लेखा परीक्षित रिपोर्टों में लेखों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी शामिल हैं जो नाइलिट के समेकित वित्तीय विवरण का अंग बन गयी हैं।

1. लेखांकन की परम्परा

क) लेखांकन पद्धति

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा और जब तक नीचे अन्यथा उल्लेख न किया गया हो लेखांकन की अर्जित पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आंकलन तथा पूर्वानुमान करने होते हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि को बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को उस समय स्वीकार किया जाता है जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केन्द्र लेखांकन की अर्जन पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं:

क) अगरतला केंद्र के मामले में आईएसईए परियोजना –II और डोनर (डीओएनईआर) परियोजना से प्राप्त आय नकद आधार पर लेखांकित की जाती है।

ख) कालीकट केंद्र–छात्र परियोजनाओं से आय पूर्ण होने के आधार पर गणना में ली जाती है।

ग) नई दिल्ली और गुवाहाटी केंद्र ने भारत सरकार से वास्तविक रूप से प्राप्त अनुदान को नकद आधार पर लेखांकित किया।

घ) इम्फाल तथा श्रीनगर/जम्मू केंद्र ने पाठ्यक्रम शुल्क को प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया।

ङ) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनशील प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) तथा जागरूकता सृजन निधि (एसीएफ)को प्राप्ति आधार पर लेखांकित किया।

3. **एमईआईटीवाई द्वारा आवर्ती व्यय की पूर्ति हेतु केन्द्रों को जारी राजस्व अनुदान–सहायता को संबंधित केंद्रों द्वारा आय के रूप में लेखांकित किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:**

क्रं.सं.	नाइलिट केन्द्रों का नाम	धनराशि (रु.)
i	आइजोल	1,85,42,834/–
ii	गुवाहाटी	60,83,324/–
iii	गंगटोक	1,27,26,204/–
iv	रांची	91,72,635/–
v	मुख्यालय	2,09,64,792/–
	कुल	**6,74,89,789/–**

4. **निवेश**

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमाओं में निवेश किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधि के खाते में रखा जा रहा है ।

5. **इनवेंटरी**

औरंगाबाद केंद्र के मामले में, उन्होनें प्रधान कार्यालय नई दिल्ली की संशोधित और रूपांतरित नीति के अनुसार सामग्री, उपकरणों, प्रकाशनों, उपभोग्य सामग्रियों इत्यादि को मूल्यांकित किया व दर्शाया है। मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।

कालीकट केंद्र के मामलें में, स्टोर और पुर्जों, मुद्रण और लेखन सामग्री, प्रयोगशाला उपकरण और पाठ्यक्रम सामग्री के स्टॉक को वर्ष प्रबंधन के दौरान भौतिक रूप से सत्यापित किया जाता है और कम से कम लागत और शुद्ध वसूली योग्य माना जाता है।

चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, शेयरों को कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है।

6. **स्थिर परिसम्पतियाँ**

स्थिर परिसम्पतियों को लागत कम संचित मूल्यह्रास पर दर्शाया जाता है। खरीद की लागत में आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा खरीद से संबन्धित एवं प्रत्यक्ष व्यय को शामिल करके दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसम्पतियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कालीकट केन्द्र के संदर्भ में, यूएनडीपी द्वारा केन्द्र को अनुदान के रूप में दिए गए 17 उपकरणों के मूल्य को 1/–रु. के सांकेतिक मूल्य पर देयता एवं परिसम्पतियाँ दोनों ही पक्षों में दर्शाया गया है।

ख) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थायी परिसंपतियों को लागत (सकल) संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। लागत में, अधिग्रहण की लागत, संस्थापन, भाड़ा व शुल्क कर, अनुषंगी खर्च सम्मिलित है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 999 वर्षों के लिए 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

ग) चंडीगढ़ केंद्र के संदर्भ में, एससीओ 114–116, सेक्टर –17–बी, चंडीगढ़ में नाइलिट चंडीगढ़ (पूर्व में क्षेत्रीय कम्प्यूटर सेंटर) के कब्जे वाली इमारत में जून, 2014 में एक बड़ी आग की घटना हुई। वर्ष 2015–16 में उनके संबंध में हानियों/राईट ऑफ के संबंध में उपयुक्त लेखांकन प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। इस घटना में, केंद्र ने उस तारीख तक लगभग सभी अभिलेख खो दिये हैं, जिसमें स्थायी परिसंपत्ति रजिस्टर भी सम्मिलित था।

ड) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

च) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज पर निःशुल्क रूप में आबंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

छ) गुवाहाटी केंद्र के संदर्भ में, सिलचर तथा जोरहाट विस्तार केन्द्र की पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना के मामले में, 4 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विधुत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते डाला जाएगा। इसके अतिरिक्त, नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विधुत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.वी पद्धति पर किया जाता है।

"अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों" पर चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नाम किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

8. सरकारी अनुदान

वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान, नाइलिट को एमईआईटीवाई से जीआईए(योजना) और (गैर योजना) प्राप्त नहीं हुई है।

9. लेखां नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान, कोई परिवर्तन नहीं हुए हैं।

10. कर्मचारी के लाभ

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाता है। चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से समूह उपदान नकद संचयन के अधीन संबंधित कर्मचारी न्यास के पक्ष में ली गयी पालिसी द्वारा सुरक्षित किया गया। नाइलिट के कर्मचारी 14.12.2002 की स्थिति के अनुसार उपदान योजना के अन्तर्गत सम्मिलित हैं अर्थात प्रत्येक कर्मचारी की उस एक माह की परिलब्धियाँ (वेतन+ग्रेड वेतन), सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए है।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर किया जाता है।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 से ईपीएफ के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है। अप्रैल, 2013 से ईपीएफ में अंशदान को आरपीएफसी में जमा किया जा रहा है। 01.01.2003 से 31.03.2013 की अवधि के लिए ईपीएफ की बकाया राशि ईपीएफ कार्यालय में जमा की गई है। नाइलिट के सीपीएफ में रखी शेष राशि का समाधान किया जा रहा है।
- नाइलिट ने 1 सितंबर 2014 के बाद नियुक्त हुए सभी नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस योजना को अपनाया है।

अनुसूची 25: लेखाओं पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयता:

क) चंडीगढ़ केंद्र

(i) विभाग द्वारा उठाए गए सेवा कर की मांग:

क्रं.सं	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्व ारा उठाई गई मांग पर सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ द्वारा रोक लगायी गयी है। हालांकि, मामले में नियमित सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है।	रु.83,92,094/–समान रकम के जुर्माने और ब्याज के साथ ।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वर्ष 2012 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई लेखन सामग्री का मूल्य सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाई गई मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.3,55,310/– समान रकम के जुर्माने और ब्याज के साथ ।
3	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्त वर्ष 2014–15 के दौरान, सेवा कर विभाग ने कर योग्य सेवाओं के मूल्य छूटप्राप्त सेवाओं शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के 'ओ' लेवल के पाठ्यक्रम से आय और सीसीसी परीक्षा से आय आदि को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.46,23,975/–समान राशि के जुर्माने ,ब्याज और रु 10,000/– के अतिरिक्त जुर्माने के साथ।
4	आयुक्त (अपील) वस्तु और सेवा कर, लुधियाना	वित्तीय वर्ष 2011–12 के दौरान, सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्रों को वाणिज्यिक प्रशिक्षण और कोचिंग से अग्रिम प्राप्त और आय के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा उठाए गए मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु.28,21,447/– समान राशि के जुर्माने ,ब्याज और रु 10,000/– के अतिरिक्त जुर्माने के साथ।

ii) अन्य मुकदमें:

- नाइलिट, चंडीगढ़ ने स्कूल परियोजना के लिए प्रशिक्षक उपलब्ध कराने हेतु शेष धनराशि रु.15,66,021/– की वसूली हेतु केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की है, जिसके लिए बहियों में संदिग्ध ऋण के रूप में पहले ही प्रावधान किए गए थे। केवीएस ने न केवल केंद्र के दावे को खारिज कर दिया है बल्कि, केंद्र (पूर्व में आरसीसी) को अत्यधिक भुगतान के रूप में धनराशि रु.2,68,650/– का काउंटर दावा भी पेश किया है। मध्यस्थता कार्यवाही अभी तक समाप्त नहीं हुई है।

- ईएसआई ने अक्टूबर 2002 से मार्च 2003 की अवधि के लिए ईएसआई योजना के अनुपालन न किए जाने के लिए धनराशि रु.11,22,702/– और रु.3,03,947/– का मांग नोटिस जारी किया था। उपनिदेशक, ईएसआई के दिनांक 21.07.2011 के आदेश संख्या पीबी.17000399790001013/245 के माध्यम से मांग के भुगतान के लिए केंद्र को निर्देश दिया है। हालांकि, केंद्र ने अपील की है और तदनुसार 2013 की सिविल रिट, याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441 और 2013 की सीडब्ल्यूपी संख्या 5367 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में लंबित हैं, हालांकि, माननीय उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम राहत के रूप में मांग की वसूली पर रोक लगाई है।

- दिनांक 2 मई, 2014 के माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेशों के विरुद्ध, केंद्र ने माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के समक्ष सुश्री मनजीत कौर, पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' के द्वारा गलत ढंग से आहरित एचआरए और दांडिक ब्याज के लिए रु. 3,8 9, 642/– की वसूली के लिए 2014 में सिविल रिट याचिका सं 15204 को दायर किया गया था। इस मामले में कार्यवाही प्रक्रिया में हैं। उनकी सेवानिवृत्ति पर देय छुट्टी नकदीकरण की धनराशि में से रु3,89,642/– की उक्त राशि की वसूली कर ली गई है। सुश्री मनजीत कौर, इस केंद्र की पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' ने माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्यूनल, चंडीगढ़ बेंच में पुनः ओए संख्या 60/12 9/2018 के माध्यम से रोक लगाई गई धनराशि रु.3,8 9, 642 /– को जारी किए जाने संबंधी याचिका दायर की है तथा कार्यवाही प्रक्रिया में हैं।

  जब तक, माननीय द्वारा निर्णय लिया जाता है, धनराशि रु.3,89,642/– की आकस्मिक देनदारियों के रूप में माना गया है।

- दिनांक 29–01–2002 के पत्र सं. एमसी/ईएसटीएटीई/2002/4732 के माध्यम से आवंटित भूमि, के नगर निगम चंडीगढ़ के विरुद्ध वसूली योग्य धनराशि रु.43,24,045/– दिखायी गयी थी जो बाद में केंद्र द्वारा वापस की गयी। मुख्य प्रशासक, चंडीगढ़ और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा कोई भी राहत प्रदान न किए जाने के कारण, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे डिफॉल्ट रूप से भी खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, एक अन्य रिट मामले की बहाली के लिए दायर की गई थी। उस रिट याचिका को उसी कारण से पुनः नए रूप में फाइल करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। मनीमाजरा में भूमि आवंटन के लिए पुनः विचार करने के संबंध में नगर निगम, चंडीगढ़ के पक्ष में इस केंद्र द्वारा जारी किए गए रु.43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके और प्रीमियम, ग्राउंड रेंट के देरी से भुगतान पर ब्याज के लिए जारी मांग नोट की गैर–प्रयोज्यता के बारे में नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर, केंद्र सरकार के काउंसेल के माध्यम से नई रिट याचिका दायर की गई है। चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के लिए चंडीगढ़ के काउंसेल को प्रस्ताव का नोटिस जारी किया गया था। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अंतिम अवसर दिए जाने के बाद 23.09.2019 को नगर निगम चंडीगढ़ के वकील द्वारा उत्तर हलफनामा दायर किया गया है। कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस संबंध में केंद्र की लेखा बहियों में उचित प्रावधान पहले ही किया जा चुका है ।

- श्री वीके जैन, प्रभारी निदेशक, नाइलिट चंडीगढ़ तथा नाइलिट चंडीगढ़ के पंद्रह अन्य पूर्व कर्मचारियों ने, जो 01.01.2016 के बाद और 29.03.2018 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तिथि, जिसके द्वारा "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम,1972" के तहत एक कर्मचारी को देय ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि, 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है, ने माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ चंडीगढ़, के समक्ष आवेदकों को ग्रेच्युटी की संशोधित राशि रु.20 लाख सेवानिवृती की तिथि से भुगतान की तिथि तक 12% ब्याज के साथ स्वीकृत करने के लिए ओए सं. 60/1144/2018 दायर किया है। उत्तरदाताओं की ओर से जवाब माननीय सीएटी के समक्ष दायर किए गए थे। आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

ख) कोलकाता केंद्र

(i) आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि न्यास आयकर विभाग की मान्यता के साथ नाइलिट में 01.01.2004 से पहले कार्यग्रहण करने वाले कर्मचारियों की भविष्य निधि का खाता रख रहा था। तथापि 01.01.2004 को या उसके बाद नाइलिट में कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारियों का पी.एफ. ईपीआर और एमपी अधिनियम 1952 के अधीन नाइलिट मुख्यालय में रखा जा रहा है। केन्द्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7क के अन्तर्गत आदेश दिनांक 09.07.2008 तथा धारा 7ख के अन्तर्गत आदेश दिनांक 30.9.2009 प्राप्त हुआ है कि नाइलिट को ईपीएफ व एमपी अधि ानियम, 1952 के अन्तर्गत अगस्त 1982 से शामिल किया जाएगा। केन्द्र ने उपर्युक्त आदेश के खिलाफ ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली (समुचित प्राधिकारी) के समक्ष एक अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय भारत सरकार की गजट अधिसूचना दिनांक 26.07.1997 के अनुसार सीपीएफ अधिनियम, 1925 के अन्तर्गत शामिल है। लेकिन, ईपीएफ अपील न्यायाधिकरण, दिल्ली ने दिनांक 3 अगस्त, 2011 के आदेश के जरिए अपील को खारिज कर दिया है। उसके पश्चात केन्द्र ने माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में उक्त आदेश के विरुद्ध दिनांक 21 मार्च, 2012 को एक अपील दायर की है। उक्त अपील अभी तक लम्बित है।

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र से रु.6,27,413/– की माँग के समक्ष रु.1,56,854/– की राशि का भुगतान प्रतिवाद के अन्तर्गत किया है। मांग का केंद्र ने विरोध किया है।

(ii) सामान्य इनपुट सेवा पर प्राप्त सेनवैट क्रेडिट के लिए धनराशि रु.9,82,620/– (रु4,87,425/–) की सेवा कर की आकस्मिक देयता है जिसके लिए तुलन–पत्र तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा नियम 6(3) और सीसीआर नियम, 2004 के नियम 14 के अंतर्गत रु.4,95,195/–, जिसके लिए अपील सेवा कर प्राधिकरण में लंबित है, जिसमें से रु.4,95,195/– पर आयुक्त, सीजीएसटी और सीई.क्स, हावड़ा आयोग ने अपने आदेश संख्या 219/एस टैक्स–11/कोल 1/2018 दिनांक 20.03.18 के द्वारा विचार नहीं किया गया था।

(iii) पुराने बकाया देनदार– रु/–77,81,654 की देनदारियों की प्राप्ति के लिए अधिक अनुवर्ती कारवाई की आवश्यकता है – जो भी देनदारी 50,000रु से अधिक की हो।

(iv) लिखित प्रावधान से अधिक आय– पहले के वर्षों के अतिरिक्त प्रावधान बट्टे खाते में शामिल है, जो 5 साल से अधिक का, 16,66,944 रुपये के जादवपुर विश्वविद्यालय को देय किराए के संबंध में है और 2007–08 एवं 2008–2009 से संबंधित कैलीबेट से 1,53,833 रुपये की प्राप्त राशि।

ग) शिमला केंद्र

i) स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर का भुगतानः

क्रं.सं	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित धनराशि
1.	केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर विभाग, शिमला	दिनांक 01 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2016 की अवधि के लिए उच्च शिक्षा निदेशक हिमांचल प्रदेश के लिए प्रदान की गयी सेवाओं के बारे में सेवा कर विभाग ने सेवा कर के 49 प्रावधानों के उल्लंघन की जांच करने के लिए अभिलेखों की मांग की है।	रु.2,50,81,223/–

स्वमूल्यांकन के आधार पर सेवा कर के रूप में रु.2,50,81,223 का भुगतान किया गया है और चालू वर्ष अर्थात 2019–20 के दौरान खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है। हालांकि, सेवा कर विभाग द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है, जो वर्तमान में निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

आगे, नाइलिट ने उच्च शिक्षा विभाग, हिमांचल प्रदेश को पहले के वर्षों में प्रदान की गई सेवाओं पर सेवा कर लगाया है, तब इस तरह की सेवाओं को सेवा कर से छूट दी गई थी, सेवा कर विभाग को भुगतान किए गए सेवा कर की इस राशि के लिए प्राधिकारियों के साथ धन वापसी की अपील दायर की गई है।

ii) निदेशक उच्च शिक्षा, हिमांचल प्रदेश को प्रदान की गई सेवाओं को अक्टूबर, 2018 तक जीएसटी से मुक्त माना गया और उसके बाद जीएसटी को एकत्र किया गया और जीएसटी विभाग को भुगतान किया गया। इसलिए अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2018 तक की अवधि के लिए जीएसटी के कारण देयता हो सकती है।

iii) इसके जीएसटीआईएन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान कुछ जीएसटी भुगतान किए गए जिसमें जीएसटी धनराशि को जीएसटीआईएन द्वारा विलंब शुल्क के साथ परिगणित कम अथवा विलंब भुगतान था किन्तु, जीएसटी अधिनियम, 1961 कि धारा 50(1) में निर्धारित ब्याज, केंद्र द्वारा बहियों मे क्रमशः जमा नहीं किया गया/बुक में नहीं है, तथा जहां कहीं लागू हो, नकद भुगतान के आधार पर अंतिम भुगतान के रूप में प्राधिकारियों द्वारा मांग के अनुसार राशि का भुगतान किया जाएगा।

(iv) ईएसआईसी पोर्टल पर कर्मचारी के पंजीकरण में देरी के कारण कर्मचारी राज्य बीमा द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, वर्तमान में ब्याज या जुर्माना निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

2) पूंजी प्रतिबद्धता

क) लुंगलई विस्तार केंद्र और आइजोल केंद्र में भवन का निर्माण किया गया है, किया गया है, कुल अनुमानित निर्माण लागत रु.20,62,00,000/– है, जिसमें से रु.14,70,91,647/– दिनांक 31.03.2020 तक भुगतान किए जा चुके हैं।

ख) मुख्यालय के मामले में, एनबीसीसी टॉवर, किदवई नगर में कार्यालय की खरीद रु.47.01 करोड़ में की जा रही है जिसमें से रु.46.16 करोड़ दिनांक 31 मार्च, 2020 तक भुगतान किए जा चुके हैं।

ग) मुख्यालय के लिए नाइलिट भवन का निर्माण द्वारका, दिल्ली में किया गया है। इस संबंध में, नाइलिट ने 31 मार्च 2020 तक 42.64 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

3. वर्तमान परिसंपत्तियां, चालू देयताएं, प्रावधान और ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो, सामान्य कारोबार के दौरान वसूली योग्य होगा, केवल उन देनदारों को छोडकर जहां अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है ।

क) दिल्ली केंद्र के मामले में

i) फुटकर देनदारों के संबंध में इस वित्तीय वर्ष संदिग्ध ऋणों के लिए रु.1,11,56,830/– का प्रावधान किया गया है, जो तीन वर्षों (अर्थात दिनांक 31.03.2017 से पहले) से भी अधिक समय से बकाया है, जो प्रबंधन की राय में पर्याप्त है।

ii) शिक्षा निदेशक, झंडेवाला से रु.1,12,71,327/– की वसूली के समक्ष संदिग्ध ऋण के लिए रु.30,25,941/– का प्रावधान किया गया है। यह धनराशि 2004–05 से बकाया है। यह मामला मध्यस्थता के अधीन है। एक मध्यस्थ ने 27.12.2017 को शिक्षा निदेशालय को यह आदेश दिया कि वह नाइलिट को रु.78,98,437/– का दिनांक 23.03.2011 से भुगतान की तिथि तक उपरोक्त राशि पर प्र.व. 8% ब्याज सहित भुगतान करें। प्रबंधन की राय में, प्रावधान यथोचित हैं।

ख) चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

i) देनदार

क) चंडीगढ़ केंद्र में रु.1126.63 लाख के देनदार हैं जिसमें से रु.490.45 लाख तीन वर्षों से भी अधिक समय से बकाया हैं। बकाया देनदार वित्त वर्ष 2005–06 और उससे पहले से संबंधित हैं। बकाया राशि और उसकी अवधि पर विचार करते हुए लेखापरीक्षा के दौरान, यह पाया गया है कि बकाया राशि की वसूली/निगरानी के लिए कुछ तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। हालांकि, प्रबंधन का मानना है कि देनदार सरकारी विभागों से या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से हैं और वसूली योग्य हैं, और जिनमें मौजूदा पार्टियां भी सम्मिलित हैं, इसलिए संदिग्ध ऋण के प्रावधान के लिए मूल्यांकन नहीं किया जा सका।

ख) वर्ष के दौरान संदिग्ध ऋणों के सापेक्ष 48,58,400 रुपये का प्रावधान किया गया है और नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार आय और व्यय खाते में शुल्क लिया गया है।

पंजाब राज्य ऊर्जा निगम लिमिटेड (पीएसपीसीएल) द्वारा 2006 से जून 2017 की अवधि के दौरान नाइलिट चंडीगढ़ को किए गए भुगतानों में से कार्य अनुबंध कर काटा गया। नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए डब्ल्यूटीसी लागू नहीं है, इस तथ्य से पीएसपीसीएल को कई बार पत्रों के माध्यम से एवं बैठकों के दौरान अवगत कराया गया था। इस संबंध में एक विशेषज्ञ से भी राय लेकर पीएसपीसीएल को भेज दिया गया था। पीएसपीसीएल को बकाया राशि का भुगतान करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन हर बार जवाब दिया गया कि डब्ल्यूसीटी को सही तरीके से काट लिया गया है और संबंधित प्राधिकरण के पास जमा किया गया है। संबन्धित उत्पाद शुल्क और कराधान विभाग से राशि की वापसी का दावा करने के लिए जमा–प्रमाण के रूप में चालान विवरण देने का अनुरोध किया गया था, और हाल ही में पीएसपीसीएल द्वारा प्रदान किया गया है।

संबन्धित क्षेत्र में विशेषज्ञ के साथ मामले पर विस्तृत विचार–विमर्श के बाद, यह ध्यान में आया है कि डब्ल्यूसीटी का रिफंड केवल तभी दायर किया जा सकता है जो निर्धारित वैट अधिनियम 2005 के तहत पंजीकृत हो। नाइलिट चंडीगढ़ केवल सेवाएं प्रदान कर रहा था और वैट अधिनियम के तहत पंजीकृत नहीं था। इसके बाद पंजाब वैट अधिनियम, 2005 को 01.07.2017 से वस्तु एवं सेवा कर द्वारा तत्काल प्रभाव से प्रतिस्थापित कर दिया गया और उसके बाद पीएसपीसीएल द्वारा डब्ल्यूसीटी नहीं काटा गया। इसके अलावा, जीएसटी के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार वर्तमान जीएसटी देयता के सापेक्ष पूर्व–जीएसटी व्यवस्था में काटे गए डब्ल्यूसीटी को बंद करने का कोई प्रावधान नहीं है।

उपरोक्त के मद्देनजर, डब्ल्यूसीटी के रूप में पीएसपीसीएल द्वारा काटे गए 48,58,400 रुपये की संचयी राशि न तो देनदारों से वसूली योग्य लगती है और न ही संबंधित विभाग से वापसी के योग्य होती है। अतः विवेक की अवधारणा के अनुसार वर्ष के दौरान 48,58,400/– रुपये का प्रावधान संदिग्ध ऋणों के प्रावधान के रूप में किया गया है, उस समय तक उक्त राशि का मामला नाइलिट के सक्षम प्राधिकारी के पास निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए बट्टे खाते में डालने के लिए ले जाया गया है।

ii) सरकारी विभागों के पास जमा सुरक्षा राशिः

31.03.2020 को बकाया राशि 15.30 लाख रुपये है। इनमें कुछ विशेष सरकारी विभागों के पास रखी गयी कुछ पुरानी बकाया सुरक्षा जमा राशि रु.4.50 लाख की वापसी/वसूली के लिए शेषध् अतिदेय हैं। इस संबंध में उचित कार्रवाई हेतु तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

iii) शेष पुष्टिकरण/समाधानः

देनदारों, लेनदारों, छात्रों और अन्य, आदि से प्राप्त अग्रिम सहित पार्टी खातों में पुष्टि, तथा समाधान संबंधी आवश्यक समायोजन समाधान के फलस्वरूप शेष है। उक्त पुष्टि/समाधान किए जाने पर वर्तमान/पूर्व वर्षों की आय/व्यय तथा परिसंपत्तियां/देयताओं पर होने वाले उसके प्रभाव को ज्ञात नही किया जा सकता।

iv) जैसे कि, केंद्र, सरकारी विभागों/स्वायत्त निकायों के साथ मिलकर कार्य कर रहा है इसलिए, प्रबंधन की राय में, पूर्व प्राप्य राशियों जिनके लिए प्रावधान नही किया गया है या बट्टे खाते में नही डाली गयी हैं, की वसूली की आशा की जा रही है। हालांकि, दिनांक 31 मार्च, 2020 तक शेष धनराशि की पुष्टि नहीं हुई।

v) उपयुक्त जानकारी के अभाव में गत वर्ष देनदारों से प्राप्त किए गए रु.2,73,811.10/– की राशि उपयुक्त देनदार के खाते में जमा नही की जा सकी। उक्त समेकित राशि को कुल देनदारों से घटा दिया गया है।

vi) कार्यालय आदेश संख्या 01 (08) 2016–नाइलिट (सिविल) खंड–VI/9311 दिनांक 01.01.2019 के अनुसार अपनी कुछ गतिविधियां यूटी चंडीगढ़ सेक्टर–30 आईईटीई कैम्पस स्थित किराए की जगह से संचालित करते हुए, अप्रैल 2019 से नाइलिट चंडीगढ़ ने अपनी गतिविधियों को सी–134, पनकॉम भवन फेज–VIII, औद्योगिक क्षेत्र, एसएएस नगर (मोहाली) से बिरला फार्म्स कैम्पस बड़ा फूल, रोपड़ (पंजाब) में स्थानांतरित कर दिया गया है।

vii) सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से दिनांक 13.05.2019 के कार्यालय आदेश सं नाइलिट/एचक्यू/एडीटी/38/2019 के द्वारा, दिनांक 01.04.2019 से नाइलिट रोपड़ की खाता बहियों का विलय नाइलिट चंडीगढ़ की खाता बहियों में कर दिया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2019–2020 के लिए समेकित अंतिम लेखा तैयार कर लिए गए हैं। पिछले वर्ष के आंकड़े नाइलिट चंडीगढ़ और नाइलिट कुरुक्षेत्र (नाइलिट रोपड़ को छोड़कर) के समेकित आंकड़े हैं।

viii) 18 अगस्त, 2019 के दिन रोपड़ स्थित कार्यालय भवन बाढ़ से घिर गया जिसके कारण भवन, हार्डवेयर, फर्निचर तथा जुड़नार, विद्युत कनेक्शन, वाहन आदि क्षतिग्रस्त हो गए। न्यू इंडिया एश्योरेंस सह लिमिटेड के साथ बीमा मूल्य के आधार पर ली गई बीमा पॉलिसियों के तहत तुरंत बीमा का दावा किया गया। क्षति का प्रारम्भिक मूल्यांकन बीमा कंपनी के द्वारा प्रतिनियुक्त सर्वेयर ने पूरा कर लिया है तथा उसे सभी अपेक्षित निविष्टि प्रदान की गयी है। नष्ट/क्षतिग्रस्त संपत्ति के संबंध में विभिन्न ओईएम द्वारा दिए गए पुर्नस्थापना मूल्य के आकलन के आधार पर 3.50 करोड़ रुपये (लगभग) का दावा प्रक्रिया में है।

परिसंपत्तियों की क्षमता को उनकी मूल स्थिति में बहाल करने के लिए ,बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए विद्युत संयंत्रों, डीजी सेटों आदि की क्षतिपूर्ति, मरम्मत पर खर्च की गयी 18,69,056.00 रुपये की राशि, को आय और व्यय खाते में डाला गया है। दावे का निपटान प्रक्रियाधीन है और दावे की स्वीकार्यता को बीमा कंपनी द्वारा अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। इसलिए, कोई आय बुक नहीं की जा सकती क्योंकि प्राप्य दावे की राशि इस स्तर पर पता लगाने योग्य नहीं है।

आईटी उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यहास लगाया गया है जो बाढ़ की तारीख यानी 18/08/2019 में पूरी तरह नष्ट हो गए थे, तथा इन परिसंपत्तियों को अनुसूची 5(बी) में अलग–अलग चिन्हित किया गया है, जब तक की सक्षम प्राधिकारी से उसे बट्टे खाते में डालने की मंजूरी नहीं मिल जाती।

ix) 8,39,452 रुपये के पुराने चेक, जिनकी वैधता वर्ष के अंत में समाप्त हो गयी, जारी किए गए परंतु प्रस्तुत नहीं किए गए। उक्त राशि को इस संबंध में निर्धारित प्रक्रियाओं के लंबित निष्कर्ष के लिए उपयुक्त व्यक्तिगत/पक्षों के खातों में जमा किया जाना बाकी है। इसके अलावा रु 1,77,517 के पिछले वर्षों से संबन्धित चेक जमा किए गए लेकिन उनका निष्पादन नहीं हुआ, की जांच चल रही थी जो की पूरी हो चुकी है, लेकिन लेखांकन प्रविष्टियों को संबंधित केंद्र से प्रासंगिक रिकॉर्ड प्राप्त करने पर पारित किया जाएगा।

ग) मुख्यालय के मामले में

i) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने उनके मुख्यालय के निर्माण के लिए सेक्टर 8, द्वारका, नई दिल्ली में नाइलिट को 4277.88 वर्ग मीटर का एक प्लॉट आवंटित किया है। जमीन की अंतिम लागत को डीडीए द्वारा अंतिम रूप दिया जाना शेष है।

ii) श्री सुबोध राज और श्री रामनिवास शर्मा द्वारा जिला उपभोक्ता निवारण फोरम, जयपुर में शिकायत दर्ज की जा रही है। नाइलिट ने जिला फोरम में 21,000/– रुपये की सावधि जमा, राशि जमा की है। अब यह मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग नई दिल्ली में लंबित है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुनवाई की अगली तारीख 06/01/2021 को तय की गई है।

iii) एसीसीआर शुल्क पर वित्तीय वर्ष 2013–2014 से 2015–2016 की अवधि के लिए तथा परीक्षा प्रपत्रों के लिए वित्तीय वर्ष 2013–2014 से 2015–2016 की अवधि के लिए, सेवा कर विभाग द्वारा की गयी लेखा परीक्षा के आधार पर नाइलिट (मुख्यालय) ने रुपये 15,49,377/– सेवा कर तथा सेवा कर पर ब्याज के रूप में रुपये 13,72,360/– का भुगतान किया।

घ) शिलांग केंद्र के मामले में

नाइलिट और पीएमसी के बीच निष्पादित समझौते के अनुसार "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर उत्तर–पूर्वी क्षेत्र का विकास" शीर्षक परियोजना के अंतर्गत नाइलिट शिलांग ने वित्त वर्ष 2016–2017 के दौरान, परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) को 'मोबिलाइजेशन अग्रिम' के रूप में 2,86,50,000/– रुपये की राशि का भुगतान किया।

पीएमसी को दिये गए मोबिलाईजेशन अग्रिम के विवरण निम्नानुसार हैं:–

हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंसट्रकशन लिमिटेड	रु. 2,02,00,000/–
(शिलांग केंद्र के लिए)	
नेशनल प्रोजेक्ट्स कंसट्रकशन कार्पोरेशन लिमिटेड	रु 84,50,000/–
(तूरा विस्तार केंद्र के लिए)	

25 अप्रैल 2019, को नाइलिट इम्फाल केंद्र में आयोजित 7वीं पीआरएसजी की बैठक के अनुसार एवं माइटी से प्राप्त अनुमादन के पश्चात, नाइलिट शिलांग केंद्र एवं नाइलिट तूरा विस्तार केंद्र, दोनों के लिए होने वाले परिसर निर्माण को, तत्काल प्रभाव से परियोजना से हटा लिया गया है। 28 फरवरी, 2020 को नाइलिट गुवाहाटी केंद्र में आयोजित 8वीं पीआरएसजी की बैठक के अनुसार, पीआरएसजी ने नाइलिट को राज्य शासन से उपयुक्त भूमि पर कब्जा पाने के बाद नाइलिट शिलांग केंद्र की स्थापना के लिए माइटी को नया प्रस्ताव प्रस्तुत करने का सुझाव दिया है। नाइलिट शिलांग केंद्र के पास पहले से ही उसमावली, माडीयांगडींग, शिलांग में जमीन है, और नए प्रस्ताव को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है, और उसे जल्द ही प्रस्तुत किया जाएगा। तुरा की भूमि को जल्द से जल्द राज्य सरकार को वापस कर दिया जाएगा क्योंकि तुरा विस्तार केंद्र के परिसर निर्माण कार्य को तत्काल परियोजना से हटा दिया गया है।

दिनांक 6 मार्च, 2020 को प्रेषित पत्र संख्या 2686 के माध्यम से 2,02,00000/– रुपये के मोबिलाईजेशन अग्रिम को वापस करने का अनुरोध किया गया है। इस संबंध में मेसर्स एचएससीएल द्वारा की जाने वाली कारवाई अभी तक लंबित है। इसके अलावा इंडियन बैंक, रसेल स्ट्रीट ब्रांच, कोलकाता को दिनांक 24 मार्च,2020 को प्रेषित पत्र संख्या 2695 एवं दिनांक 14 मई, 2020 को प्रेषित अनुस्मारक पत्र संख्या 2717 के माध्यम से, नाइलिट शिलांग के पक्ष में, बैंक गारंटी सं 000364IG160000019 के नकदीकरण के लिए आवश्यक करवाई करने हेतु अनुरोध किया गया है। इंडियन बैंक, रसेल स्ट्रीट ब्रांच कोलकाता द्वारा, इस संबंध में, बीजी के नकदीकरण के लिए की जाने वाली आवश्यक कारवाई अभी तक लंबित है।

छात्रों से एकत्रित परिभाव्य धन के लिए रु 9,45,030/– (नौ लाख पैतालीस हजार तीस रुपये मात्र) की राशि देय है ।

रु 25,270/–(पच्चीस हजार दो सौ सत्तर रुपये मात्र) की राशि TRACES वेबसाइट के अनुसार बकाया है। टीडीएस मांग को बट्टे खाते में डालने के लिए, मामले को आगे देखा जा रहा है ।

च.) आइजोल के मामले में

- दिनांक 31.03.2020 को रु 1,27,05,962/– के रूप में शुल्क और करों का संतुलन "चालू परिसंपत्तियां ऋण और अग्रिम आदि" के तहत दर्शाया गया है। इसमें से रु 1,07,22,252 /– एनई बिल्डिंग वर्क्स (आइजोल एवं लुंगलेई) के निर्माण के कारण उत्पन्न होने वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित है। मामले की समीक्षा की जानी है।
- एससी/एसटी उप–योजना के लिए वित्त–वर्ष 2019–20 के दौरान मुख्यालय को, माइटी, भारत सरकार से रु 11,73,89,324/– प्राप्त हुए। इसके बाद मुख्यालय ने नाइलिट, आइजोल से प्राप्य राशि के रूप में रुपये 1,50,00,000/– समायोजित किए एवं रुपये 10,23,89,324/– की शुद्ध राशि नाइलिट आइजोल को हस्तांतरित की गई।

छ.) औरंगाबाद केंद्र के मामले में

- खातों से यह पता चलता है कि टीडीएस प्राप्य खातों के संबंध में वित्तीय वर्ष 2015–16 के अलावा वित्तीय वर्ष 2013–14 से 2018–19 तक बहुत पुराने शेष हैं और आवश्यक प्रविष्टियों को पारित किया जाना आवश्यक है जिसकी कुल धनराशि रु. 86,02,682/– है। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई प्रधान कार्यालय के परामर्श से की जानी चाहिए।
- आस्थगित राजस्व व्यय से वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए व्यय के रूप में 15 लाख रुपये विनियोजित किए गए हैं।

ज) अजमेर के मामले में

- रु.4,21,820/– की राशि जो चालू आस्तियों के अधीन 'ओ' लेवेल से अर्जित आय के रूप में दर्शायी गई है, वित्त वर्ष 2015–16 से लंबित है।
- एमओपीआर परियोजना पर रु 3,32,000/–, ग्रामीण युवा परियोजना पर रु 4,96,800/–, अन्य से अग्रिम पर रु 25,550/– एवं रु 30,300/– की बीसीसी परीक्षा व्यय देय के बारे में हमें बताया नहीं गया है, यह हमारे द्वारा असत्यपित है।
- हेड स्टेल चेक खाते के तहत रु 2,25,512/– की राशि, वर्तमान देनदारियों के अंतर्गत लंबे समय से बकाया है, जिस पर उपयुक्त कारवाई की आवश्यकता है।
- डीजीईटी परीक्षा के देनदारों में रु 3,99,660/– शामिल हैं जो 3 साल से भी अधिक समय से बकाया है। इसके लिए हमारे सामने कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया था, इसलिए यह हमारे द्वारा असत्यापित है। औरंगाबाद केंद्र से रु 5,39,948/– की राशि को वसूली योग्य दर्शाया गया है। हमें यह सूचित किया जाता है कि उस केंद्र से कुछ भी वसूल करने योग्य नहीं है।

- रु 35,55,279/– की राशि को टीडीएस प्राप्य के रूप में मौजूदा परिसंपत्तियों के तहत दिखाया गया है, जिसके लिए उपयुक्त समायोजन की आवश्यकता है, क्योंकि टीडीएस का दावा मुख्यालय द्वारा किया गया है।
- वित्त वर्ष 2018–19 और 2019–20 के लिए जीएसटी ऑडिट की प्रक्रिया चल रही है और अभी तक पूरी नहीं हुई है।

झ) कोहिमा के मामले में

- कंप्यूटर वर्कस्टेशन की आपूर्ति के लिए मेसर्स आरके एंटरप्राइजेज को किए गए रु 23,67,550/– के भुगतान पर जीएसटी और टीडीएस नहीं काटा गया है।
- कंप्यूटर टेबल और कुर्सियों की आपूर्ति के लिए मेसर्स क्रिएटिव इंटीरियर्स को किए गए रु 4,67,600/– के भुगतान पर जीएसटी और टीडीएस नहीं काटा गया है।

4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अधीन संचित बचत का उपयोग

31.032020 तक संचित बचत के उपयोग का विवरण:

क्र.सं.	केंद्र का नाम	वित्त वर्ष 2014–15 हेतु संचित बचत का उपयोग			दिया गया आपूर्ति आदेश/ लॉकडाउन, कोविड के कारण वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान पूंजी प्रतिबद्धता , प्राप्त की गयी आपूर्ति ,वित्त वर्ष 2020–2021 के दौरान पूंजी प्रतिबद्धता का निर्वहन	31.03.2020 तक उपयोग में लायी गयी कुल राशि	टिप्पणी
		वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान प्रयुक्त	वित्त वर्ष 2019–20 के दौरान प्रयुक्त	कुल			
1	2	3	4	5=(3+4)	6	7 =(5+6)	8
1	श्रीनगर/ जम्मू	–	10,19,64,102	10,19,64,102	1,09,000	10,20,73,102	छात्रावास का निर्माण एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद
2	चेन्नै	–	3,95,54,178	3,95,54,178	–	3,95,54,178	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
3	अगरतला	49,07,679	65,04,193	1,14,11,872	12,95,807	1,27,07,679	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
4	इम्फाल	–	1,32,77,000	1,32,77,000	–	1,32,77,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
5	आइजोल	47,19,000	74,71,000	1,21,90,000	–	1,21,90,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
6	कोहिमा	–	33,10,000	33,10,000	–	33,10,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
7	कालीकट	34,80,392	3,81,39,468	4,16,19,860	97,57,780	51,377,640	एपीजे अब्दुल कलाम छात्रावास का निर्माण एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद
8	गोरखपुर	–	1,40,69,353	1,40,69,353	–	1,40,69,353	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
9	पटना	–	7,24,000	7,24,000	–	7,24,000	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
10	कोलकाता	–	1,29,42,924	1,29,42,924	–	1,29,42,924	साल्ट लेक परियोजना एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद
11	चंडीगढ़	1,80,175	90,27,633	92,07,808	69,22,367	1,61,30,135	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
12	औरंगाबाद	2,90,01,804	4,43,89,865	7,33,91,669	128,76,821	8,62,68,490	छात्रावास, वार्डन/ईडी निवास का निर्माण एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद
13	मुख्यालय	3,48,82,161	75,12,303	4,23,94,464	90,90,917	5,14,85,381	किदवई नगर में निर्मित स्थान एवं पूंजीगत संपत्ति की खरीद
14	नई दिल्ली	–	69,58,684	69,58,684	–	69,58,684	पूंजीगत संपत्ति की खरीद
	कुल	7,71,71,211	30,58,44,703	38,30,15,914	4,00,52,692	42,30,68,606	

5. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)

(क) आकस्मिक देयताएं:

(i) दिनांक 26 सितंबर, 2017 को हुई नाइलिट की अधिशासी परिषद की 35वीं बैठक में, जैसा निर्णीत था की एमएसपी द्वारा उद्धृत 4.3: फीसदी की डिजिटल दर की एलआरयूआर की लागत में कटौती किए बिना डाटा डिजिटलीकरण कार्य के भुगतान के लिए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा मध्यस्थता याचिका दायर की गयी थी। 23 अप्रैल 2020 को दावेदार के पक्ष में मध्यस्थ ने 11,23,31,726/– रुपये की राशि 11% प्रतिवर्ष की दर के साथ 04.06.2015 तिथि से वर्तमान तिथि तक भगतान करने का फैसला सुनाया।

क्षेत्रवार विवरण इस प्रकार है:

(a) क्षेत्र सं 8 – 11	(बिहार)	रु 2,83,48,309/–
(b) क्षेत्र सं 62	(यूपी)	रु 1,94,88,226/–
(c) क्षेत्र सं 61	(यूपी)	रु 2,51,65,706/–
(d) क्षेत्र सं 2,3 एवं 4		रु 3,93,29,485/–
	कुल	**रु 11,23,31,726/–**

मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के तहत, नाइलिट्ट द्वारा 23.04.2020 के मध्यस्थता के फैसले को रोकने और चुनौती देने के लिए मध्यस्थता याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है।

चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

(ii) मेसर्स अवास इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में आवंटित तीन जोन 52, 56 और 57 के डाटा डिजिटाइजेशन कार्य के संबंध में 6,01,26,36 रुपये के बकाया भुगतान को जारी करने के संबंध में सिविल रिट याचिका दायर की गई है। जिसका भुगतान नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा किया गया था, लेकिन ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के आदेशों के अनुसार रोक दिया गया था । इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 10.11.2020 है ।

गोरखपुर केंद्र के मामले में

i. नाइलिट गोरखपुर 7,24,77,407.00 रुपये के दावे के खिलाफ एकमात्र मध्यस्थ न्यायमूर्ति जी रोहिणी के माननीय मध्यस्थ न्यायाधिकरण के समक्ष मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्कर्स फाइनेंस लिमिटेड और नाइलिट के बीच मध्यस्थता के मामले में प्रतिवादी है जिसके परिणामस्वरूप भविष्य में देयता का भुगतान हो सकता है।

ii. एनपीआर परियोजना के प्रति देयता में एमएसपी को देय राशि उनके बिलों/चालानों के आधार पर शामिल है। हालांकि, एमएसपी के चालानों की गणना 6,48,18,991 रुपये (पिछले वर्ष 6,48,18,991 रुपये)/लगाए गए जुर्माने को अनुसूची–8 के तहत देनदारियों के रूप में रखा गया है, जो आरएफपी की अवधि के दंड खंड के अनुसार एमएसपी के लिए जुर्माना शुल्क की ओर देनदारियों के रूप में रखा गया था।

(ख) चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम

प्रबंध वर्ग की राय के अनुसार, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों को उस मूल्य पर बताया गया है जिस पर उसे व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में वसूल किया जाएगा ।

(ग) इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग (अब माइटी) ने अपने पत्र संख्या एफएनओ 7(2) 2011–ईजी–1 दिनांक 05/04/2011 के द्वारा 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के सृजन हेतु जनसांख्यिकी; डेटा डिजिटाइजेशन और बायो–मेट्रिक डेटा संग्रह का काम सौंपा है।

आरजीआई ने उनके दिनांक 27.06.2012 के डीओ संख्या 9/83/2010–सीआरडी (एनपीआर) के माध्यम से नाइलिट से बायो–मेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण के कार्य को वापस ले लिया है।

(घ) भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के निष्पादन के लिए नाइलिट को रु.522.24 करोड़ की अग्रिम धनराशि जारी की थी। डाटा डिजिटाइजेशन (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग रु.569 करोड़ है।

(ड़) डेटा डिजिटलीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अंतिम डिजिटाइज्ड डेटा अक्टूबर, 2013 के दौरान आरजीआई को सौंप दिया गया है। हालांकि, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान पहले नहीं किया जा सका, क्योंकि, नाइलिट ने एमएसपी द्वारा प्रस्तुत किए गए बिलों के सामक्ष आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) के अनुसार जुर्माना लगाया था जिसका एमएसपी द्वारा, विरोध किया गया था। आगे आरजीआई (भारत के रजिस्ट्रार जनरल) द्वारा एलआरयूआर (सामान्य निवासियों का स्थानीय रजिस्टर) के सुधार के कार्य को भी वापस ले लिया गया। जुर्मानो और एलआरयूआर सुधार लागत के निपटारे से संबंधित मामला नाइलिट के सक्षम प्राधिकारी के समक्ष रखा गया था। सक्षम प्राधिकारी ने निम्नानुसार अनुमोदन दिया था:

(i) एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती के बाद एमएसपी को पारदर्शी और उत्तरदायी तरीके से भुगतान जारी किया जाना चाहिए, जिसे एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का /4.3% निर्धारित किया गया है।

(ii) एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को आरजीआई को वापस किया जाना है।

(iii) एलआरयूआर वापस लेने के कारण कार्यक्षेत्र मे परिवर्तन और भुगतान से संबंधित नियम और शर्तों में परिवर्तन के कारण एमएसपी के साथ हुए समझौतों को संशोधित करना।

(च) सक्षम प्राधिकारी के निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण लागत में की गई कटौती को "चालू देयताओं और प्रावधानों" के अंतर्गत उप शीर्ष प्रमुख देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) के अंतर्गत गणना में लिया गया है।

(छ) रु.304.05 करोड़ की ब्याज धनराशि अर्जित/अप्रयुक्त अग्रिम राशि को देयताओं व आरजीआई से गिल्ड लाइनों की अनुपस्थिति में ब्याज आय के रूप में लेखांकित नहीं किया जाने के अंतर्गत निर्धारित किया है।

(ज) एनपीआर परियोजना के संबंध में सभी एनपीआर प्रतिभागी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 से अलग खाताबहियाँ रखी गयी हैं, और वित्त वर्ष 2012–2013 से अलग वार्षिक खाता तैयार किया गया है।

(झ) जून 2014 के दौरान चंडीगढ़ के एससीओ 114–116 सेक्टर 17बी में नाइलिट चंडीगढ़ केंद् के कब्जे वाले कार्यालय भवन में बड़ी आग लग गई। वित्तीय वर्ष 2015–2016 में हानि/बट्टे खाते के संबंध में उचित लेखा प्रविष्टियां दर्ज की गई हैं। आग लगने के कारण केंद्र ने एनपीआर रिकॉर्ड/परिसंपत्तियों सहित सभी अवसंरचनाओं को खो दिया।

(ञ) अप्रैल, 2019 में, नाइलिट चंडीगढ़ केंद्र ने मोहाली से अपना संचालन बिड़ला फार्म, बड़ा फुल रोपड़ (पंजाब) स्थित अपने परिसर में स्थानांतरित कर दिया था। 18 अगस्त, 2019 के दुर्भाग्यपूर्ण दिन कार्यालय भवन बाढ़ में घिरा हुआ था जिससे परिसंपत्तियों को नुकसान पहुंचा था। हालांकि बाढ़ में एनपीआर परियोजना की कोई निश्चित संपत्ति क्षतिग्रस्त नहीं हुई।

6. हम एतदद्वारा पुष्टि करते हैं कि, प्रबंधन द्वारा एकत्र की गई सूचना के आधार पर ऐसी पार्टियों की पहचान के अनुसार संस्था की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में निर्दिष्ट सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाली किसी भी पार्टी को कोई भी धनराशि देय नहीं है।

7. देनदारों और लेनदारों, ऋणों और अग्रिमों, चालू परिसंपत्तियों और चालू देनदारियों को बहियों में उस मूल्य पर बताया गया है जो वसूली योग्य/देय हैं। हालांकि, पार्टियों से पुष्टि प्रक्रिया में है।

8. आंकड़े नजदीकी रुपए में राउंड ऑफ किए गए हैं।

9. पिछले वर्षों के आंकड़ों को आवश्यकता के अनुसार पुनः सामूहीकृत/वर्गीकृत किया गया है, इसे पार्टियों से तुलनीय बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

10. विभिन्न केंद्रों के डेटा एकीकरण के दौरान, श्रेष्ठतर और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षक/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।

11. विभिन्न केन्द्रों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक अनुसार केवल महत्वपूर्ण टिप्पणियों को इन समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत किया गया है, गैर महत्वपूर्ण टिप्पणियों के लिए प्रत्येक केंद्र के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण का संदर्भ लिया जा सकता है।

12. नाइलिट में 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए स्रोत पर कर की कटौती का आयकर विभाग द्वारा जारी फॉर्म 26एएस के साथ समाधान किए जाने प्रक्रिया चल रही है।

13. पूर्व अवधि और अतिरिक्त साधारण मदें:

अजमेर केंद्र

पूर्व वर्ष से संबन्धित लेनदेन आय और व्यय लेखा में दर्शायी गई है

पूर्व अवधि का खर्च रु. 1,61,058/–(अजमेर) तथा रु. 19,003/–(पाली)

14. वर्ष के लिए पाली विस्तार केंद्र की सांविधिक लेखा–परीक्षा अजमेर केंद्र के लेखा–परीक्षा के साथ की गई है। पाली विस्तार केंद्र में किए गए लेन–देन को वित्त वर्ष 2018–19 से केंद्र के वित्तीय विवरण को नाइलिट अजमेर केंद्र के साथ विलय कर दिया गया है।

15. केंद्र अल्पकालिक जमा के मामले में प्राप्ति और भुगतान खातों को तैयार करने में सुव्यवस्थित नीति का पालन नहीं करते हैं जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 31–3–2020 के तुलन–पत्र और प्राप्ति और व्यय खाते में में दर्शायी गई अल्पकालिक जमाओं व दीर्घकालिक जमाओं के अंतिम शेष के बीच कुछ समाधान अंतर होता है। इसके अतिरिक्त, दिनांक 31.3.2020 तक प्राप्तियाँ और भुगतान खाते में नकद और बैंक शेष राशि अथशेष और अंतशेष के बीच कुछ समाधान अंतर है ।

कृते जे.पी. चावला और कंपनी एलएलपी
(शासपत्रित लेखाकार)
एफआरएन 001875 एन/एन 500025

(राजीव तलवार)	(डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा)	(सीए रजत चावला)
मुख्य वित्त अधिकारी	महानिदेशक	(भागीदार)
		एम.सं.510745

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 29–12–2020

संक्षिप्तकार

एआईसीटीई अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद। **बीसीए** कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक। **बीआई–ए** जैव सूचना विज्ञान ए–स्तर। **बीआई–ओ** जैव–सूचना–विज्ञान–ओ–स्तर। **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग। **बीसीसी** मूलभूत कंप्यूटर पाठ्यक्रम। **सीएसएसपी** प्रणाली सुरक्षा कार्मिक। **सीसीएफपी** प्रमाणित कंप्यूटर फोरेन्सिक कार्मिक। **सीआईएसए** प्रमाणित सूचना प्रणाली सुरक्षा। ऑडिटर **सीएसएसएसडी** प्रमाणित प्रणाली सुरक्षा समाधान डिजाइनर। **सीवीओ** मुख्य सर्तकता अधिकारी। **सीसीसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोगों सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम। **सीएचएम–ओ–स्तर** कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ओ स्तर। **सीएचएम–ए–स्तर** कंप्यूटर हार्डवेयर अनुरक्षण–ए–स्तर। **सीसीसी** कंप्यूटर अवधारणा पाठ्यक्रम। **ईसीसी** विशेषज्ञ कंप्यूटर पाठ्यक्रम। **सीईडीटीआई** भारतीय इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र। **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट। **डीईपीएम** इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन व अनुरक्षण में डिप्लोमा। **डोनर** उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय विभाग। **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग। **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली डिजाइन एवं विनिर्माण। **एचटीसीएस** हार्डवेयर तकनीकी परामर्श योजना। **आईसीटी** सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी। **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं। **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी। **जेएंडके** जम्मू तथा कश्मीर। **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय। **एमसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोग निष्णात। **नाइलिट** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान। **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद। **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर। **पीजीडीसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा। **पीएसयू** सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम। **पीएमसी** परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता। **आरजीआई** भारत के महापंजीयक। **आरएंडडी** अनुसंधान एवं विकास। **एससी** अनुसूचित जाति। **एसटी** अनुसूचित जनजाति। **वीएलसी** वर्चुअल अधिगम केन्द्र। **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन। **एनबीसीसी** राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम। **सीपीडब्ल्यूडी** केंद्रीय लोक निर्माण विभाग। **एमबी** प्रबंधन बोर्ड। **जीसी** अधिशाषी परिषद। **एफएंडए** वित्त एवं लेखा समिति की बैठक।

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकिट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077
हेल्पलान नं. (टोल फ्री) – 1800116511; फोन : 91-11-2530 8300
वेबसाइट : http://www.nielit.gov.in/ ई–मेल : contact@nielit.gov.in